शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 267 | गुवाहाटी | मंगलवार, 25 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में तेज बारिश और आंधी से भारी तबाही, दो लोगों की मौत पेज 3

दिल्ली में मजदूर डीटीसी बस में करेंगे फ्री यात्रा पेज 4

नो कर्फ्यू नो दंगा, उत्तर प्रदेश में सब चंगा : योगी पेज 5

जिसने दोस्ती निभाई वही भरे पेज 8

एबीटी से संबंध रखने वाले तीन गिरफ्तार

धुबड़ी। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा (एक्यूआईएस) से संबद्ध बांग्लादेशी प्रतिबंधित संगठन अंसारुल बांग्ला टीम (एबीटी) से कथित संबंध रखने वाले तीन लोगों को सोमवार को एक तलाशी अभियान के दौरान असम के धुबड़ी जिले से गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। एसपी अपर्णा नटराजन ने धुबड़ी में संवाददाताओं से कहा कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए एबीटी सदस्यों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अभियान शुरू किया और जिले के विभिन्न हिस्सों से संगठन से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि तीनों का बरपेटा, ग्वालपाड़ा, मोरीगांव और धुबड़ी से गिरफ्तार किए गए एबीटी सदस्यों के साथ वित्तीय लेनदेन का इतिहास था। नटराजन ने कहा कि आगे की जांच जारी है और पुलिस को संदेह है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के सक्रिय एबीटी सदस्यों के साथ संबंध हो सकते हैं जो अन्य राज्यों में छिपे हुए हैं। एसपी ने कहा कि गिरफ्तार तीनों लोगों में शहर के बगुलामारी इलाके से गिरफ्तार शफीकुल इस्लाम, सस्तरघाट पार्ट-2 से मुजाहिदुल मोंडल और तकीमारी से बादशाह शेख शामिल हैं। एसपी ने कहा कि पुलिस आईपीसी की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करेगी। इनके कब्जे से मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया है। राज्य पुलिस ने भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) में एबीटी और अल कायदा के नौ मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था और पिछले साल 53 लोगों को गिरफ्तार किया था।

विकसित भारत के लिए गांवों को बनाना होगा मजबूत : पीएम

रीवा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए समर्पित भाव से निरंतर प्रयासरत हैं। विकसित भारत के लिए गांवों की सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में सुधार और पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। हमारी सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। गांव-गरीब का जीवन आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार ने जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें पंचायती राज संस्थाएं प्रभावी तरीके से जमीन पर उतार रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर देशभर की पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के साथ-साथ विशेष ग्राम सभाओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल

मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह की उपस्थिति में रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह से प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 4 लाख 11 हजार हितग्राहियों को वर्चुअल गृह प्रवेश कराया। साथ ही मध्य प्रदेश में जल जीवन मिशन की 7853 करोड़ रुपए की लागत की रीवा, सतना और सीधी जिलों के लिए स्वीकृत 5 बड़ी समूह जल-प्रदाय योजनाओं का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के रेल नेटवर्क के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण को राष्ट्र को समर्पित कर 2300 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में वर्ष 2014 के पहले पंचायतों के लिए मात्र 70 हजार करोड़ रुपए का वित्त आयोग का अनुदान था, जो हमारी सरकार के दौरान 2 लाख करोड़ से अधिक का हुआ है। पंचायतों को सुदृढ़ करने की दिशा में पिछले 8 साल में 30 हजार से अधिक पंचायत भवनों का निर्माण किया -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षामंत्री ने शिक्षा सेतु असम पोर्टल का बताया महत्व

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री, रनोज पेगू सोमवार (24 अप्रैल) को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में *शिक्षा सेतु असम* पोर्टल को आधिकारिक तौर पर लॉन्च करने के लिए एक कार्यक्रम में उपस्थित थे। शिक्षा सेतु असम पोर्टल का उद्देश्य कर्मचारियों और छात्रों के बारे में जानकारी सहित राज्य के स्कूलों के बारे में व्यापक विवरण शामिल करना है। पोर्टल को गुवाहाटी के काहिलीपारा में आयोजित एक कार्यक्रम में लॉन्च किया गया है और शिक्षामंत्री ने औपचारिक रूप से इसका अनावरण किया। पोर्टल के लॉन्च -शेष पृष्ठ दो पर

केएलओ के दो कैडर मुठभेड़ में ढेर, दो भागे

कोकराझार (हि.स.)। कोकराझार जिला के बावखुंगगुड़ी पहाड़ी इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कामतापुर लिबरेशन आर्मी (केएलओ) के दो कैडर ढेर हो गए। एक कैडर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य दो भाग निकले। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि मुठभेड़ में मारे गए केएलओ कैडरों की पहचान अभिजीत डेका (उदालगुड़ी) और निपन राय (बंगाईगांव) के रूप में हुई है। बीती रात को जिला के बंदरपार में 5 अज्ञात युवक आए और एक दुकान पर अपनी पिस्तौल दिखाकर वहां से कुछ सामग्री लेकर चले गए। इसके बाद दो युवक गांव में घुसे और दो बकरियों को पकड़कर चक्रशिला पहाड़ी इलाके में चले गए। बाद में स्थानीय लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया। बाकी युवकों ने स्थानीय लोगों को निशाना बनाते हुए गोली चलाते हुए भाग निकले। कोकराझार पुलिस ने चक्रशिला पहाड़ी इलाके में एक अभियान चलाया। इस दौरान केएलओ कैडरों ने पुलिस पर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सच्चाई सामने आएगी : अंकिता

गुवाहाटी। अंकिता दत्ता उत्पीड़न मामले में भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी को असम पुलिस आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से नया समन मिला है। ताजा सम्मन 2 मई को पुलिस के सामने पेश होने के एक दिन बाद आया है। ताजा सम्मन तब आया जब राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्य पुलिस को लिखा कि वे हस्तक्षेप करें और श्रीनिवास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करें। सीआईडी जोड़ने उन्हें जांच के लिए सोमवार को असम के गुवाहाटी में अपने मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा है। बीवी श्रीनिवास के खिलाफ अपने आरोपों के बारे में असम युवा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अंकिता दत्ता ने कहा कि सच्चाई सामने आएगी, यह पार्टी के खिलाफ नहीं है, यह एक व्यक्ति बीवी श्रीनिवास के खिलाफ है। अगर किसी ने कोविड के दौरान अच्छा काम किया तो यह उसे उसके अपराध से मुक्त नहीं करता है। बता दें कि भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

एशिया में सबसे खराब हैं पाक की सरकारी कंपनियां : विश्व बैंक

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने एक बार फिर पाकिस्तान को आईना दिखाया है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियां दक्षिण एशिया में सबसे खराब हालात में हैं। ये कंपनियां कमाई से ज्यादा नुकसान कर रही हैं। विश्व बैंक ने पाकिस्तान के सरकारी कंपनियों के घाटे को खत्म करने और कर्ज से उबारने के लिए बड़ स्तर पर एक सुधार कार्यक्रम की सलाह दी है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि इनका संयुक्त घाटा संपत्ति की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है और संप्रभुता को लेकर भी जोखिम पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सालाना एक साथ ये कंपनियां पाकिस्तान के 458 अरब रुपए के सार्वजनिक धन को डूबो रही हैं। इन कंपनियों का संयुक्त ऋण वित्त वर्ष 2021 में जीडीपी के लगभग 10 फीसदी तक बढ़ गया था। इन पर 2016 में कुल कर्ज जीडीपी का 3.1 फीसदी या 1.05 लाख करोड़ था। विश्व बैंक ने कहा कि ये कंपनियां पाकिस्तान सरकार पर एक महत्वपूर्ण राजकोषीय घाटा थोपती हैं और सरकार के लिए पर्याप्त वित्तीय जोखिम पैदा कर रही हैं। बैंक ने बताया कि 2016 से पाकिस्तान की एक भी सरकारी कंपनी ने लाभ नहीं कमाया है। वित्त वर्ष 206 से 2020 में इन कंपनियों का औसत वार्षिक घाटा जीडीपी का 0.5 फीसदी रहा है। विश्व बैंक के सार्वजनिक व्यय समीक्षा 2023 में कहा गया है पाकिस्तान की सरकारी कंपनियों को दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे कम -शेष पृष्ठ दो पर

तारिक फतेह का निधन

नई दिल्ली। पाकिस्तानी मूल के मशहूर लेखक तारिक फतेह का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी उम्र 73 थी। बेटी नताशा ने उनके निधन की पुष्टि की है। नताशा ने ट्वीट किया कि पंजाब के शेर, हिन्दुस्तान के बेटे, कनाडा के प्रेमी, सच बोलने वाले, न्याय के लिए लड़ने वाले, दलितों और शोषितों की आवाज तारिक फतेह अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका काम और उनकी क्रांति उन सभी के साथ जारी रहेगी, जो उन्हें जानते और प्यार करते थे। बता दें कि वे भारत के प्रति अपने उदारवादी रुख के कारण यहां के लोगों में खासे लोकप्रिय थे। बता दें कि तारिक फतेह का परिवार मुंबई का रहने वाला था। 1947 में जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ तो उनका परिवार पाकिस्तान के कराची में जाकर बस गया। जहां 20 नवंबर साल 1949 को कराची में तारिक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरेगा तो रोजगार के नए मौके बनेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केरल में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरेगा तो यहां रोजगार के नए मौके बनेंगे। यहां नई इंडस्ट्रीज आएंगी और टूरिज्म बढ़ेगा। केरल के युवा जानते हैं कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का किसी भी राज्य के विकास में कितना योगदान होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केरल के कोच्चि के सैक्रेड हार्ट कॉलेज ग्राउंड में आयोजित युवम 2023 कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए केरल के लोगों की जमकर तारीफ की। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई मिशन वाइब्रेंट तब बनता है जब उसके पीछे वाइब्रेंट यूथ की एनर्जी लगती है और जब बात केरल की होती है तो इतना भव्य और सुंदर है कि यहां आकर ऊर्जा और बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब भारत की परंपराओं और ज्ञान के पुनरुदय की -शेष पृष्ठ दो पर

कोच्चि में प्रधानमंत्री ने किया रोड शो

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केरल के कोच्चि में पैदल रोड शो किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री को देखने पहुंचे। रोड शो के दौरान लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाते हुए उनका फूलों से स्वागत किया। वहीं प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। सूत्रों का कहना है कि आज शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के धर्म गुरुओं से मिलकर उनसे संवाद करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

देशहित में एकजुट होकर लड़ेंगे चुनाव : नीतीश

लखनऊ (हि.स.)। देश को आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे स्थिति में सभी पार्टियों को देशभर में एकजुट करेंगे और भाजपा से मुक्ति मिले इसको लेकर हम एक साथ आ रहे हैं। यह बातें सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने लखनऊ पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कही। नीतीश कुमार ने सपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार काम के बजाए सिर्फ प्रचार कर रही है। आने वाला लोकसभा चुनाव में हम सभी दल एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो इसका फायदा होगा। इसको लेकर हम सबको एकजुट करने के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
मंजिलें मिले न मिले ये तो मुकद्दर की बात है, लेकिन अगर हम कोशिश भी नहीं करें, ये तो बिल्कुल गलत बात है।
- अज्ञात

न्यूज गैलरी

कालियागंज दुष्कर्म मामला : चार पुलिस अधिकारी सस्पेंड

कोलकाता (हि.स.)। उत्तर दिनाजपुर के कलियागंज में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या में नाबालिग के शव को घसीटने वाले चार पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। जिला पुलिस की ओर से सोमवार को इस बात की पुष्टि की गई है कि चारों एएसआई रैंक के अधिकारी हैं। गत शनिवार को इस मामले में बच्ची के शव को घसीटते हुए ले जाने का वीडियो वायरल हुआ था। इसे लेकर महिला आयोग और शिशु अधिकार -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर पर डील चाहते थे बाजवा : पत्रकार का खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जाने माने सीनियर पत्रकार हामिद मीर के खुलासे से पड़ोसी मुल्क में हड़कंप मच गया है। हामिद मीर ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान की सेना भारतीय सेना से लड़ने के काबिल नहीं है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कश्मीर पर डील करने की कोशश में थे। मीर ने यह भी बताया है कि बाजवा ने भारत से रिश्ते सुधारने के लिए भारत के एनएसए अजीत डोभाल से बातचीत की थी। हामिद मीर ने ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी मीडिया *यूके44* को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि बाजवा ने दो वरिष्ठ पत्रकारों से कहा था कि भारत के खिलाफ लड़ने के लिए पाकिस्तानी सेना के पास न तो गोला-बारूद और न टैंकों में भरने के लिए डीजल। बताते चलें कि पाकिस्तान की सेना जब-जब इंडियन आर्मी से भिड़ी, उसे मुंह की खानी पड़ी। बंटवारे के बाद से पाकिस्तान भारत को गीदड़भभकी ही देता आया है। गीदड़भभकी इसलिए, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख जनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा ने सच्चाई बयां कर दी कि पाकिस्तानी सेना, भारतीय सेना का सामना करने के काबिल है ही नहीं। उन्होंने बाजवा के हवाले से बताया कि कमांडर्स की एक मीटिंग में बाजवा ने कहा था कि पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना का कोई मुकाबला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा था कि तोपों की आवाजाही के लिए भी हमारे पास डीजल नहीं है। मीर ने कहा कि बाजवा ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने का भी प्रस्ताव दिया था। वह कश्मीर के समाधान पर भी काम कर रहे थे। मीर ने कहा कि बाजवा ने साल 2021 में खुलासा किया था कि उन्होंने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ गुप्त बातचीत की -शेष पृष्ठ दो पर

मलेरिया के मामलों में 85.1 प्रतिशत की गिरावट, मौतों में भी कमी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में साल 2015-2022 के दौरान मलेरिया के मामलों में 85.1 प्रतिशत की गिरावट और मौतों में 83.36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को मलेरिया उन्मूलन पर एशिया पैसिफिक लीडर्स कॉन्क्लेव को आभासी रूप से संबोधित करते हुए यह बात कही। मलेरिया द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण चुनौती को संबोधित करते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि पुनर्जीवित राजनीतिक प्रतिबद्धता और मजबूत तकनीकी नेतृत्व दुनिया से मलेरिया के उन्मूलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई), आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसी भारत की स्वास्थ्य पहलों का हवाला देते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत मलेरिया को खत्म करने के प्रयास में अन्य देशों के साथ अपने संसाधनों, ज्ञान और सीख को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ वी के पॉल ने मलेरिया के मामलों में महत्वपूर्ण गिरावट हासिल करने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

बेटियां कृषि और विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में बढ़ रही हैं आगे : राष्ट्रपति

हिसार (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को हरियाणा के हिसार जिले में स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्रियां एवं मेडल प्रदान किए। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि आज जिन विद्यार्थियों ने डिग्री और मेडल प्राप्त किए हैं, उनमें में से आधे से अधिक बेटियां हैं। यही नहीं, गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह बहुत ही संतोष का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि और संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, राज्य कृषि मंत्री जेपी दलाल भी उपस्थित रहे। विवि के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर की। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री, पुरस्कार और पदक प्रदान करने का एक अवसर ही नहीं है, बल्कि अर्जित क्षमताओं के माध्यम से नई चुनौतियों को स्वीकार करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए आज का दिन उनके शैक्षिक जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है,

लेकिन आज आपकी शिक्षा संपूर्ण नहीं हुई है, केवल इसका एक हिस्सा पूर्ण हुआ है। कृषि विज्ञान के एक विद्यार्थी के रूप में आपने जो भी सीखा है उसका व्यावहारिक उपयोग करने का अवसर अब आपके सामने होगा। अब आप अन्नदाता, किसान भाई-बहनों के साथ मिलकर कृषि के विकास में अपना योगदान देंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे जीवनपर्यंत जिज्ञासु बने रहें, सीखते रहें और विनम्रता के साथ कृषि जगत की सेवा करते रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और क्षमताओं के विस्तार के लिए दुनिया भर के नवीनतम नवाचारों से अवगत रहना होगा और उनका यह प्रयास देश को वैभवशाली राष्ट्र बनाने में सार्थक होगा। उन्होंने कहा कि बढ़ी जनसंख्या के बावजूद, आज भारत खाद्यान्न संकटग्रस्त देश से खाद्यान्न निर्यातक देश बन गया है। इसमें हमारे नीति-निर्माताओं, कृषि-वैज्ञानिकों और किसान भाइयों-बहनों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके साथ ही आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं उपस्थित हैं जिनका समाधान खोजना आप जैसे कृषि पेशेवरों का दायित्व है। आपको ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को, पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए, पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हिसार का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के समय से ही कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हरित क्रांति और श्वेत क्रांति की सफलता में भी एचएयू ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। आज हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बढ़ा योगदान देने वाला राज्य है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों की किसान-हितैषी नीतियों, एचएयू की तकनीकी पहल और सबसे बढ़कर यहां के किसान भाइयों-बहनों की नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने की इच्छा-शक्ति को जाता है। एचएयू ने कृषि शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर अपनी पहचान स्थापित की है। आज जब पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और पूरी मानवता ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है तो ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने खुशी जताई कि यह विश्वविद्यालय कई देशों की संस्थाओं के साथ कृषि से जुड़े विषयों पर सहयोग कर रहा है।

सूडान : ऑपरेशन कावेरी शुरू, 500 लोग पहुंचे पोर्ट

नई दिल्ली। सूडान में छिड़े गृहयुद्ध के बीच सूडान सेना दूसरे देश के नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए तैयार हो गई है। जिसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी के जरिए वहां फंसे भारतीयों को बाहर निकालने का जिम्मा उठाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सूडान में भारतीयों को निकालने की प्रक्रिया पर ट्वीट करते हुए कहा कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे जहाज और विमान उन्हें वापस घर लाने के लिए तैयार हैं। लगभग 500 भारतीय पोर्ट सूडान पहुंच गए हैं जबकि अन्य रास्ते में हैं। हमारे जहाज और विमान उन्हें वापस घर लाने के लिए तैयार हैं। हम सूडान में अपने सभी भाइयों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें लगभग 3,000 भारतीय सूडान में फंसे हुए है। इससे पहले भारत में फ्रांस के दूतावास ने सूचित किया था कि उनके देश ने हिंसा प्रभावित सूडान से अपने निकासी मिशन के हिस्से के रूप में 27 अन्य देशों के नागरिकों के साथ कुछ भारतीयों को निकाला है। नई दिल्ली स्थित फ्रांसीसी दूतावास ने सोमवार को कहा कि भारत समेत 28 देशों के 388 लोगों को निकाला गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई के कारण सूडान हिंसा का सामना कर रहा है। 72 घंटे के संघर्ष विराम के बीच भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच 15 अप्रैल को हुई हिंसक झड़पें बेरोकटोक जारी हैं। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हिंसा में कम से कम 424 लोगों की मौत हुई है और करीब 3,730 लोग घायल हुए हैं।

ब्रायलर मुर्गियों से भरा वाहन जब्त

धुबड़ी (हिंस)। बाहरी राज्यों से ब्रायलर मुर्गियां प्रतिबंध के बावजूद असम लाई जा रही हैं। बीती रात पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से प्रतिबंधित ब्रायलर मुर्गियां लेकर आ रहे एक वाहन को असम में घुसते ही दबोचकर जब्त कर लिया गया। असम में इनको स्थानीय मुर्गी बताकर बेचा जाता है। असम में बाहरी राज्यों से लाई गई मुर्गियों की बिक्री प्रतिबंधित है। धुबड़ी जिला की गोलोकगंज पुलिस ने आज तड़के स्थानीय लोगों की सूचना मिलने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर ब्रायलर मुर्गियों से भरे एक टाटा डीआई वाहन (एएस-16एसी-3891) को जब्त किया है।

खेत्री हाईस्कूल में चोरी

गुवाहाटी (हिंस)। नगर के बाहरी इलाके में स्थित खेत्री हाई स्कूल में रविवार की रात बदमाशों ने स्कूल से महत्वपूर्ण दस्तावेज और कीमती सामान चुरा लिए। खेत्री थाना अंतर्गत खेत्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रविवार की रात बदमाशों ने स्कूल की छत तोड़कर अंदर घुस गए। विभिन्न कमरों में रखे कीमती दस्तावेजों को नष्ट करने के साथ ही विज्ञान प्रयोगशाला में घुसकर स्कूल के सीसीटीवी कैमरे काटकर विज्ञान की सामग्री को भी नष्ट कर दिया। बदमाशों ने स्कूल की रसोई में घुसकर चावल पकाकर खाए।

वन विभाग ने बोरनदी की तलहटी से 14 मशीनें जब्त कीं

बाक्सा (हिंस)। जिले के अंतर्गत तामुलपुर के ढेकीपुता स्थित बोरनदी की तलहटी में अवैध रूप से रेत और मिट्टी निकालने के लिए उपयोग की जा रही 14 को मशीनों को वन विभाग ने जब्त किया है। वन विभाग के सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि स्थानीय लोगों ने नदी के किनारे अवैध रूप से खुदाई के लिए मशीनों का उपयोग किये जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की। के चलते इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था। इसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने 14 मशीनों को जब्त कर लिया। वन विभाग ने कहा है कि समूचे घटना की जांच की जा रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरूद्ध कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले के रूपहीहाट में नशे के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने रविवार की रात रूपहीहाट के बरताल में छापेमारी कर मादक पदार्थ बरामद किया। पुलिस ने तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया है कि रूपहीहाट पुलिस की छापेमारी में तेजपुर के भोजखोवा चापरी निवासी शहीदुल इस्लाम को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से प्लास्टिक की एक साबुनदानी में भरे गए 12.37 ग्राम मादक पदार्थ के साथ ही प्लास्टिक के छोटे-छोटे 50 कंटेनर और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया है और उसके सहयोगियों के बारे में जानकारी करने का प्रयास कर रही है।

विश्वनाथ में ऑनलाइन काव्यगोष्ठी आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर साहित्य नगरी प्रयागराज से संचालित शहर समता विचार मंच, विश्वनाथ इकाई की पुरुष काव्यगोष्ठी की गत कल गूगल मीट (ऑनलाइन) से लोकार्पण किया गया। जिलाध्यक्ष संतोष कुमार महतो के संयोजन व संचालन में पुरुष काव्यगोष्ठी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह *राज* की अध्यक्षता में कल संध्या 6 बजे आयोजित विश्वनाथ इकाई पुरुष काव्यगोष्ठी में मंच से जुड़ें हिंदी कवियों ने *विषय* रंगाली बिहू, वसंतोत्सव व वसंत ऋतु के ऊपर स्वरचित काव्य पाठ किया।

सर्वप्रथम शुभारंभ जिलाध्यक्ष संतोष कुमार महतो ने सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित की। इसके बाद पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई के अध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इस काव्य गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि राजीव गांधी विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, सान्निध्य के रूप में शहर समता अखबार के सम्पादक आदरणीय उमेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवि गुवाहाटी के शंकरलाल पारीक, सारस्वत श्रोता सिक्किम विश्वविद्यालय सहायक हिंदी विभाग के आचार्या डॉ. चूकी भूटिया, अध्यापक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सुजित कुमार शर्मा, बंगाईगांव से विनय कुमार बुद्ध, उदालगुड़ी से हिंदी सेवी राजु बड़ो मानव दे, अतुल रौनियार, सैयदा आनोवारा खातुन आदि उपस्थित थे। सर्वप्रथम उमेश श्रीवास्तव जी ने मंच में शहर शमता महिला काव्य मंच और हमें विस्तार से जानकारी प्रदान किए। शहर समता अखबार के बारे में भीड़ जानकारी दिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने मंच को संबोधित करते हुए कहा कि असम का रंगारंग बिहू मनुष्य को आपस में जोड़ रखता है और मानवता का संदेश देता है। साथ ही रचना का अपना एक ऐसा शक्ति है जो सामाजिक बदलाव लाता है। मंच में वरिष्ठ कवि शंकर लाल पारीक ने *रंगाली बिहू*, सुजित कुमार शर्मा ने *बिहू*, राजु बोड़ो ने *रंजालि बैसागु* (रंगाली बिहू), प्रेम विश्वकर्मा ने *वसंत ऋतु*, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने *तुम क्या हो ?*, विनय कुमार बुद्ध ने *तुम्हें कौन करेगा वोट*, सैयदा आनोवारा खातुन ने *वसंत ऋतु* - देखो, वसंत ऋतु आई प्रकृति ने फिर से एक नया जीवन पाई, और जिला अध्यक्ष संतोष कुमार महतो ने *पेंपा की धुन से गूंज उठी असमी आई* कविता सुनाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह *राज* जी की अध्यक्षता भाषण के बाद विश्वनाथ चारिआलि शंकर शिशु विद्या निकेतन के हिंदी शिक्षक सुजित कुमार शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। विश्वनाथ इकाई के पुरुष काव्यगोष्ठी का लोकार्पण व काव्यपाठ का सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

पृष्ठ एक का शेष

विकसित भारत के ...

गया है। पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर की कनेक्टिविटी का विस्तार करते हुए 2 लाख से अधिक गांवों में ऑप्टिकल फाइबर का जाल बिछाया गया है। स्वतंत्रता के पहले से देश में व्यवस्था का आधार रही पंचायती राज संस्थाओं पर पिछली सरकारों ने भरोसा नहीं किया। पंचायतों के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। हमारी सरकार ने वर्ष 2014 के बाद पंचायतों के सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया और आज परिणाम सामने हैं। पंचायतें देश के विकास की प्राणवायु बन कर उभरी हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतों की मदद से गांव और शहरों के बीच की खाई को कम करने का प्रयास भी निरंतर जारी है। डिजिटल माध्यम से पंचायतों को स्मार्ट बनाया जा रहा है। अमृत सरोवरों के निर्माण में ड्रोन से सर्वे कराने के साथ निर्माण प्रक्रिया में अद्यतन तकनीक का उपयोग किया गया है। आज लोकार्पित किया गया एकीकृत ई-ग्राम स्वराज और जीईएम पोर्टल पंचायतों को अधिक सशक्त और उनकी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाएगा। आधुनिक तकनीक का लाभ प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में स्पष्टत: दिखाई दे रहा है। गांवों के आबादी क्षेत्र के ड्रोन टेक्नोलॉजी से हुए सर्वे और मानचित्रीकरण से सम्पत्ति के संबंध में बनने वाली विवाद की स्थितियां निर्मूल हुई हैं। देश के 75 हजार गांवों में इसका कार्य पूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की आधी से अधिक आबादी गांवों में रहती है। उनकी बेहतर व्यवस्था के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता। हमारी सरकार ने वर्ष 2014 के बाद गांवों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उज्ज्वला योजना में रसोई गैस के 10 करोड़ से अधिक कनेक्शन और गांवों में 3 करोड़ 75 लाख से अधिक आवासों का निर्माण इसके स्पष्ट प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना से गांवों के लाखों घरों में बिजली पहुंची है। जल जीवन मिशन से देश के 9 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को घर में नल से जल मिल रहा है। इनमें से 60 लाख घर मध्य प्रदेश के हैं। पिछली सरकारों ने गांव के लोगों का देश के बैंकों पर अधिकार ही नहीं माना। गांव के लोगों के न बैंक में खाते थे और न ही उन्हें बैंक से कोई सुविधा मिल पाती थी। हमारी सरकार ने जन-धन योजना में 40 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खुलवाए, पोस्ट ऑफिस का उपयोग कर गांवों तक बैंकों की पहुंच बढ़ाई और बैंक मित्र एवं बैंक सखी के माध्यम से लोगों को बैंकों से जोड़ा। इस अभियान का प्रभाव गांवों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खेती-किसानी से लेकर व्यापार तक में ग्रामीणों को बैंकों की मदद मिल रही है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में करीब ढाई लाख करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में भेजे गए हैं। इस योजना से मध्य प्रदेश के लगभग 90 लाख किसानों को 18 हजार 500 करोड़ रुपए मिले हैं। रीवा के किसानों को इस निधि से लगभग 500 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। एमएसपी बढ़ाने से गांवों में अतिरिक्त राशि पहुंच रही है। साथ ही गांव में रहने वाले गरीब परिवारों को कोरोना काल से मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। गरीब कल्याण की इस योजना पर भी 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। गांवों में हो रहे इन कार्यों से रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। गांव के युवाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से संचालित मुद्रा योजना में 24 लाख करोड़ रुपए की मदद दी गई है। उन्होंने कहा कि खेती में बढ़ते रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के उपयोग ने धरती के लिए संकटपूर्ण स्थिति निर्मित कर दी है। सभी पंचायत प्रतिनिधियों को धरती की सेहत सुधारने के लिए कृत-संकल्पित होना होगा। हम प्राकृतिक खेती अपना कर और लोगों को यह पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित कर अपना योगदान दे सकते हैं। पंचायतें प्राकृतिक खेती पर केंद्रित जन-जागरण अभियान चलाएं।

शिक्षामंत्री ने शिक्षा ...

को ध्यान में रखते हुए, 24 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2023 तक पूरे राज्य में *स्कूल प्रोफाइल अपडेट वीक* मनाया जाएगा। इस दौरान, स्कूलों से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। कार्यक्रम में भाषण देते हुए, रणोज पेगू ने शिक्षा क्षेत्र के उन्नयन की दिशा में पोर्टल के महत्व पर प्रकाश डाला। पेगु ने कहा कि इस पोर्टल की मदद से, हम शिक्षा क्षेत्र में सुधार के संदर्भ में चीजों को आगे ले जाने की सोच रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में स्कूल प्रोफाइल अपडेट वीक के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा कि 24-30 अप्रैल हम स्कूल प्रोफाइल अद्यतन सप्ताह मनाएंगे, जिसमें शिक्षा सेतु असम पोर्टल पर स्कूलों की 360-डिग्री जानकारी अपलोड की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के सभी अध्यापक तथा प्रधानाध्यापकों को अपने-अपने स्कूलों के बारे में संबंधित विवरण पोर्टल पर अपलोड करने के लिए भी कहा। शिक्षा सेतु असम पोर्टल के माध्यम से, राज्य सरकार से असम में स्कूलों के बारे में सटीक जानकारी के समावेश और रखरखाव को सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है। इस कदम से प्रशासन में दक्षता और शिक्षा क्षेत्र में निर्णय लेने की सुविधा की भी उम्मीद है।

केएलओ के दो...

गोलियां चलाना शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो केएलओ सदस्य की मौत हो गई, जबकि अन्य दो भाग निकले। पुलिस ने एक कैडर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चक्रशिला पहाड पर अभियान चलाकर केएलओ के एक शिविर को नष्ट कर दिया। पुलिस ने फरार कैडरों की पहचान का खुलासा नहीं किया है। मुठभेड़ स्थल से दो पिस्तौल भी बरामद हुई हैं।

सच्चाई सामने आएगी ...

श्रीनिवास बीवी पर लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली असम युवा कांग्रेस की पूर्व प्रमुख अंकिता दत्ता को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि अंकिता दत्ता को *पार्टी विरोधी* गतिविधियों के लिए छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है।

एशिया में सबसे खराब...

लाभदायक पाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2016-2021 की तुलना में घरेलू और विदेशी ऋणों और गारंटियों के खिलाफ संयुक्त राजकोषीय जोखिम 42.9 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ तेजी से बढ़ रहा था। लेकिन इसके लिए गारंटियों से उत्पन्न हो सकने वाले आकस्मिक जोखिम के कारण विस्तृत जोखिम मूल्यांकन की आवश्यकता है। वित्त वर्ष 2021 में पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के माध्यम से दी गई बकाया गारंटी का 32 फीसदी के-3 और के-4 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के परियोजना वित्तपोषण के लिए था। पाकिस्तान सरकार सरकारी कंपनियों के घाटे को कवर करने के लिए सब्सिडी, ऋण और इक्विटी निवेश के रूप में प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है। वित्त वर्ष 2021 में इन कंपनियों को दी गई प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता सकल घरेलू उत्पाद का 1.4 फीसदी थी। प्रत्यक्ष समर्थन के अलावा, सरकार व्यावसायिक बैंकों से ऋण लेने के लिए गारंटी भी जारी करती है। सरकारी कंपनियों के लिए पाकिस्तान के केंद्रीय सरकार का जोखिम, सरकारी कंपनियों को गारंटी और सरकारी ऋण के बकाया स्टॉक के रूप में परिभाषित किया गया है, जो तेजी से बड़ रहा है। इसके वित्त वर्ष 2021 में जीडीपी का 9.7 फीसदी पर पहुंचने की संभावना है।

इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरेगा तो ...

जरूरत पड़ी तो केरल से आदि शंकराचार्य निकले। जब विकृतियों के खिलाफ समाज को जागरूक करने की जरूरत हुई तो केरल से नारायण गुरु जैसे सुधारक आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हमारा देश अमृतकाल की यात्रा शुरू कर रहा है। युवम के जरिए केरल के युवाओं का यह संकल्प बहुत अहम है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के कोच्चि में पैदल रोड शो किया। अपने यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी यहां 3200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

कोच्चि में प्रधानमंत्री...

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय केरल यात्रा पर हैं। आज वह कोच्चि में आईएनएस गरुड़ नौसेना हवाई स्टेशन पर उतरे थे। उन्होंने कोच्चि में रोड शो किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेशन पर तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। ये रेलगाड़ी 11 जिलों - तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, पठानमथिट्टा, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड स्थामनों को कवर करेगी। प्रधानमंत्री यहां 3200 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

देशहित में एकजुट...

लिए निकले हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नीतीश ने कहा कि हमें अपने लिए कुछ नहीं चाहिए। हम भाजपा को हटाने के लिए सभी के साथ हैं और देशहित में काम करेंगे। इससे पूर्व समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए और भारतीय जनता पार्टी को हटाने के लिए हम लोगों एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे संबंध पहले से बेहतर हैं। समाजवादी विचारधारा के साथ एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और भाजपा को हटाने का काम करेंगे। अखिलेश और नीतीश की संयुक्त वार्ता के दौरान बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे।

तारिक फतेह का...

फतेह का जन्म हुआ। मशहूर लेखक तारिक फतेह ने कराची यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पत्रकारिता को अपना पेशा बनाया। उन्होंने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल में काम किया। उससे पहले 1970 में वे कराची सन नाम के अखबार में रिपोर्टिंग करते थे। खोजी पत्रकारिता के कारण वे कई बार जेल भी गए। हालांकि बाद में तारिक पाकिस्तान छोड़ कर सऊदी अरब चले गए। जहां से 1987 में वे कनाडा में बस गए। तारिक फतेह की पहचान पाकिस्तानी मूल के कनाडाई लेखक प्रसारक और सेक्युलर उदारवादी कार्यकर्ता के रूप में थी। वे इस्लामी अतिवाद के खिलाफ मुखर होकर बोलते और लिखते रहे। चेजिंग अ मिराज : द ट्रैजिक इल्लुझन ऑफ ऐन इस्लामिक स्टेट उनकी प्रसिद्ध कृति है। वे समलैंगिक व्यक्तियों के सामान अधिकारों और हितों के भी पक्षधर थे। इसके साथ ही बलूचिस्तान में मानवाधिकार के हनन पर भी उन्होंने खूब लिखा और बोला। वे आजाद बलूचिस्तान के पक्षधर के रूप में भी जाने जाते थे।

कश्मीर पर डील चाहते ...

थी और संघर्ष विराम की घोषणा के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान यात्रा की योजना बनाई गई थी। मीर ने यह भी दावा किया कि कश्मीर को लेकर बाजवा ने एक सौदा किया था, जिसके बारे में उन्होंने कभी भी पाकिस्तानी आवाम को नहीं बताया। मीर ने बताया कि भारत के साथ सीज फायर के बाद पीएम नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान का दौरा करना था। इस बारे में जब विदेश मंत्रालय को पता चला तो वह तत्कालीन पीएम इमरान खान के पास गए। लेकिन वह भी इस बारे में अनजान थे। तब इमरान ने कहा था कि मुझे इसकी जानकारी तो है कि एनएसए अजीत डोभाल के साथ बातचीत चल रही है, लेकिन पीएम मोदी के पाकिस्तान दौरे को लेकर जानकारी नहीं है।

मलेरिया के मामलों ...

के लिए दक्षिण एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के देशों को बधाई दी। उन्होंने संपूर्ण-सरकार और संपूर्ण-समाज के दृष्टिकोण को अपनाते हुए सीमाओं के पार सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें अनुसंधान और नवाचार को प्राथमिकता देने और व्यवहार परिवर्तन अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। मलेरिया के खिलाफ अतिरिक्त हथियार रखने के लिए हमें मलेरिया के खिलाफ टीका विकसित करने में जबरदस्त काम करने की जरूरत है। डॉ. पॉल ने कहा कि हमें उच्च बोझ वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग से इस बीमारी को खत्म करने की आवश्यकता है जो ग्रामीण स्तर पर शुरू होती है। डॉ. पॉल ने जोर देकर कहा कि घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र, प्रवासी आबादी, आदिवासी आबादी वाले क्षेत्र कुछ प्रमुख चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं जहां हमें वन टीम इंडिया के रूप में ध्यान केंद्रित करने और एक साथ काम करने की आवश्यकता है।

कालियागंज दुष्कर्म मामला...

सुरक्षा आयोग ने पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी थी। अब तीन दिनों बाद इस पर कार्रवाई की गई है। बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में स्थानीय तृणमूल पंचायत प्रधान पर गंभीर आरोप है। उससे आज तक पूछताछ नहीं हुई है। इसे लेकर राष्ट्रीय शिशु अधिकार रक्षा आयोग के चेयरपर्सन प्रियंक कानूनगो ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि डीएसपी ने उन्हें बताया है कि अतिरिक्त जिलाधिकारी ने उन्हें केंद्रीय शिशु अधिकार रक्षा आयोग के प्रतिनिधियों से मिलने से मना किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह के अंत में हुई इस जघन्य वारदात के बाद से पूरे इलाके में माहौल तनावपूर्ण है। एक सप्ताह के लिए धारा 144 लगाई गई है। बावजूद इसके सोमवार को भी इलाके में जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ है और पुलिस को लक्ष्य कर पथराव भी किया गया है। लोगों ने टायर जलाकर सड़क जाम किया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **एकादश अध्याय**

(ब्रह्म-वृक्ष)

ऊर्ध्व मूल शाखा अधह, पर्ण वेद है जाहि।
यह शाश्वत के बोध में, वेद बीत कह ताहि॥ 01॥

शब्दार्थ : (ऊर्ध्व) ऊपर मूल (अधह शाखा) नीचे शाखा (पर्ण) पत्ता (वेद) ज्ञान, चारों वेद।

भाष्य : जिसका मूल ऊपर को है और शाखा नीचे को है एवं वेद जिसके पत्ते हैं, जो इस नित्य ब्रह्मवृक्ष को जानता है, उसे वेदवेत्ता कहते हैं। इस ब्रह्मवृक्ष की मूल, शाखा और पत्ते को जानने वाला वेदवेत्ता है। इस ज्ञान-रहस्य को ब्रह्मनिष्ठ सद्गुरु द्वारा जानने का प्रयत्न करें।

दो पक्षी एक वृक्ष पर, करें निरन्तर वास।
एक अशन फल करत है, अन्य रह सदा उदास॥ 02॥

शब्दार्थ : (पक्षी) चिड़िया (निरन्तर) सदैव (वास) निवास (अशन) भोजन (उदास) त्याग, अलग।

भाष्य : प्रकृतिरूपी वृक्ष पर जीव और ब्रह्मरूपी दो पक्षी निवास करते हैं। एक पक्षी अर्थात जीव उस वृक्ष के फल को खाता है और दूसरा पक्षी ब्रह्म उस वृक्ष के फल को न खाकर सदैव अलग, उदास रहता है। प्रकृति भोग्य है और उसका भोक्ता आत्मा है। इन दोनों से भिन्न परब्रह्म है, जो दोनों का द्रष्टा सर्वेश्वर है।

असम में तेज बारिश और आंधी से भारी तबाही, दो लोगों की मौत

कई क्षेत्रों के स्कूल-कॉलेज बंद

गुवाहाटी। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में असम और इसके आसपास के क्षेत्रों में गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वी1 असम और इसके आसपास के क्षेत्रों में औसत समुद्र तल से 1.5 किमी और 2.1 किमी के बीच चक्रवाती प्रणाली बनी हुई है। मौसम केंद्र ने दो दिनों के लिए *येलो* श्रेणी की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि रविवार को असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। असम के तिनसुकिया जिले में तेज आंधी और ओलावृष्टि से अब तक 41 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, 2 लोगों की मौत हो चुकी है। तिनसुकिया के उपायुक्त स्वप्निल पॉल ने कहा कि हमने दोनों पीडि़तों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए के अनुग्रह राशि के चेक देने की व्यवस्था की है। जिला प्रशासन ने एहतियातन आज (24 अप्रैल) जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का आदेश दिया है। स्वप्निल पॉल ने एजेंसी को बताया कि जिले के डूमडूमा इलाके में भीषण तूफान आने पर दो लोगों की मौत हो गई। जिला प्रशासन के मुताबिक तेज आंधी और ओलावृष्टि से 54 गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं। तूफान के कारण छत गिरने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे. जिला प्रशासन के मुताबिक तूफान से इलाके में पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए थे। मौसम केंद्र ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है, जबकि मेघालय के अलग-अलग स्थानों पर इसी अवधि के दौरान भारी बारिश हो सकती है। आरएमसी ने सभी सात पूर्वोत्तर राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है।

खांडल विप्र विश्व परिषद ने मनाया भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव

गुवाहाटी। विगत 22 अप्रैल को नया कार्यालय 2011 रामकुमार आर्केड, छत्रीबाड़ी गुवाहाटी का विधिवत प्रवेश, पूजन गणमान्य समाजबंधु को एवं परिषद के पदाधिकारी, सदस्यागण की उपस्थिति में भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। 23 अप्रैल को श्री शिव परिवार द्वारा ऊं न्मो शिवाय का पाठ एवं कीर्तन 5 घंटे तक खुब आनन्दनित हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने का श्रेय शिवभगवान नवहाल, भैंवरलाल जीपलणा, गोपालजी, कनाड़िा, अभितमी मारोलिया, आर्मतंजजी बीला सीए सम्पत मोरालिया, बिनोद, बुढ़ाढरा परमेश्वर भारीवाड़ा, अजीत, मंगलिहारा, ओमप्रकाश काछमाल, रामगोपाल मारोलिया, ओमप्रकाश भारीवाड़ा, भागीरथ चोत्यि, महेंद्र चोत्यि, बिनोद पीपलावा सत्यनारायण मारोलिया, अनिल मारोलिया, अनिल कुमार रूथला, मनोज बुढ़ाढरा, बजरंगलाल काछवाल,ि शवकुमार जीपलवा, रविकुमार सोती, कैलाश काछवाल, मनोज जोशी कार्यक्रम में मौजूद थे। विद्वान पंडित मोहनलाल शास्त्री और रामातार शास्त्री द्वारा पूजा-अर्चना करवाई गई।

महर्षि धरमचंददेव गौशाला का शुभारंभ 29 को

तेजपुर। ब्रह्माविद्या ही सर्वोच्च ज्ञान है और इस ब्रह्माविद्या को बतलाने वाले, दिखलाने वाले और बोध कराने वाले को अध्यात्म के क्षेत्र में सद्गुरु कहते है। सद्गुरु ही संसार -सागर में भटकते जीव को सदुपदेश देकर उसे चेतन - लोक में प्रतिष्ठित कर देते हैं। यह सोनितपुर की धर्मपरायण जनता का सौभाग्य है कि आगामी 29 था 30 नवंबर को सद्गुरु आचार्य स्वतंत्रदेव महाराज तथा संत प्रवर विज्ञान देव महाराज तेजपुर पधार रहे है। वे महर्षि धरमचंददेव गौशाला के शुभारंभ समारोह एवं 108 कुंडीय यज्ञ में भाग लेंगे तथा अपने विद्वता पूर्ण प्रवचनों से भक्तों को स्वर्वेद के ज्ञान के गुढ़ रहस्यों से परिचित कराएंगे। यह जानकारी आज यहां देते हुए ब्रह्माविद्या विहंगम योग संस्थान, पूर्वांचल, के अध्यक्ष मदन मोहन सिंह कहा कि इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए असम के माननीय राज्यपाल महोदय ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। श्री सिंह ने कहा कि इस सिलसिले में वे और समारोह की स्वागत समिति के वरिष्ठ सदस्य जीतू बोरा ने तेजपुर के

विधायक पृथिराज राभा एवं रंगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती से भी मुलाकात कर कार्यक्रम में पधारने का निमंत्रण दिया है, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

जेसीआई कैलीबर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई गुवाहाटी कैलीबर का तीसरा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन महानगर के एक होटल में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जेसीआई के पूर्व जोन अध्यक्ष राजेश कुमार गंगवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में जोन उपाध्यक्ष युमली पाडू मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ निवर्तमान अध्यक्ष मानवेंद्र बरुवा ने अपने स्वागत भाषण से किया। तत्पश्चात आगामी सत्र के लिए अमित जैन को मुख्य अतिथि श्री गंगवाल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जैन ने सचिव के रूप में वैशाली शर्मा सहित अपने अन्य कार्यकारिणी

सदस्यों के नामों की घोषणा की एवं उन्हें शपथ पाठ करवाया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री जैन ने संस्था के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के दौरान सभी से सहयोग की कामना की। वही मुख्य अतिथि श्री गंगवाल ने अपने संबोधन में जेसीआई कैलिबर के सभी सदस्यों को मानव सेवा कार्य सहित खुद के व्यक्तित्व विकास करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि संस्था से जुड़ने से क्या क्या लाभ मिलता है। जेसीआई कैलीबर के पीआर निदेशक कौशिक नाथ ने बताया कि इस अवसर पर जेसीआई के विभिन्न सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन नवनियुक्त सचिव वैशाली शर्मा ने दिया।

एपीसीयू की कामरूप जिला समिति की 14वीं बैठक आयोजित

नागरबेड़ा (विभास)। असम प्रेस संवाददाता संघ (एपीसीयू) की कामरूप जिला समिति का 14वां द्विवार्षिक सत्र आज जिले के मिर्जा में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष हाछानुल अहमेद ने की। सचिव निरेन चंद्र माली ने उद्देश्य व्याख्या प्रतिवेदन का पाठ किया। बैठक में एपीसीयू की केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मौसमज्योति वैश्य, उपाध्यक्ष और बैठक के पर्यवेक्षक रतन कलिता ने ग्वालपाड़ा में आयोजित द्विवार्षिक सत्र विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा 29 और 30 अप्रैल को होने वाली जिले की नई समिति के गठन पर विस्तृत जानकारी दी। बैठक में कामरूप जिला एपीसीयू की नई समिति का गठन किया गया। जिसमें हाछानुल अहमद को अध्यक्ष, हितेन माली को कार्यकारी अध्यक्ष और निरेन चंद्र माली को सचिव बनाया गया। वहीं जिला समिति से मौसमज्योति वैश्य और आमीन मोइनुल हक को एपीसीयू की केंद्रीय समिति के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया।

अमीनगाव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

अमिनगांव (विभास)। उत्तरी गुवाहाटी के अमीनगांव के कुछ इलाकों में हेपेटाइटिस ए के प्रकोप को देखते हुए आज अमीनगांव की पूर्वी कॉलोनी के मां-मनसा मंदिर में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के फार्मासिस्ट और बाल रोग विशेषज्ञों सहित जिला चिकित्सा अधिकारियों ने चिकित्सा सेवा प्रदान की। आज शिविर में 363 बच्चों सहित कुल 550 लोगों ने चिकित्सा उपचार प्राप्त किया। इसके अलावा 167 ब्लड सैंपल की जांच की गई। शिविर में मरीजों को नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गयी। मोबाइल मेडिकल टीम ने भी शिविर में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने हेपेटाइटिस ए की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया। कामरूप जिले के स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक ने जनता से बुखार, पतले दस्त, शरीर में दर्द आदि जैसे लक्षणों का अनुभव होने पर तुरंत चिकित्सा सलाह लेने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से स्वच्छ पेयजल और स्वस्थ भोजन खाकर बीमारी को रोकने का भी आग्रह किया।

चार करोड़ की अवैध सुपारी ले जा रहे सात ट्रक जब्त, 9 गिरफ्तार

कछार (हिंस)। पुलिस ने असम-मेघालय सीमा पर कछार जिले के दिगरखाल में गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए अवैध रूप से सुपारी ले जा रहे सात ट्रकों को जब्त किया है। साथ ही नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज (सोमवार) बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर पड़ोसी देश म्यांमार (बर्मा) से लाई गई 1800 बोरी अवैध बर्मी सुपारी ले जा रहे सात ट्रकों को जब्त किया गया। बरामद सुपारी की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर दिगरखाल में छापेमारी के दौरान एक साथ सुपारी से लदे सात ट्रकों को जब्त किया। मिजोरम से आने वाले ट्रकों पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान ट्रकों के चालक व सहायक के रूप में हुई है। दूसरी ओर बर्मी सुपारी की तस्करी के खिलाफ सरकार के सख्त रुख के बावजूद कछार में बर्मी सुपारी का संगठित गिरोह चल रहा है। यह गिरोह हर दिन अवैध बर्मी सुपारी को मिजोरम से ट्रक द्वारा कछार ले जा रहा है। कछार पुलिस इस अवैध कारोबार के खिलाफ लगभग हर दिन जिले के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर बर्मी सुपारी से भरे वाहनों को जब्त कर तस्करों की धरपकड़ कर रही है लेकिन यह धंधा जारी है।

धुबड़ी में पीएफआई से संबंध के आरोप में दो गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। जिला पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से मदरसों के दो मौलानाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। इन दोनों के प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से कथित तौर पर जुड़े होने का आरोप है। बताया गया कि धुबड़ी बागुलामारी में एक छापे के दौरान शफीकुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया। शफीकुल से पूछताछ में मिली जानकारी के बाद धुबड़ी जिले के आलमगंज के द्वितिय खंड से सैफुल इस्लाम नामक के एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि दोनों से लगातार पूछताछ की जा रही है।

श्री श्याम धाम, नगांव का स्थापना दिवस संपन्न

नगांव (निसं)। श्री श्याम धाम, नगांव का पंचम स्थापना दिवस धूमधाम के साथ एक दिवसीय विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रविवार को संपन्नहुआ। श्री श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बाबा श्याम के शीश को और गर्भ गृह को गुलाबी मुकुट और उनके दरबार में गुलाबी फूलों की सजावट से आगंतुक भक्तो को आकर्षित कर रहा था। दुल्हन की तरह से सजें मंदिर और परिषर की सुंदर सजावट ने लोगों का मन मोह लिया। वैदिक-मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच बाबा का पवित्र केशरयुक्त जल से महाभिषेक मन को शांति का आभाष दिला रहा था। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का आना जाना लगा रहा और मंदिर में पधारें भक्तों ने श्रद्धा-भाव और समर्पण के साथ बाबा के दरबार में हाजरी लगाई। भक्तों के बीच अल्पाहार रूपी प्रसाद सुबह वितरित किया गया। बाबा की अखण्ड ज्योत के प्रज्वलन के साथ शाम को विशेष आकर्षण का केंद्र रहने वाले श्याम दरबार में *विशाल संकीर्तन* का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें भजनों की अनुपम प्रस्तुति कोलकाता से आमन्त्रित भजन कलाकार पूजा नथानी और नगांव की निर्मला आलमपुरिया द्वारा दी गई। भजन कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगणेशवंदना से निर्मला आलमपुरिया ने किया। भजनों के रूप में प्रस्तुत धमाल और बाबा श्याम की जीवनी पर आधारित भजनों ने लोगों का मन मोह लिया। पुरुष अपने सफेद कुर्ता पायजामा और रंग-बिरंगे दुपट्टे धारण किए हुए थे। वहीं महिलाएं अपने गणावेश थी। कतारबद्ध होकर लोगो ने ज्योत में आहुति प्रदान की और बाबा श्याम के दर्शन किए। भजन कार्यक्रम का संचालन श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कर्वा ने किया। स्थापना दिवस को सफल बनाने में श्री श्याम प्रेमी मंडल, नगांव के सदस्यो के अतिरिक्त आशीष खाखोलिया, प्रदीप जाजोदिया, अशोक केजरीवाल, आंनद छाजेड़, विमल भूत, सारंग खाटुवाला, मनीष केजरीवाल, मनोज गुजरानी आदि सदस्यायों का सहयोग सराहनीय रहा। भजन कार्यक्रम में आसपास के शहरो के अतिरिक्त शिलांग, गुवाहटी और तेजपुर से भी लोगो के आने की जानकारी मिली है।

होजाई : बाबोसा भगवान के पांच घरों में स्थापित होंगी मूर्ति

होजाई (होस)। बाबोसा भगवान की परम अराधिका मंजू बाईसा अपने दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के तहत होजाई पधार रही हैं। उक्त जानकारी बाबोसा भक्त मंडल के भक्त मनोज केजरीवाल ने हमारे संवाददाता को देते हुए बताया कि आगामी दिनांक 27 व 28 अप्रैल 2023 को होजाई पहुंचकर 5 घरों में बाबोसा भगवान की मूर्ति स्थापना करेंगी जिसको लेकर उनके भक्तों में काफी खुशियां देखने को मिल रही है। वही कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर बाबोसा भक्त मंडल के सदस्यगण उनकी तैयारी में जुटे हैं। केजरीवाल ने बताया 27 अप्रैल 2023 को मंजू बाईसा प्रात: 10.30 होजाई पहुंचकर नोतून बाजार स्थित कमल रांका व श्री चंद्र रांका के आवास पर पहुंचकर 21 नदियों के जल से अभिषेक करवाते हुए बाबोसा भगवान की मूर्ति धार्मिक कार्यक्रमों के तहत स्थापित करेंगी तत्पश्चात विश्राम के पश्चात अपराहन 4.30 लाल पट्टी स्थित मनोज शर्मा के आवास पर मूर्ति स्थापित की जाएगी। वहीं साईं 7 बजे होजाई के ओम ग्रैंड होटल के सभाकक्ष में मंजू बाईसा के साथ आमने-सामने का एक कार्यक्रम रखा

गया है। जिसमें भक्त उनसे आशीर्वाद लेते हुए धार्मिक कार्यक्रमों के तहत अपने मन की बात पूछ कर लाभान्वित हो सकते हैं। वही 28 अप्रैल को प्रात: 10:00 ठाकुरबाड़ी रोड स्थित पवन भीमसरिया व कैलाश भीमसरिया के आवास पर बाबोसा भगवान की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम में दिल्ली से प्रकाश जी सुराणा, अजय वैद्य, सुरेंद्र जैन, गुवाहाटी से गजराज सुराणा, संतोष शर्मा के अलावा डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, नगांव साथी असम के कई जगहों से भक्त पधार कर मंजू बाईसा से आशीर्वाद लेंगे।

ज्ञानशाला ने धूमधाम से मनाया अक्षय तृतीय पर्व

गुवाहाटी। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी द्वारा संचालित ज्ञानशाला ने गत रविवार को प्रात: 10 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में धूमधाम से अक्षय तृतीया कार्यक्रम मनाया। यह कार्यक्रम धर्मस्थल, रिहाबाड़ी एवं जी.एस. तीनों ही शाखाओं ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र से किया गया। मंगलाचरण धर्मस्थल की प्रशिक्षिकाओं ने किया। तत्पश्चात जी.एस. रोड की प्रशिक्षिकाओं ने भगवान आदिनाथ पर एक कविता और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। रिहाबाड़ी की प्रशिक्षिकाओं ने लघु नाटिका के द्वारा भगवान आदिनाथ की संपूर्ण जानकारी बच्चों को बहुत ही सुंदर तरीके से दी। कार्यक्रम संयोजिका ललिता मालू ने बताया कि ज्ञानशाला संयोजक श्री आशीषजी कोचर एवं मुख्य प्रशिक्षिका कान्ता देवी बच्छावत ने सभी बच्चों का हौसला बढ़ाया। ज्ञानशाला में पजल गेम भी करवाया गया। तत्पश्चात वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को तेरापंथी सभा द्वारा पारितोषिक प्रदान किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को गन्ने का जूस पिलाया गया। कार्यक्रम को

सफल बनाने में सह-मुख्य प्रशिक्षिका ममता पुगलिया, विजयलक्ष्मी पुगलिया, ललिता सामसुखा आदि का सराहनीय सहयोग रहा। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के अध्यक्ष श्री बजरंग कुमारजी सुराणा एवं मंत्री श्री रायचंदजी पटावरी ने ज्ञानशाला द्वारा भव्य रूप से अक्षय तृतीया पर्व मनाए जाने पर सभी ज्ञानार्थियों एवं प्रशिक्षिकाओं को धन्यवाद दिया है। इस आशय की जानकारी ज्ञानशाला की सह-मुख्य प्रशिक्षिका जया घीया द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

NO. CKCI/TS/NABARD/655/

SHORT NOTICE INVITING E-TENDER

The Superintending Engineer Cachar-Karimganj Circle (Irrigation) Silchar Assam on behalf of Governor of Assam invites E-Tender from the agencies registered with Irrigation Department for the following works.

Sl. No.	Name of work	Estimated Amount	EMD/Bid Security	Cost of Bid document
1	SOLAR POWERED MDTW SCHEME AT KAPTANPUR PT-XVI, BASKANDI UNDER RIDF NABARD-XXVIII FOR THE YEAR 2022-23	Rs. 59,41,656.00 (approx)	2% for Gen & 1% for SC/ST/OBC	Rs. 1,500.00
2	SOLAR POWERED MDTW SCHEME AT NARAINPUR PT-XIV, UNDER HAILAKANDI LAC (1 POINT) UNDER RIDF XXVIIII (NABARD) FOR THE YEAR 2022-23.	Rs. 29,70,586.28 (approx)	2% for Gen & 1% for SC/ST/OBC	Rs. 1,000.00
3	SOLAR POWERED MDTW SCHEME AT NITAINAGAR PT-III, UNDER HAILAKANDI LAC (1 POINT) UNDER RIDF XXVIIII (NABARD) FOR THE YEAR 2022-23.	Rs. 29,70,586.28 (approx)	2% for Gen & 1% for SC/ST/OBC	Rs. 1,000.00
4	SOLAR POWERED MDTW SCHEME AT KURIKHALA AREA UNDER RIDF XXVIIII (NABARD) FOR THE YEAR 2022-23.	Rs. 29,70,612.00 (approx)	2% for Gen & 1% for SC/ST/OBC	Rs. 1,000.00

Last date of submission of duly filled in e-tender is on 10/05/2023 up to 2.00 P.M and hard copy of the Technical Documents along with receipt of EMD/ Bid Security Cost, Bid document Cost, duly page numbering (in proper book binding form) & affixing non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with self attestation to be submitted by 11/05/2023 up to 12.30 P.M at office of the Superintending Engineer Cachar-Karimganj Circle (Irrigation) Silchar. Assam.

Opening date of technical Bid :- 11/05/2023 at 3.00 P.M

Opening Date of financial Bid:- to be announced later.

The details may be seen at website www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours from 26/04/2023 to 10/05/2023 up to 2.00 P.M.

Sd/-
Superintending Engincer,
Cachar- Karimganj Circle (Irrigation)
Silchar

-- Janasanyog /C/1289/23

दिल्ली में मजदूर डीटीसी बस में करेंगे फ्री यात्रा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में मजदूरी कर अपना घर चलाने वाले लाखों मजदूरों के लिए खुशखबरी है। उन्हें अब दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) का सालाना पास मुहैया कराया जाएगा, अब वह भी दिल्ली की बसों में महिलाओं की तरह फ्री में यात्रा कर सकेंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में काम करने वाले लाखों मजदूरों को बड़ी राहत दी है। केजरीवाल ने श्रम विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विभाग को आदेश दिया है कि सरकारी सुविधाओं एवं योजनाओं को दिल्ली में पंजीकृत सभी 13 लाख श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए काम हो। बैठक में कुछ बिंदुओं पर फैसले लिए गए, जैसे सभी श्रमिकों को बसों में फ्री सफर के लिए सालाना डीटीसी पास दिया जाएगा। इस–ाके साथ ही रहने के लिए घरों एवं होस्टल की व्यवस्था की जाएगी। सभी श्रमिकों के बच्चों के लिए फ्री कोचिंग की व्यवस्था की जीएगी। सभी श्रमिकों को टूलकिट दिए जाएंगे एवं बड़े स्तर पर उनके लिए स्किल डेवेलेपमेंट प्रोग्राम चलाए जाएंगे। सभी श्रमिकों को ईएसआई स्कीम एवं ग्रुप इंश्योरेंस दिया जाएगा। मुफ्त बस पास देने के संबंध में केजरीवाल ने बीते कुछ दिनों पहले अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया था। दिल्ली में काम करने वाले मजदूर काफी हैं, लेकिन सरकार के पोर्टल पर सिर्फ 13 लाख श्रमिकों ने ही खुद को पंजीकृत किया है। दिल्ली सरकार की इन योजनाओं का लाभ फिलहाल 13 लाख श्रमिकों को ही मिलेगा। ऐसे में इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए अन्य मजदूरों को खुद को सरकार के पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। दिल्ली सरकार अपने शिक्षा मॉडल के तहत मजदूरों के बच्चों को भी फ्री शिक्षा मुहैया करा रही है। उन्हें फ्री में कोचिंग भी दी जाएगी। दिल्ली सरकार विभिन्न योजनाओं के जरिए निर्माण श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति और अन्य मदद करती है। कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को 500 रुपये प्रतिमाह, कक्षा 9 से 10 के बच्चों को 700 रुपये, कक्षा 11 से 12 के बच्चों को 1,000 रुपये, स्नातक स्तर पर 3,000 रुपये, पांच वर्ष एलएलबी कोर्स के लिए 4,000 रुपये, तीन वर्ष के एलएलबी कोर्स के लिए 3,000 रुपये, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के लिए 5,000 रुपये और तकनीकी पाठ्यक्रम जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, एमबीए के लिए 10 हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाता है। केजरीवाल ने विभाग को जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना के तर्ज पर काम करने का निर्देश दिया है, जहां निर्माण श्रमिकों के बच्चे मुफ्त कोचिंग का लाभ उठा सकते हैं।

पंचायती व्यवस्था को कमजोर कर रही है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर पंचायती व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मोदी सरकार लगातार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर कर रही है। कई भाजपा शासित राज्यों में तो पंचायत चुनाव भी देरी से कराए जा रहे हैं। रमेश ने कहा कि कर्नाटका, मध्यप्रदेश सहित हरियाणा में पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए गए। इस मामले को लेकर कोर्ट ने इन राज्य सरकारों पर सवाल भी उठाए थे। रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से पंचायत को मजबूत करने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 30 वर्ष पहले 73वां संविधान संशोधन अधिनियम लागू करवाया था। इस संविधान संशोधन के तहत कांग्रेस पार्टी ने पंचायतों को मजबूत किया और पहली बार 2010 में 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती दिवस के रूप में मनाया गया था। तभी से हर साल ये दिन 'पंचायती राज दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। लेकिन आज भाजपा इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।

राजेश कुमार सिंह ने डीपीआईआईटी के सचिव का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजेश कुमार सिंह ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव के रूप में अपना कार्यभार संभाला लिया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने डीपीआईआईटी के सचिव के तौर पर पदभार संभाल लिया है। उन्होंने मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अनुराग जैन का स्थान लिया है, जिन्हें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) का सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पिछले हफ्ते सिंह को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग का सचिव नियुक्त किया था। राजेश कुमार सिंह 1989 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार में आयुक्त दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), संयुक्त सचिव पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, संयुक्त सचिव कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग और मुख्य सतर्कता अधिकारी भारतीय खाद्य निगम के रूप में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इसके अलावा उन्होंने केरल सरकार के सचिव, शहरी विकास और वित्त सचिव जैसे अहम पदों पर भी कार्य किया है।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
DEPARTMENT FOR PROMOTION OF INDUSTRY AND INTERNAL TRADE
सत्यमेव जयते

अजीत पर पवार की दो टूक, मैं कड़ा फैसला लूंगा

महाविकास अघाड़ी को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता हूं

मुंबई (ईएमएस)। एनसीपी सुप्रिमो के भतीजे और महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में शुमार अजित पवार के पार्टी से अलग होने के कयासों को भले ही एनसीपी दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन धुंआ है, तब जरूर आग भी लगी ही है। खुद शरद पवार के बयान भी इसके संकेत दे रहे हैं। एनसीपी मुखिया पवार ने फिर से पार्टी में सब कुछ सही ना होने का संकेत देकर कहा कि यदि कोई पार्टी से अलग ही जाना चाहता है, तब वह ऐसा कर सकता है। यह उनकी रणनीति हो सकती है। यदि हमें कोई स्टैंड लेना होगा, तब मैं कड़ा फैसला लूंगा। इस मसले पर कुछ भी बोलना ठीक नहीं है। इस मामले पर हमने कोई बात ही नहीं की है। पवार को लेकर उठे सवालों पर दिग्गज नेता ने यह बात कही। शरद पवार ने कहा कि पार्टी में अजित को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रविवार को पार्टी की बैठक में कोई बात ही नहीं हुई। हालांकि सुप्रिया सुले ने अजित दादा के उस बयान का समर्थन किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं सीएम पद के लिए तैयारी कर रहा हूं। सुप्रिया ने कहा कि राजनीति में महत्वाकांक्षा रखना कोई गलत बात नहीं है। सुले ने कहा, राजनीति में महत्वाकांक्षा होना या कोई सपना देखना गलत नहीं है। हर कोई सोचता है, इसलिए मैं नहीं मानती कि खुलकर बोलने में कुछ गलत है। यहां तक कि वे अपनी महत्वाकांक्षा के बारे में बोलने में काफी ईमानदार हैं। दरअसल अजित ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में पूछने पर कहा था कि मैं तब फिलहाल मुख्यमंत्री पद के लिए तैयारी कर रहा हूं। हालांकि सुप्रिया ने अजित के एनसीपी छोड़कर भाजपा संग जाने के सवालों पर खुलकर कुछ नहीं कहा। सुप्रिया ने कहा कि मैं राज्य के विकास कार्यों में बिजी हूं। मुझे दुख है कि राज्य में तमाम तरह की गॉसिप हो रही हैं, लेकिन किसी का भी ध्यान किसानों के मसले पर नहीं है। अफवाहों की बजाय इसतरह के मुद्दों पर ध्यान होना चाहिए। शरद पवार ने इस बीच महा विकास अघाड़ी को लेकर भी अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आज हम गठबंधन का हिस्सा हैं और साथ काम करने की भावना है। लेकिन इच्छा ही तब काफी नहीं होती। सीटों के बंटवारे को लेकर कोई नहीं हुई है। इसलिए मैं यह अभी कैसे बता सकता हूं कि 2024 में सभी साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे या फिर क्या तैयारी रहेगी।

कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के आवासों पर छापा

बैंगलुरु (ईएमएस)। लोकायुक्त के अधिकारी सोमवार को पूरे कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के आवासों पर छापे और तलाशी अभियान चला रहे हैं। यह अभियान कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति को लेकर है। बेंगलुरु में येलहंका इलाके में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) से जुड़े एडीजीपी के आवास पर छापेमारी की जा रही है। लोकायुक्त सूत्रों के मुताबिक दावणगेरे, बेल्लारी, बीदर, कोलार और अन्य जिलों में भी छापेमारी चल रही है। बीबीएमपी के एडीजीपी गंगाधरैया के आवासों की तलाशी भी ली जा रही है। येलहंका और महालक्ष्मी लेआउट में उनके आवासों पर 15 अधिकारियों की टीम छापेमारी कर रही है। टीम का नेतृत्व एक एसपी, एक डिप्टी एसपी और एक इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी कर रहे हैं। लोकायुक्त एसपी उमेश के नेतृत्व में जांच अधिकारी कोलार जिले में तालुक पंचायत के सीईओ एन. वेंकटेशप्पा के कई स्थानों पर संपत्तियों की तलाशी ले रहे हैं। एक अधिकारी हुसैन साब के बेल्लारी और बेंगलुरु स्थित घरों पर भी छापेमारी की जा रही है। बसवकल्याण के बीदर, मुदुबी के आनंदनगर में उप तहसीलदार विजयकुमार स्वामी के छह आवासों और संपत्तियों पर भी तलाशी चल रही है। कार्यपालक अभियंता सुरेश मेड़ा के बीदर के गुरुनगर स्थित आवास और नौबाद स्थित कार्यालय पर भी छापेमारी की जा रही है। लोकायुक्त अधिकारी डीसीएफ नागराज और तहसीलदार नागराज के दावणगेरे स्थित आवासों में तलाशी के लिए मौजूद हैं।

दिल्ली पुलिस ने खेल मंत्रालय से मांगी रिपोर्ट

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति से रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अभी तक डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ सात शिकायतें मिली हैं और उन सभी की जांच की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि पुख्ता सबूत मिलने के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि देश के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कई नामी पहलवान बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाली निगरानी समिति के निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आज प्रदर्शन का दूसरा दिन है। विरोध प्रदर्शन में विनेश फोगाट, संगीता फोगाट, बजरंग पुनिया साक्षी मलिक अभी भी जंतर-मंतर पर बैठी हुई है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर बैठे महिला पहलवानों के समर्थन में परिजन भी आ गए हैं। इस बीच महिला पहलवान विनेश फोगाट ने एक भावुक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है, पोडियम से फुटपाथ तक, आधी रात खुले आसमान के नीचे न्याय की आस में.. इससे पहले विनेश फोगाट ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस खाना और पानी अंदर नहीं लाने दे रही है। बाहर खड़े पहलवानों को भी अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी तबियत खराब है, जब वो दवाई लेने बाहर गईं और वापस लौटीं तो उन्होंने अंदर जाने से रोकने की कोशिश की गई। प्रदर्शन कर रहे बजरंग पुनिया ने कहा कि इस बार राजनीतिक दलों से परहेज नहीं करेंगे। पिछली बार जो गलतियां हुई हैं, उन्हें इस बार नहीं दोहराएंगे, जो भी आएगा सबका स्वागत है।

दिल्ली में एक सप्ताह में कोरोना से 35 लोगों की मौत चिंता का विषय : बिधूड़ी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में पिछले एक सप्ताह में कोरोना से 35 लोगों की मौत पर चिंता व्यक्त की है। बिधूड़ी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि दिल्ली में संक्रमण दर भी इस समय देश में सबसे ज्यादा चल रही है। औसतन हर चार में से एक व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। दिल्ली सरकार हमेशा की तरह हाथ पर हाथ रखकर बैठी है और केवल एक ही वाक्य दोहराया जा रहा है कि हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। बिधूड़ी ने कहा कि इस समय जिन राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज आ रहे हैं, उनमें दिल्ली दूसरे नंबर पर है। केरल, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में तो कोरोना की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। वहां मास्क अनिवार्य किया है लेकिन हैरानी की बात यह है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केवल एडवाइजरी ही जारी की है कि लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर और अस्पतालों में मास्क पहनना चाहिए। बिधूड़ी ने पूछा है कि सरकार बताए कि कितनी टीमें भीड़भाड़ वाली जगहों पर भेजी या कितने अस्पतालों का निरीक्षण किया ताकि पता चल सके कि लोग इस एडवाइजरी का पालन कर रहे हैं या नहीं? आखिर जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए?

जी-20: तीसरे शिक्षा वर्किंग ग्रुप से जुड़े सम्मेलन का केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने किया उद्घाटन

भुवनेश्वर, (हि.स.)। राजधानी में सोमवार को जी 20 के तीसरी शिक्षा वर्किंग ग्रुप की बैठक के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय आईएमएमटी परिसर में आयोजित 'ट्रांसफार्मिंग लॉजिस्टिक फॉर कोस्टल इकोनॉमिक विद अ फोकस ऑन सस्टेनेबिलिटी' सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय कौशल विकास, उद्यमिता एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि युवा भारत के छात्र किसी प्रकार के विमर्श व चर्चा के सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने छात्रों से अपने करियर में स्किल जैसे महत्वपूर्ण विषय को शामिल करने पर जोर दिया। इससे पहले केंद्रीय राज्यमंत्री चंद्रशेखर सोमवार सुबह भुवनेश्वर पहुंचे। एयरपोर्ट पर नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रमुख मयंक भटनागर, क्षेत्रीय प्रमुख भावना वर्मा, राज्य के एंगेजमेंट अधिकारी स्मृति रंजन बिश्वाल तथा राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि राजधानी भुवनेश्वर में जी-20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप सम्मेलन 23 से 28 अप्रैल तक चलेगा। आईएमएमटी परिसर में आयोजित इस पांच दिवसीय सम्मेलन में भविष्य की कार्यशैली, प्रदर्शनी, बैठक व सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं।

वंदे भारत का सफर राजधानी से भी महंगा, केटरिंग चार्ज में आएगा अंतर

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले यात्रियों को वंदे भारत ट्रेन में ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेंद्रम सेंट्रल से कासरगोड़ तक पहुंचने में वंदे भारत को 8 घंटे 5 मिनट का समय लगेगा और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2880 रुपये होगा। जबकि, राजधानी यह सफर 8 घंटे 59 मिनट में करती है, लेकिन उसका किराया 2770 रुपये है। कहा जा रहा है कि दोनों ही ट्रेनों का बेस फेयर एक जैसा ही है, लेकिन केटरिंग चार्ज के चलते यह अंतर आ सकता है। तिरुवनंतपुरम से कासरगोड़ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इसकी शुरूआत करेंगे। हालांकि, एक अधिकारी ने बताया है कि यात्री इस ट्रेन की रफ्तार का मजा बुधवार से उठा पाएंगे। नई वंदे भारत की एंट्री से ही इस रूट पर दौड़ रही राजधानी एक्सप्रेस की रफ्तार का रिकॉर्ड टूट जाएगा। एक ओर जहां वंदे भारत का बेस फेयर 2194 रुपये और केटरिंग चार्ज 434 रुपये है। वहीं, राजधानी के मामले में यह आंकड़ा क्रमशः 2269 रुपये और 245 रुपये है। हालांकि, जीएसटी, सुपरफास्ट और रिजर्वेशन चार्ज दोनों ही रेलगाड़ियों के बराबर है। इसके अलावा केटरिंग की सुविधा लेना भी यात्रियों के लिए वैकल्पिक है। एक अधिकारी का कहना है कि राजधानी में केवल डिनर सर्व किया जाता है। जबकि, वंदे भारत में यात्रियों के नाश्ते के साथ चाय और स्नैक्स भी मिलेंगे। अगर वंदे भारत में यात्री भोजन नहीं लेना चाहते, तो उन्हें 2465 रुपये चुकाने होंगे।

वहीं, राजधानी के फर्स्ट एसी में उन्हें 2525 रुपये का भुगतान करना होगा। त्रिवेंद्रम सेंट्रल से वंदे भारत सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर निकलेगी और दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर कासरगोड़ पहुंचेगी। कासरगोड़ से वंदे भारत दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगा और त्रिवेंद्रम सेंट्रल रात 10 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी।

मेयर चुनाव से पहले 'आप' को झटका, द्वारका से महिला पार्षद भाजपा में शामिल

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी आप को बड़ा झटका लगा है। द्वारका के वार्ड नंबर 130 से आदमी पार्टी की पार्षद सुनीता भाजपा में शामिल हो गई है। सोमवार को प्रदेश कार्यालय में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी में शामिल कराया है। निगम पार्षद सुनीता ने कहा है कि हमारी विचारधारा शुरू से भाजपा से मेल खाती थी और यही वजह है कि भाजपा का दामन थामा है। साथ ही उन्होंने दिल्ली सरकार पर भी निशाना साधा है और कहा है कि केजरीवाल सरकार दिल्ली में लगातार भ्रष्टाचार करती जा रही है। इससे पहले फरवरी में हुए मेयर चुनाव के ऐन वक्त पहले भी बवाना के ह्यआपह्ल पार्षद ने भाजपा का दामन थाम लिया था। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि हमें खुशी हो रही है कि भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। आज आप पार्टी की निगम पार्षद केजरीवाल के भ्रष्टाचार से परेशान होकर भाजपा का दामन थाम रही है। जिस प्रकार से केजरीवाल सरकार हर एक विभाग में भ्रष्टाचार और घोटाले की है, उससे दिल्ली की जनता को त्रस्त है। साथ ही इनके पार्षद अब अपनी पार्टी को छोड़ने का मन बना चुके हैं। भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा है कि दिल्ली की जनता इस वक्त केजरीवाल सरकार से बहुत परेशान है। जब से इनके पार्षद जीते हैं, तब से इलाकों में और भी गुंडागर्दी एवं भ्रष्टाचार बढ़ गया है।

रेहड़ी पटरी वालों से जबरन वसूली की जा रही है, जिसका कई पार्षदों ने विरोध भी किया है। इसी से त्रस्त होकर आज आम आदमी पार्टी की पार्षद भाजपा का दामन थाम लिया है। आगे भाजपा सांसद ने कहा है कि हम लोगों से कुछ गलतियां भी हुई थी, जो प्रत्याशी थे हम उनको टिकट नहीं दे पाए थे और उन प्रत्याशियों को आम आदमी पार्टी ने टिकट दिया। उनकी लोकप्रियता थी, जिसके कारण वह जीते, लेकिन आम आदमी पार्टी इस वक्त अपने जीते हुए पार्षदों से जबरदस्ती बाजारों में उगाई करवा रही है, जिससे पार्षद काफी परेशान और हताहत है। उल्लेखनीय है कि 26 अप्रैल को मेयर पद का चुनाव होना है। दिल्ली नगर निगम चुनाव में 250 सीटों में बीजेपी को 104 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, आप को 134 सीटें मिली थी। मेयर चुनाव से पहले आप के दो पार्षद भाजपा में शामिल हो गए, उसके पार्षदों की संख्या बढ़कर 106 हो गई थी, अब एक और पार्षद ने ह्यआपह्ल को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है।

आपात स्थिति में चारधाम यात्री किए जाएंगे एयरलिफ्ट : डा. धन सिंह

-चारधाम यात्रा में 29 विशेषज्ञ चिकित्सक और 182 चिकित्सक तैनात
-यात्रा मार्गों पर 48 स्थाई ओर 23 अस्थाई चिकित्सा इकाई क्रियाशील

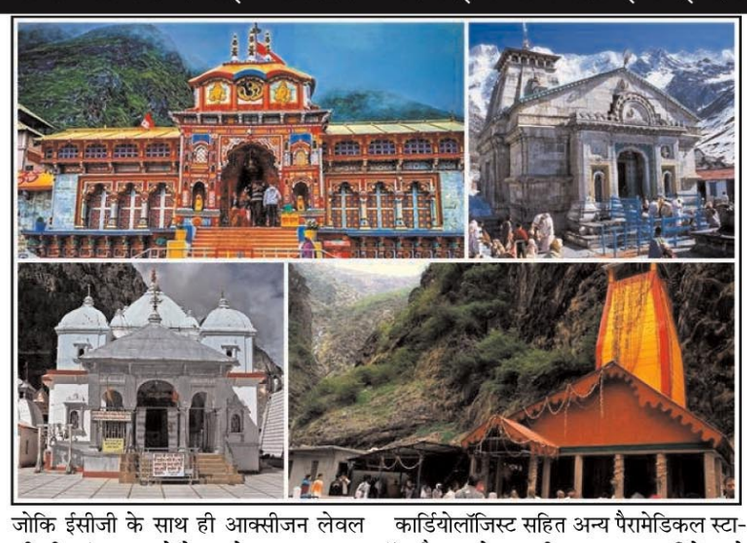

देहरादून, हि.स.)। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान आपात स्थिति में तीर्थ यात्रियों को एयरलिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए सभी जनपदों के जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। चारधाम यात्रा में 29 विशेषज्ञ चिकित्सक और 182 चिकित्सक तैनात किए गए हैं। यात्रा मार्गों पर 48 स्थाई और 23 अस्थाई चिकित्सा इकाई क्रियाशील हैं। यह जानकारी चिकित्सा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने दी। उन्होंने बताया कि विगत दिनों यमुनोत्री में हृदय गति रुकने से दो तीर्थ यात्रियों की मृत्यु हो गई थी, जिसको देखते हुए उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली के जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तीर्थ यात्रियों को तत्काल एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश और राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून, श्रीनगर पहुंचाया जाए, ताकि समय रहते यात्रियों को गंभीर हालत में विशेषज्ञ चिकित्सकों का बेहतर उपचार दिया जा सके। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा मार्गों पर 48 स्थाई चिकित्सा इकाई और 23 अस्थाई चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है, जहां पर 29 विशेषज्ञ चिकित्सक एवं 182 चिकित्साधिकारी तैनात किये गये हैं। 95 पीओसीटी डिवाइसेज उपलब्ध कराई गई हैं जोकि ईसीजी के साथ ही आक्सीजन लेवल की भी जांच कर सकेंगे। इसके अलावा 272 पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती की गई है, जिनमें 182 स्टाफ नर्स और 90 फार्मासिस्ट शामिल हैं। चारधाम यात्रा में 96 विभागीय एम्बुलेंस और 77 आपातकालीन सेवा 108 एम्बुलेंस सहित 200 एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। यात्रा मार्गों पर आपात स्थिति से निकालने के लिए 11 ब्लड बैंक और 2 ब्लड संग्रहण केन्द्र क्रियाशील हैं। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में कार्डिक सेंटर की स्थापना की गई है, जहां पर कार्डियोलॉजिस्ट सहित अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ तैनात रहेगा। इसी प्रकार एम्स ऋषिकेश से हेली एम्बुलेंस की सेवा शुरू की गई है। आपात स्थिति में उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग सहित अन्य यात्रा मार्गों पर पड़ने वाले जिलों के डीएम और सीएमओ को हेली एम्बुलेंस सेवा के लिये अधिकृत किया गया।

हृदय रोगियों को मिलेगी राहत – जिला अस्पताल उत्तरकाशी में कार्डिक यूनिट शुरू कर दी गई है, जहां पर एक कार्डियोलॉजिस्ट सहित अन्य स्टॉफ हर समय तैनात रहेगा। इसकी प्रकार जानकीचट्टी मेडिकल रिलीव प्वाइंट पर एक प्रशिक्षित फिजीशियन और अन्य स्टॉफ तैनात किया गया है। जबकि गंगोत्री, यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर कुल 20 हेल्थ फैसिलिटी सेंटर बनाए गए हैं। वहां पर डॉक्टर, फार्मासिस्ट सहित पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती की गई है। आपात स्थित के लिए जानकीचट्टी में एक कार्डिक एम्बुलेंस भी तैनात की गई है, जबकि पूरे जनपद में 5 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और 9 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सहित 14 आपातकालीन एम्बुलेंस 108 और 6 विभागीय एम्बुलेंस विभिन्न स्थानों पर तैनात की गई हैं।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 14 मेडिकल रिलीव प्वाइंट – केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 14 मेडिकल रिलीव प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां पर प्रशिक्षित चिकित्सक के साथ ही फार्मासिस्ट और अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती की गई है। बदरीनाथ धाम सहित पूरे मार्ग पर भी स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। यहां आने वाले यात्रियों के लिये आपातस्थिति में श्रीनगर मेडिकल कॉलेज को बेस कैम्प मानते हुए चिकित्सकों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में मेडिट्रीना ग्रुप ऑफ हास्पिटल के द्वारा सीएस–ाआर के तहत कार्डिक यूनिट संचालित की जा रही है जहां पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ ही पैरामेडिकल स्टॉफ भी तैनात रहेगा।

अतीक के खंडहर हुए कार्यालय में मिले खून के धब्बे, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज, (हि.स.)। माफिया अतीक अहमद के खंडहर हो चुके कार्यालय में सोमवार को जगह-जगह खून फैला मिला है। इसके साथ ही दूसरी मंजिला पर एक महिला की साड़ी और कुछ अंडर गारमेंट्स मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि यहां किसी महिला की हत्या कर उसका शव बाहर ले जाकर फेंका गया है। गौरतलब है कि कई वर्षों से कार्यालय खाली पड़ा था। इधर बीच उमेश पाल सहित अतीक अहमद और उसके बेटे असद एवं भाई अशरफ की भी हत्या हो गयी। इसके बावजूद गतिविधियां जारी हैं। चकिया के कर्बला में तोड़े जा चुके कार्यालय में सोमवार की सुबह हर जगह खून के छींटे देख कर खलबली मच गई। खून के धब्बे दूसरी मंजिल के कमरे के किचेन और सीढ़ियों पर देखकर लोग भौचक्के हो गये। खुल्दाबाद थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ छानबीन कर रहे हैं। जिसमें पुलिस को खून से सनी चूड़ियां और चाकू भी मिला है। इसके साथ ही दुपट्टे पर भी खून के छींटे पड़े मिले हैं। थाना प्रभारी ने तत्काल फोरेंसिक टीम को भी बुलाया, जो सबेरे से जांच पड़ताल कर रही थी। इस दौरान पूरे कार्यालय को सील कर दिया गया और प्रवेश पर रोक लगा दी गयी। जांच टीम ने सभी सैंपल लिये। फिंगर प्रिंट्स सहित अन्य साक्ष्यों को खंगाला है। कमरे की अलमारी से कपड़े फैले हैं ऐसा लगता है कि किसी ने अलमारी खोल कर कपड़े भी निकाले हैं और

कुछ फाइल भी ले गया है। सारी फाइलें जमीन पर फैली हुई हैं। पुलिस का कहना है कि अतीक के ऑफिस में तलाशी चल रही है। एफएसएल की जांच में ही इसका खुलासा होगा कि खून से सना चाकू, धब्बे और खून से सना दुपट्टा किसका है। पुलिस ने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं होती तब तक हम कुछ भी नहीं कह सकते।

नो कर्फ्यू नो दंगा, उत्तर प्रदेश में सब चंगा : योगी

शामली, (हि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपना मिशन बनाया है। इस मिशन को आपको साकार करना है। उन्होंने नारा देते हुए कहा कि उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश है हमारा, अब माफिया नहीं महोत्सव का प्रदेश है हमारा। नो कर्फ्यू नो दंगा, उत्तर प्रदेश में सब चंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गुंडा टैक्स वसूलने वालों की गर्मी शांत कर दी है। शामली के वीवी इंटर कॉलेज में सोमवार को आयोजित नगर निकाय उम्मीदवारों के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने शामली के अतीत और वर्तमान को याद करते हुए कहा कि शामली को गंगा और यमुना का आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है। विदेशी हुकूमत को भी हिलाने का काम किया और स्वतंत्र भारत में देश की सुरक्षा यहां के युवा कर रहे हैं। यहां के किसानों की समृद्ध परंपरा रही है। यहां के व्यापारियों ने विपरीत परिस्थितियों में देश-प्रदेश की समृद्धि के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि छह साल पहले शामली जनपद में कैराना, कांधला में पलायन, गुंडा राज, दंगों का दंश, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, युवाओं की बेरोजगारी, व्यापार पर गुंडा टैक्स की वसूली, बिजली देने में भेदभाव, बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थी। प्रदेश में 75 जनपद थे, लेकिन बिजली केवल चार जनपदों में मिलती थी। छह वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। तब से छह वर्ष के अंदर तस्वीर बदल दी गई है। आज शामली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश इसका जीता-जागता उदाहरण है। आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कर्फ्यू नहीं लगता। अब कांवड़ यात्रा निकलती है। आज कर्फ्यू, दंगा नहीं, गुंडा टैक्स नहीं है।

गुंडा टैक्स वसूलने वालों की गर्मी हो गई शांत – मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने विधानसभा चुनाव में कहा था कि मार्च 2022 आने दीजिए, कमल ही कमल नजर आएगा। जो गर्मी दिखा रहे थे, उस समय। सबकी गर्मी शांत हो गई। गुंडा टैक्स वसूलने वाले कहां चले गए, कुछ पता ही नहीं। दो बूंद आंसू बहाने वाला भी नहीं बचा। कैराना और कांधला में व्यापारियों को देखकर प्रसन्नता होती है। पूरे शामली जनपद में रौनक दिखाई दे रही है। यहां की बेटियों को गांव के स्कूल में पढ़ते देखता हूं तो मुझे लगता है कि हमारा सत्ता में आना सार्थक हो गया। पहले जब किसान अपने खेत से आता था तो उसका इंजन चोरी हो जाता था। अब ऐसा नहीं हो रहा है। सभी को अपनी बेटी सुरक्षित चाहिए। सुरक्षा की गारंटी के लिए डबल इंजन की सरकार चाहिए। किसानों को फ्री बिजली दी जा

रही है।

जाति की राजनीति करने वाले गायब – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वाले कहां चले गए। पहले गरीबों को शौचालय, पीएम आवास योजना, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं मिलता था। ऐसी जिंदगी का कोई मतलब नहीं था। लोग जातिवाद के आधार पर नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के नाम पर भाजपा को वोट दे रहे हैं। जातिवादी नेता पहले तोड़ते थे और फिर सत्ता में आकर लूटते थे। गरीबों का पैसा खा जाते थे। कोरोना काल से 15 करोड़ लोगों को डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव राशन बांट रही है। प्रदेश में 54 लाख गरीबों को एक-एक आवास उपलब्ध कराया है। दो करोड़ लोगों के घरों में शौचालय बनाए है। दस करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ मिला। विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े काम चल रहे हैं।

सुरेश राणा का नाम लेकर बढ़ाया महत्व – थाना भवन विधानसभा से चुनाव हारने वाले पूर्व मंत्री सुरेश राणा का नाम लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरेश राणा अगर दोबारा विधायक बने होते तो यहां मेडिकल कॉलेज बन गया होता। वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। यह क्षेत्र पहले दंगों के लिए जाना जाता था यह क्षेत्र। सपा-बसपा के नेता किसी से पूछने नहीं आते थे। उन्हें वोट चाहिए था केवल। किसी की चिंता नहीं थी, उन्हें केवल वोट की चिंता थी। स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन, दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय आजीविका मिशन आदि सभी योजनाओं का लाभ शामली जनपद को मिल रहा है।

डबल इंजन सरकार में विकास की भरमार – उन्होंने कहा कि छह वर्ष पहले दंगों की आग और कर्फ्यू का कफर, ना बेटी सुरक्षित ना माताओं का सम्मान। तुष्टीकरण की राजनीति व पलायन का दर्द यही शामली की पहचान बन गया था। छह वर्ष में डबल इंजन सरकार में व्यापारी सुरक्षित, बेटियां कुशल, व्यापार के लिए स्वनिधि, हर घर नल की योजना का लाभ, शांति, सुरक्षा और सौहार्द, समृद्धि चहुं ओर आज शामली की पहचान बन चुकी है। उन्होंने पूछा कि हम युवाओं के लिए कैसी सुविधा चाहते हैं। युवाओं के हाथ में तमंचे होने चाहिए या टेबलेट होने चाहिए। गोलियां की आवाज वाली गलियां चाहिए या भजन भजने वाली गलियां चाहिए। रंगदारी वसूलने वाले गुंडे चाहिए या सरकार की योजना को व्यापारी तक पहुंचाने वाले जनप्रतिनिधि चाहिए। शोहदों का आतंक चाहिए या फिल्म सिटी चाहिए। सडांध मारती गलियां चाहिए या स्मार्ट सिटी जैसे स्वच्छ और सुंदर नगर चाहिए। यह आपको तय करना है। छह वर्ष पहले जो कहा था, वह करके दिखाया है। युवाओं के हाथ में टेबलेट होने चाहिए। मंदिरों, गांवों और शहरों में भजन संध्या होने चाहिए। आज व्यापारियों से कोई रंगदारी वसूल नहीं कर सकता। व्यापारियों को स्वनिधि योजना का लाभ दे रहे हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश महामंत्री व प्रभारी सुभाष यदुवंश, सांसद प्रदीप चौधरी, जिलाध्यक्ष सत्येंद्र तोमर, जिला प्रभारी संजय शर्मा, एमएलसी वीरेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, पंकज राणा, रमेश गौड़ कश्यप, अरविंद संगल, नरेश सैनी, सेठपाल सिंह, सुमन देवी, बबली कुमारी, बबली कश्यप, नरेश सैनी, अंजनी शर्मा, सुरेश पाल कश्यप, सत्येंद्र चिकारा आदि उपस्थित रहे।

निकाय चुनाव में प्रचार ने पकड़ी तेजी, भाजपा ने वीडियो वार कर सपा पर साधा निशाना

– सपा ने भी वीडियो गीत के जरिए किया भाजपा पर किया पटलवार, सोशल मीडिया पर कर रहा ट्रेंड

लखनऊ, (हि.स.)। निकाय चुनाव-2023 में चुनावी प्रचार का सियासी पारा तेज हो गया है। भाजपा के स्टार प्रचारक जहां एक ओर उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभाएं करने में जुट गए हैं, तो वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से भी विपक्षी दलों पर हमलावर हो गए हैं। ऐसा ही एक गीत के जरिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला किया है। सपा ने भी भाजपा के खिलाफ गीत जारी करते हुए पलटवार किया है। निकाय चुनाव में दूसरे चरण के नामांकन का सोमवार को अंतिम दिन है। नामांकन का आखिरी दिन होने के साथ-साथ सभी सियासी दलों में चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच गया है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक अलग-अलग जनपदों में चुनावी सभाएं कर रहे हैं। इनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना,

स्वतंत्र देव सिंह सहित अन्य नेतागण शामिल हैं। चुनावी सभाओं में सत्ता पक्ष के नेतागण विपक्षी दलों पर निशाना साध रहे हैं। इन हमलों में खासकर समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया जा रहा है। हमलों में भाजपा ने सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो गीत जारी कर सपा खेमे में खलबली मचा दी है। इसमें सपा गुंडों और दंगों कराने वाला बताया गया है। खास बात यह है कुछ समय में यह वीडियो गीत सोशल मीडिया के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

सपा ने गीत के जरिए किया पलटवार – भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किया गया सपा के खिलाफ वीडियो गीत को लेकर पार्टी की ओर से पलटवार किया गया है। गीत के जरिए सपा ने भाजपा को जनता को सताने, मंहगाई, मंहगी दवा, बेरोजगारी, नफरत की राजनीति और जुमलों की सरकार को उप्र से हटाने जैसे बातें कही जा रही है।

सोशल मीडिया वार बना सुर्खियां – निकाय चुनाव में सभी दलों ने चुनाव प्रचार-प्रसार को तेज कर दिया है। इनमें सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया वार बड़ा हथियार के रुप में प्रयोग में लाया जा रहा है। उम्मीदवार जहां अपने-अपने क्षेत्र में जनता से सम्पर्क करते देखे जा रहे हैं तो वहीं अपने-अपने प्रतिद्वंदी उम्मीदवारों पर निशाना साधते देखें जा रहे हैं। भाजपा और सपा के बीच सोशल मीडिया पर छिड़ा वार सोमवार को सुर्खियों में बना हुआ है। सोशल मीडिया में यह काफी ट्रेंडिंग कर रहा है।

सुलतानपुर में भाजपा उम्मीदवार प्रवीन अग्रवाल ने किया नामांकन

– मंत्री सोनम किन्नर बोलीं, समाजवादी पार्टी समाप्त पार्टी रूप में दिखेगी

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व पालिकाध्यक्ष व भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर दिया। उनके साथ किन्नर बोर्ड की उपाध्यक्ष व दर्जा प्राप्त मंत्री सोनम किन्नर भी मौजूद रहीं। पार्टी उम्मीदवार का नामांकन कराने के बाद सोनम किन्नर ने कहा कि 13 मई को उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी समाप्त पार्टी होने जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की आयशा किन्नर ने रविवार को पर्चा खरीदा था, जिसे हमने बैठा दिया है। वहीं, सोनम किन्नर ने कहा कि हमारे समाज के सभी किन्नर जो विचारधारा से प्रभावित हैं, सभी भारतीय जनता पार्टी को सपोर्ट करेंगे। मैं भारतीय जनता पार्टी को अपनी मां मानती हूं, सभी नगर निकाय और नगर निगम में भाजपा का परचम लहराएगा। भाजपा उम्मीदवार प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि मेरे पिछले 10 साल के कार्यकाल और जनता की आवाज को सुनकर पार्टी ने मुझ पर फिर भरोसा जताया है। हमने विश्वास दिलाया है कि जनता के आशीर्वाद से हम पुनः भारी मतों से ये चुनाव जीतेंगे। मेरे कार्यकाल में विपक्ष की सरकार भी रही, लेकिन मैंने सबको साथ लेकर अपना कर्म निभाया था। हमारा प्रयास होगा कि नगर स्वच्छ, सुंदर, हरा भरा हो। वहीं, प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि मौजूदा नगर पालिका अध्यक्ष के जो अधूरे काम हैं, उसे मैं पूरा करूंगा।

नवरात्रि के अनुष्ठान की तरह चुनाव तैयारी में जुट जाएं कार्यकर्ता : केशव मौर्य

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सिविल लाइन कार्यालय में नगर निगम चुनाव के संदर्भ में सोमवार को चुनाव संचालन समिति की बैठक की गई। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि हमें नवरात्रि के अनुष्ठान की तरह नगर निगम के चुनाव में जुटना है और जनता की आशा और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर बूथों पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का हर एक कार्यकर्ता परिश्रमी है। जो अपने परिश्रम की पराकाष्ठा तक जाकर हर असंभव कार्य को भी संभव सिद्ध कर देते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कार्यकताओं के दम पर बनी है। जिन्होंने अपने परिश्रम के बल पर पार्टी को मजबूत तो किया और जनता का भी दिल जीतने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं का एक ऐसा दल है जहां वह प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनता है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज जिले का बहुमुखी विकास के लिए नगर निगम के सभी वार्डों में कमल खिलाना होगा। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाज के ऐसे बहुत से लोग हैं जो भारतीय जनता पार्टी के विचारों से जुड़े हैं और भाजपा को अपना

समर्थन करते हैं।

ऐसे सभी लोगों और अन्य राजनैतिक दल के अच्छे कार्यकर्ता जो भाजपा में शामिल होना चाहते हैं उन्हें वार्ड स्तर पर शामिल कराएं और असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सर्व समाज की पार्टी है इसलिए हर वार्ड में सामाजिक समीकरण बनाकर और हर समाज के लोगों को जोड़कर वार्ड के हर कार्यक्रम का संयोजन करें। उन्होंने आगे कहा कि हम नगर निगम महापौर का चुनाव तो जीत रहे हैं। जीत का आंकड़ा बढ़ाने के लिए हर भाजपा पार्षद उम्मीदवारों को 100 प्रतिशत लक्ष्य साधकर जिताने का काम करना है। इस अवसर पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, चुनाव प्रभारी निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष महेशचंद्र श्रीवास्तव, यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती, गंगापार जिलाध्यक्ष अश्वनी दुबे ने कहा कि इस बार पार्टी ने उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के रूप में एक कार्यकर्ता को महापौर का टिकट दिया है तो इस अवसर को हमें शानदार जीत के साथ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को उपहार सौंपना है। बैठक का संचालन नगर निगम चुनाव के चुनाव संयोजक एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। बैठक में पूर्व विधायक दीपक पटेल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कमलेश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह, राजेंद्र मिश्रा, शशि वार्ष्णेय, पार्षद आशीष गुप्ता, डॉ एलएस ओझा, पुष्पराज सिंह, बृजेश मिश्रा, प्रमोद जायसवाल, राजेश केसरवानी, सचिन जायसवाल, पूर्व पार्षद आनंद सोनकर, नरेश कुंद्रा, अखिलेश सिंह एवं चुनाव संचालन समिति के सभी सदस्य एवं मंडल अध्यक्ष गण उपस्थित रहे।

आम बागवानी से आत्मनिर्भर बनकर किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बनी तोरपा की बिनीता

खूंटी, (हि.स.)। जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर और तोरपा प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हुसीर पंचायत के गोपला गांव में एक महिला किसान ने बागवानी कर अपने परिवार को आत्मनिर्भर बनाया है। हुसीर पंचायत के गोपला गांव में बिनीता गुड़िया और उसका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। दो वक्त की रोटी के लिए परिवार सड़क, भवन, पुल-पुलिया के निर्माण कार्य अथवा खेतों में मजदूरी करता था। परिवार के पास खेती बहुत कम थी, उसमें भी मानसून के अलावा सिंचाई का कोई साधन नहीं था। इस जमीन पर साल में सिर्फ धान और उड़द की खेती हो पाती है। बिनीता अपने खेत में आम का बाग लगाना चाहती थी, लेकिन निवेश के लिए न पूंजी थी और न ही सिंचाई की सुविधा। उसे आम बागवानी के संबंध में भी कोई जानकारी भी नही थी। इसी बीच एक दिन ग्राम सभा में बिनीता को ग्राम पंचायत के सीएफटी कार्यक्रम (एनआरएलएम और मनरेगा का अभिसरण) के तहत सोशल मोबिलाइजर उसेर्ला से बिरसा मुंडा

आम बागवानी कार्यक्रम (मनरेगा के तहत आम पौधारोपण) के बारे में जानकारी मिली।

ग्रामसभा की अगली बैठक में परिवार वालों ने बागवानी गतिविधि में अपनी रुचि दिखाई और ग्रामसभा से आम बागान स्वीकृत करने का आग्रह किया। परिवार की खराब स्थिति को देखते हुए ग्रामसभा ने इसे स्वीकृत करने का निर्णय लिया। उसने स्वयंसेवी संस्था प्रदान से तकनीकी जानकारी कर आम की बागवानी शुरू कर दी। कहा जाता है न कि मेहनत करने वालों की हार नहीं होती। बिनीता की मेहनत रंग लाई और कुछ साल की मेहनत के बाद उसके बाग में आम की फसल आनी शुरू हो गई। इससे उसके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी और आज बिनीता न सिर्फ अपने गांव, बल्कि प्रखंड के लिए भी एक आदर्श महिला किसान बन गई है। इस संबंध में बिनीता ने बताया कि पहले गांव के लोग डरते थे कि मनरेगा से कोई भी योजना ले लेंगे तो सरकार हमारी जमीन पर कब्जा कर लेगी। आज हमें पता चला कि मनरेगा वास्तव में ग्रामीणों की स्थिति में सुधार लाने के लिए काफी मददगार है। बिनीता के परिवार की सफलता को देखकर गांव के कुछ और लोगों ने आम बागवानी की शुरू कर दी है। आज गोपला गांव में आम के छह बड़े-बड़े बागान हैं।

स्वयंसेवी संस्था प्रदान की अधिकारी सुरभि महात्मा बताती हैं कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के तहत महिला किसान की मेहनत रंग लाईं। आज बिनीता केवल तोरपा प्रखंड नहीं, बल्कि झारखंड के अन्य जिलों में जाकर किसानों को आम बागवानी की जानकारी देती है। उन्होंने कहा कि अन्य किसानों को भी बिनीता से प्रेरणा लेकर मनरेगा की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा वास्तव में बिनीता गुड़िया दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन विफलताओं को छुपाने का प्रयास: दीपक तिवारी

मेदिनीनगर, (हि.स.)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता दीपक तिवारी ने कहा है कि कोयल रिवर फ्रंट का अभी निर्माण पूरा नहीं हुआ था और उद्घाटन कर दिया गया। जिससे यह लगता कि इस योजना में गड़बड़झाला है। मेदिनीनगर शहर की सबसे बड़ी समस्या जल संकट है। इस समस्या के समाधान के लिए पांच साल में मेयर अरुणा शंकर ने कुछ नहीं किया है। सोमवार को झामुमो नेता दीपक तिवारी ने कहा कि मेयर अरुणा शंकर ने कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन करा अपनी विफलताओं को छुपाने का प्रयास किया गया है। कोयल रिवर फ्रंट के उद्घाटन के नाम पर खर्च हुई राशि की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में कहीं भी कोई खेल का मैदान नहीं है, जिससे यहां के खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा निखारने के अवसर नहीं मिल पाता। दीपक ने कहा कि जिस पेवर ब्लॉक का इस्तेमाल साधारणतः सड़कों के

किनारे या पार्किंग निर्माण, घर या दफ्तर के बाहरी हिस्से को सुंदर बनाने के लिए किया जाता है।

उस पेवर ब्लॉक से सड़कें तक बनवा दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेवर ब्लॉक निमार्ता कंपनी और निगम के बीच कोई हुए करार में पारदर्शिता नहीं बरती गई है। निगम अपने वार्ड के निवासियों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं करा सका। उन्होंने कोयल रिवर फ्रंट के कार्यों में कोयल का बालू इस्तेमाल कर दूसरे आपूर्तिकर्ता के नाम का चालान जमा कर बिल निकाल लेने का भी आरोप लगाया है।

भाजपा ने सभी ट्रेनों के नरपतगंज स्टेशन पर ठहराव की मांग की

अररिया (हि.स.)। रेल मंत्रालय के जोगबनी-दानापुर, सहरसा-जोगबनी और सहरसा- न्यू जलपाईगुड़ी भाया फारबिसगंज तीन जोड़ी यात्री ट्रेन चलाने की मंजूरी और समय सारिणी जारी करने पर भाजपा कार्यकताओं ने हर्ष जताया है। सभी ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और सांसद प्रदीप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा जिला महामंत्री प्रताप नारायण मंडल ने कोसी और सीमांचल क्षेत्र-वासियों के लिए मोदी सरकार की ओर से इसे बड़ी सौगात बताया है। उन्होंने इससे आम यात्रियों के लिए राहत के साथ साथ क्षेत्र में आर्थिक और व्यवसायिक गतिविधि तेज होने की बात कही है। साथ ही यात्री हित में इन ट्रेनों का ठहराव नरपगंज स्टेशन पर भी करने की मांग की है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि कोसी और गंगा नदी पार कर 89 साल बाद निर्मली के रास्ते दरभंगा और राजधानी पटना तक ट्रेन चलेगी।

उन्होंने कहा 14 वर्ष बाद सहरसा और न्यू जलपाईगुड़ी बंगाल के लिए ट्रेन चलेगी, जिससे लोगों में हर्ष है। लोगों को नेपाल, बंगाल से लेकर मिथलांचल के आलावा उत्तर बिहार के प्रमुख शहर समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर और राजधानी पटना के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध होने से यात्रा करना और आसान होगा।

ईडी कार्यालय पहुंचे आईएएस छवि रंजन, पूछताछ शुरू

रांची, (हि.स.)। रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस छवि रंजन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के तीसरे समन के बाद पूछताछ के लिए सोमवार को यहां हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आईएएस छवि रंजन से सेना के जमीन घोटाले सहित अन्य मामले में पूछताछ शुरू कर दी गई है। ईडी ने छवि रंजन को तीसरा समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि दो बार समन जारी करने के बावजूद आईएएस छवि रंजन ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे। ईडी ने इससे पहले 13 अप्रैल को छवि रंजन सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी को बड़गाई के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप के ठिकाने से बड़ी मात्रा में सरकारी जमीन के दस्तावेज मिले थे। भानु प्रताप पर रिकार्ड में छेड़छाड़ कर जमीन की अवैध तरीके

से म्यूटेशन करने का आरोप है। इससे पहले ईडी ने छवि रंजन को समन कर 21 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे कार्यालय नहीं गए और उन्होंने दो सप्ताह का समय देने की मांग की थी। इसके बाद ईडी ने तीसरी बार समन कर छवि रंजन को सोमवार को हाजिर होने को कहा था। छवि रंजन फिलहाल समाज कल्याण निदेशक के पद पर पदस्थापित हैं। उल्लेखनीय है कि सेना के कब्जेवाली और चेशायर होम रोड स्थित जमीन बेचने के मामले में रिमांड पर लिए गए सात आरोपितों ने कई अहम जानकारी दी है। बड़गाई अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, अफसर अली, इम्तियाज अहमद, प्रदीप बागची, मोहम्मद सद्दाम हुसैनतल्हा खान और फैयाज खान ने ईडी को बताया कि जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ की गई है। दस्तावेजों में छेड़छाड़ करने का आरोप तत्कालीन डीसी छवि रंजन पर लगा है।

भागलपुर के जेएलएनएमसीएच में लापरवाही, मरीज को इलाज के लिए घंटों करना पड़ा इंतजार

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा अस्पताल में सोमवार को एक बार फिर से अस्पताल प्रबंधन के लापरवाही का मामला सामने आया है। मुंगेर के प्राइवेट हॉस्पिटल से महिला मरीज निशा कुमारी गंभीर अवस्था में दस बजे जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा अस्पताल पहुंची। लेकिन यहां की लापरवाही देखिए दो घंटे से भी अधिक समय तक महिला मरीज एंबुलेंस में वेंटीलेटर और ऑक्सीजन के सहारे यूं ही पड़ी रही। लेकिन अस्पताल प्रशासन का दिल नहीं पसीजा और उसे भर्ती करने से मना कर दिया गया। परिजन का कहना था कि मुंगेर के हॉस्पिटल में पेट के घाव होने के कारण कल उसका ऑपरेशन किया गया था और वहां खर्चे ज्यादा लग रहा था और निशा की तबीयत भी ज्यादा खराब हो गई थी। जिसके बाद परिजन वहां से लेकर इसे जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा अस्पताल पहुंचे थे, कि यहां उसका बेहतर इलाज किया जाएगा। लेकिन लापरवाही के कारण 2 घंटे से अधिक समय तक मरीज एंबुलेंस में ही वेंटिलेटर के सहारे पड़ी रही। मामला मीडिया में आने के अस्पताल

प्रबंधन हरकत में आया और मरीज को एडमिट कराया गया। सबसे बड़ी बात एक तरफ स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर करने को लेकर लगातार कई फैसले ले रहे हैं। उसके बावजूद भी व्यवस्था में सुधार होती नजर नहीं आ रही है।

पटना हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत, निचली कोर्ट में पेश होने से मिली छूट

पटना, (हि.स.)। राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही न्यायिक प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इससे राहुल गांधी को निचली कोर्ट में पेश होने से छूट मिल गई है। 15 मई तक कोर्ट ने ये रोक लगाई है। मामले में अगली सुनवाई 16 मई को होगी। राहुल गांधी के वकील अंशुल वर्मा ने सोमवार को बताया कि हमने हाईकोर्ट से कहा कि सूरत कोर्ट ने इसी मामले में उन्हें सजा सुनाई है। अब पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट में केस चलाने से क्या मतलब है। हाईकोर्ट ने 15 मई तक निचली अदालत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अब 25 अप्रैल को उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित नहीं होना होगा। झारखंड हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा चल रहा था, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज किया था, लेकिन वो सूरत कोर्ट का फैसला आने से पहले का मामला था। अब देखना होगा इस मामले में हाईकोर्ट का क्या रुख रहता है। राहुल राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान तमिलनाडु के कोलार में भाषण के दौरान कहा था कि सारे मोदी को चोर हैं। इसे लेकर अलग-अलग जगहों पर राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।इसी टिप्पणी को आधार बनाते हुए वर्तमान भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने 2019 में पटना के निचली अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इसे लेकर पटना सिविल कोर्ट ने उन्हें 25 अप्रैल को उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश जारी किया है। मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी मामले को लेकर भाजपा नेता पूर्णेश मोदी ने भी सूरत कोर्ट में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में 23 मार्च को गुजरात के सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा के अलावा 15 हजार का जुमार्ना भी लगाया था। इस मामले में राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। मामला मोदी सरनेम से जुड़े होने के कारण पटना हाईकोर्ट ने साफ कर दिया कि सूरत कोर्ट अपना फैसला सुना चुकी है। इसलिए एक केस में दो बार सजा नहीं हो सकती। इसे लेकर राहुल गांधी के वकील ने हाईकोर्ट से समय की मांग की थी।

संपादकीय

अतीक 'गांधी' नहीं हो सकता

भारत तो क्या, पूरी दुनिया में भी महात्मा गांधी बेमिसाल, अद्वितीय हैं। उनके नाम पर रूपक और उपमाएं बांधना बेमानी और क्षुद्र मानसिकता है। राष्ट्रपिता गांधी के भी आलोचक हैं, लेकिन वे भी गांधी का पर्याय स्थापित नहीं कर सके हैं। यदि आज ओवैसी सरीखे राजनीतिज्ञ, माफिया अतीक अहमद के लिए, गांधी के रूपक का इस्तेमाल कर रहे हैं, गांधी-गोडसे वाले कालखंड में लौटना चाहते हैं, कुछ हत्यारों को 'गोडसे की नाज़ायज औलाद' करार दे रहे हैं, तो यह किसी भी किस्म की सियासत नहीं है। विचारधारा तो इसे माना ही नहीं जा सकता। ओवैसी को सिर्फ यही सियासत आती है, लिहाजा आज भी वह मुसलमानों के स्वीकृत नेता नहीं बन पाए हैं। यह सिर्फ गाली-गलौज है, जो ओवैसी की सियासत रही है। यह भारत के लिए विडंबना, दुर्भाग्य, शर्मिंदगी, हास्यास्पद, मानसिक पागलपन की स्थिति है कि माफिया अतीक को 'शहीद' घोषित किया जा रहा है। उसे 'भारत-रत्न' से नवाजने की मांग की जा रही है। उसकी कब्र पर 'तिरंगा' बिछा कर उसे सेल्यूट किया जा रहा है। उसके 'अमर रहे' के नारे, पुरजोर तेवरों के साथ, बुलंद किए गए हैं। यानी माफिया अतीक कई मायनों में आज भी 'जिंदा' है। अतीक अदालत द्वारा सजायाफ्ता अपराधी था। वह हत्यारा, अपहरणकर्ता, कब्जेबाज, फिरौतीबाज, क्रूर यातनाएं देने वाला शख्स और 100 से ज्यादा आपराधिक मामलों का आरोपित था। हमारे यहां ऐसे तत्त्व रहे हैं, जो याकूब मेमन, अफजल गुरु सरीखे आतंकियों को फांसी पर लटकाने के बाद छाती पीटते रहे हैं और नारे चिल्लाते रहे हैं-अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं।' वे आतंकियों को 'मसीहा', 'रॉबिनहुड' मानते हुए आंसू बहाते रहे हैं। कोई नई बात नहीं है। ऐसे सिरफिरे या तो अतीक के आतंक से अब भी खौफजदा हैं अथवा उसके टुकड़ों पर पलने वाले हैं अथवा मान रहे हैं कि गांधी से तुलना करेंगे, तो मुस्लिम वोट एकजुट हो सकते हैं। अतीक ने किस स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी थी? उसने तो मुसलमान भाइयों तक को नहीं छोड़ा। उन्हें भी खूब लूटा। कोई तो व्याख्या करे कि अतीक 'गांधी' कैसे हो सकता है? ओवैसी तो बेलगाम नेता रहे हैं। वह इसलिए तिलमिला रहे होंगे, क्योंकि 2021 में अतीक की बेग़म शाइस्ता परवीन उनकी पार्टी में शामिल हुई थी। शाइस्ता के जरिए अतीक भी पार्टी में ले लिए गए थे। क्या ओवैसी को उसका इतिहास और यथार्थ नहीं पता था? उसके एवज में यह दलील देना कि भाजपा में सबसे अधिक विधायक और सांसद 'अपराधी' हैं, कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं है। चोर दूसरे चोर का उदाहरण देते हुए सवाल नहीं कर सकता कि उसे सजा क्यों नहीं दी गई? बहरहाल ये भी हमारे लोकतंत्र और संविधान के छिद्र हैं कि अतीक सरीखा अपराधी, अमानवीय चेहरा भी सांसद और विधायक बना। इसी आधार पर विश्व के नामी अखबारों और समाचार एजेंसियों ने खबरें और विश्लेषण सार्वजनिक किए हैं कि भारत के हिंदू कट्टरपंथियों ने 'पूर्व कानून-निर्माता' की इसलिए हत्या करा दी, क्योंकि वह मुसलमान था। अलकायदा आतंकी संगठन ने तो भारत से बदला लेने की धमकी तक दी है। बहरीन देश की संसद में माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या को लेकर चर्चा की गई। भारत को बार-बार 'कट्टरपंथी देश' करार दिया गया। बहरहाल भारत न तो ऐसी धमकियों से खौफ खाता है और न ही ऐसा कीचड़ उछालने से चिंतित होता है। शर्मनाक और घटिया बात यह है कि विरोधी माफिया की मौत का नजला भारत पर गिराना चाह रहे हैं। गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। बेशक हम भी कहते हैं कि अतीक-अशरफ की हत्या इस तरह सरेआम, पुलिस हिरासत में होने के बावजूद, नहीं की जानी चाहिए थी। उससे उप्र के पुलिस-बल और खुफिया तंत्र की स्थिति सवालिया हो गई है। फिर भी अतीक को 'शहीद', 'नायक', 'फरिश्ता' कैसे कहा जा सकता है।

गांधी-गोडसे वाले कालखंड में लौटना चाहते हैं, कुछ हत्यारों को 'गोडसे की नाज़ायज औलाद' करार दे रहे हैं, तो यह किसी भी किस्म की सियासत नहीं है। विचारधारा तो इसे माना ही नहीं जा सकता। ओवैसी को सिर्फ यही सियासत आती है, लिहाजा आज भी वह मुसलमानों के स्वीकृत नेता नहीं बन पाए हैं। यह सिर्फ गाली-गलौज है, जो ओवैसी की सियासत रही है। यह भारत के लिए विडंबना, दुर्भाग्य, शर्मिंदगी, हास्यास्पद, मानसिक पागलपन की स्थिति है कि माफिया अतीक को 'शहीद' घोषित किया जा रहा है। उसे 'भारत-रत्न' से नवाजने की मांग की जा रही है। उसकी कब्र पर 'तिरंगा' बिछा कर उसे सेल्यूट किया जा रहा है। उसके 'अमर रहे' के नारे, पुरजोर तेवरों के साथ, बुलंद किए गए हैं। यानी माफिया अतीक कई मायनों में आज भी 'जिंदा' है। अतीक अदालत द्वारा सजायाफ्ता अपराधी था। वह हत्यारा, अपहरणकर्ता, कब्जेबाज, फिरौतीबाज, क्रूर यातनाएं देने वाला शख्स और 100 से ज्यादा आपराधिक मामलों का आरोपित था। हमारे यहां ऐसे तत्त्व रहे हैं, जो याकूब मेमन, अफजल गुरु सरीखे आतंकियों को फांसी पर लटकाने के बाद छाती पीटते रहे हैं और नारे चिल्लाते रहे हैं- अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं।'

कुछ अलग

चुनाव की आंखों में शिमला

शिमला नगर निगम चुनाव केवल राजनीतिक करवटों और कसौटियों की जंग नहीं, बल्कि शहरी एहसास व नागरिक जागरूकता का पैमाना भी है। नागरिक समाज की श्रेष्ठता में सवाल उस चेतना से जुड़ जाते हैं, जिन्हें उठाकर चलते हुए राजधानी शिमला कहीं बूढ़ी, कहीं थकी, कहीं हारी, तो कहीं पश्चाताप करती हुई ऐसी लाठी ढूंढ रही है, जिसके दम पर कुछ नए कदम उठाए जा सकते हैं। ये कदम घटते-बढ़ते वार्डों की शिनाख्त में भी नहीं, बल्कि राजधानी होने की पैमाइश के लिए जरूरी हैं। शिमला में हिमाचल को खोजें, तो ऊंची इमारतों के साये में अस्त-व्यस्त जिंदगी की गुमनामियों के ढेर पर खुद की खुरचने की मजबूरियां दर्ज होती हैं। मजबूरियां एक राजधानी की, शहर की, उम्मीदों की, नागरिक सुविधाओं की और पूरे प्रदेश की आंखों में विकास के उस काजल की, जो शिमला की आंखों में आंसुओं सहित बह रहा है। ऐसे में हमारी प्रतीक्षा अगर बड़े टकराव और विभिन्न पार्टियों के रंग-रोगन में सजे ख्याली पुलाव तक ही सीमित है, तो उम्मीदवारों के चेहरे नहीं, पार्टियों के दमखम में एक छोटी सत्ता का संघर्ष देखिए। शिमला के अपने दायरे, अपने मजमून हैं, जो चुनाव को बड़ी अदालत बना देते हैं। यहां स्मार्ट सिटी की सीढियां हैं, लेकिन इतिहास की पाजेब पहनकर शहर कहीं ढलान से उतर कर आधुनिकता के गोबर में अपने कदम गंदे कर चुका है। इसमें दो राय नहीं कि यह नई संरचना का शहर नहीं हो सकता, लेकिन नए संकल्प तो जोड़ सकता है, वरना विभ्रम में शिमला अपनी ही कंदराओं में भटक रहा है। जाहिर है चुनाव के मुद्दे वार्डों की परिक्रमा करेंगे और फिर सभी मिलजुल कर सियासत के परिंदे पैदा करेंगे। अप्रत्यक्ष चुनाव से मेयर पद पर प्रत्यक्ष प्रमाणिकता कैसे आएगी, यह विशुद्ध सियासी प्रश्न है, इसलिए नगर निगम की व्यवस्था अलग और कर्मठता अलग से दिखाई देगी। बहरहाल सियासी सूचियों में खुलते लिफाफे और गर्द झाड़ते नेताओं के चंगुल में शहर को एक जीत की तलाश है। राजनीतिक जीत में शहर के बीच फासलों की मुनादी करते प्रयत्न अगर सपनों के अंगूरों को खट्टा न करें, तो जनता की काबिलीयत में यह चुनाव जीता जा सकता है। चुनाव वहां जीता जाएगा, जहां शिमला सिसकता है। क्या शिमला शहर में किसी सत्ता की खोज अपरिहार्य है या उस सुकून की प्राप्ति होगी जो कभी मालरोड की सफाई पर इतराता था। भीड़ के जंगल में कितना अकेला है शिमला, फिर भी यह चुनाव सियासत की भीड़ से दरख्वास्त कर रहा कि इस बार कुछ संवेदनशील, विजन से भरपूर और सियासत से ऊपर उठे हुए कुछ पार्षद दे देना। आश्चर्य यह कि शिमला चुनाव में सियासत के बीज पूरी शिद्दत से बोए जा रहे हैं और नागरिक इच्छा है कि परिणामों के साथ शिमला के बागीचे में फूल उगेंगे। यह संभव है, लेकिन क्या इससे पूर्व न्यू शिमला में सुकून उगा पाए या स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत राजधानी ने खुद को स्मार्ट कर लिया। शिमला के अपने मायने, अपना शिष्टाचार, अपना व्यवहार व जीवन शैली रही है, लेकिन अब बरसात की धुंध भी इसकी विकृतियों को नहीं छुपा पाती। पर्यटक सीजन के उत्साह में जेब भरता एक शिमला इतना परवान चढ़ जाता है कि सारी हरियाली पहले भूरी और फिर कंक्रीट के नीचे दब जाती है। दब जाती हैं सडकें जब शहर का हाल पूछने पर्यटक सीजन आता है। तब नागरिक आंख उठाकर नहीं देख पाते और जो सुनते हैं, उसमें शिमला की हवाओं का स्पर्श नदारद है। इन्हीं कानों ने बार-बार सुना कि अबकि बार ट्रैफिक तंग नहीं करेगा, कोई स्काई बस आकर भीड़ को गंतव्य तक ले जाएगी। अब फिर सुनाया जा रहा है कि शिमला में रैपिड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का सारा बोझ पर्वतमाला के तहत रज्जुमार्ग उठा लेगा।

युवा देश है और पूरी दुनिया की जनसंख्या का 25 फीसदी भाग युवा शक्ति का ही है

युवा शक्ति से नव राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना

तिलक सूर्यवंशी

युवा ही देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। युवा देश का वर्तमान है तो भूतकाल और भवष्यि काल के सेतू भी हैं। युवा देश और समाज के जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में वर्साधिक योगदान युवाओं का ही होता है। दुर्भावग्यश आज की नौवजान युवा पीढ़ी पर अगर हम दृष्टिपात करें तो पता लगेगा कि अधिकतर फेसबुक, व्हाट्सएप तथा ऐसे और भी सोशल मीडिया पर चैटिंग करने में व्यस्त तथा मस्त हैं तो कोई अपनी जिंदगी घर-परिवार और कुछ नौकरी की तलाश में तथा कुछ शादी जैसे परिणय सूत्र में बंधने की तलाश में तथा कुछ नशे की लत का सहारा लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मवनाने की भागदौड़ में व्यस्त हैं।

देश की युवा शक्ति ही देश के भावी भविष्य, प्रगति व उत्थान का मजबूत स्तंभ होती है, चाहे कोई भी देश हो, यह हर उस देशवासी के संदर्भ में होती है। युवा शक्ति देश और समाज की रीढ़ होती है। युवा ही देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। युवा देश का वर्तमान है तो भूतकाल और भविष्य काल के सेतू भी हैं। युवा देश और समाज के जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का ही होता है। युवा हमारे राष्ट्र भविष्य हैं तथा जनसंख्या के सबसे गतिशील खंड का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। दुर्भाग्यवश आज की नौजवान युवा पीढ़ी पर अगर हम दृष्टिपात करें तो पता लगेगा कि अधिकतर फेसबुक, व्हाट्सएप तथा ऐसे और भी सोशल मीडिया पर चैटिंग करने में व्यस्त तथा मस्त हैं तो कोई अपनी जिंदगी घर-परिवार और कुछ नौकरी की तलाश में तथा कुछ शादी जैसे परिणय सूत्र में बंधने की तलाश में तथा कुछ नशे की लत का सहारा लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने की भागदौड़ में व्यस्त हैं। देश तथा समाज के बारे में सोचना तो दूर, ऐसे विषय पर चर्चा परिचर्चा करने के लिए फुर्सत तक नहीं है। ऐसे गंभीर विषय पर सोचना अपना कीमती समय बर्बाद करने जैसा समझते हैं। उनके लिए देश सेवा और समाज सेवा जैसे शब्द कहानी जैसे प्रतीत होते हैं। आखिरकार ऐसा वातावरण और सोच क्यों? पूरे राष्ट्र के लिए एक चिंतनीय विषय है। जहां राष्ट्र निर्माता इस गतिशील खंड को माना जाता है, उनमें राष्ट्रभक्ति के प्रति भावना का ह्रास होना निश्चित ही चिंताजनक और गंभीर विचारणीय विषय है। हमें याद रखना चाहिए कि इतिहास के पृष्ठ युवकों की वीरताओं और कुर्बानियों से भरे पड़े हैं, जहां भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले युवाओं में सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाष चंद्र बोस, महारानी लक्ष्मी बाई, अशफाक उल्ला खान, सरोजिनी नायडू और ऐसे असंख्य वीरों ने अपनी जवानी को बलिवेदी पर न्यौछावर किया था। आज बड़ी गंभीर समस्या है, लोग चाहते तो हैं देश में क्रांति लाने के लिए, बुराई का अंत करने के लिए भगत सिंह व आजाद पैदा हों, पर उनके अपने घर में नहीं, पड़ोसी के यहां क्योंकि क्रांति बलिदान मांगती है और मरना कोई नहीं चाहता। इसलिए जो

कुछ भी आसपास घटित हो रहा है, उसको बस मूक, बेबस जानवर की तरह सहकर बर्दाश्त किया जा रहा है। भारत विश्व का सबसे युवा देश है और पूरी दुनिया की जनसंख्या का 25 फीसदी भाग युवा शक्ति का ही है। यह भाग देश की दिशा और दशा को पूरी तरह बदलने का सामथ्र्य रखता हैआवश्यकता इस बात की है कि कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे शिक्षा, उद्योग-धंधे, सैन्य क्षमता, कृषि एवं राजनीति में युवा अपनी संपूर्ण शक्ति एवं क्षमता से कार्य करें तथा लोकतंत्र के कहे जाने वाले चार स्तंभ जिसमें कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका और मीडिया के क्षेत्र में युवा वर्ग अपनी सेवाएं ईमानदारी और निष्ठा से देकर राष्ट्र को एक अच्छे मुकाम पर पहुंचा सकता है। आज के नौजवानों में यदि कहीं आक्रोश है तो यह निराधार भी नहीं है क्योंकि जिस गति से आज देश में युवाओं की फौज खड़ी हो रही है, इससे उन्हें बेरोजगारी, निर्धनता, गरीबी और कई अन्य मानसिक यातनाओं का दंश झेलना पड़ रहा है। युवाओं के लिए देश में संसाधनों तथा संभावनाओं की कमी नहीं है। यदि कमी है तो युवा शक्ति के लिए उन संसाधनों के सही दोहन के लिए सुनियोजित ढंग से रूपरेखा तैयार करने की मानी जा सकती है। आजकल के युवकों के चेहरों में निराशा, हताशा और व्यथा देखी जा सकती है। यह हताश युवक अपराध के मार्ग पर चल पड़ते हैं और फिर अपने नशे की लत को पूरा करने के लिए अपराध भी कर बैठते हैं। इस तरह अपना जीवन नष्ट कर लेते हैं। देश में हो रही 70 फीसदी आपराधिक गतिविधियों में युवाओं की संलिप्तता रहती है। इस चकाचौंध और भोग-विलास तथा ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए कठिन परिश्रम करने के बजाय शॉर्टकट्स खोजते हैं। जब वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल हो जाते हैं तो उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है। कई बार वे मानसिक तनाव का भी शिकार हो जाते हैं और फिर बड़े से बड़ा अपराध करने से भी गुरेज नहीं करते। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को आह्वान करते हुए कठोपनिषद का एक मंत्र कहा था : 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य बरा निंबोधित' अर्थात उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक कि अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाओ। युवाओं को सही दिशा की ओर ले जाने में उनके माता-पिता व परिवेश का बहुत बड़ा प्रभाव रहता है। युवाओं के प्रथम मार्गदर्शक उनके माता-पिता होते हैं। बहरहाल, बच्चों को शुरू से ही सही संस्कार घर से ही दिए जाने चाहिए ताकि नैतिक तथा शैक्षिक मूल्यों के साथ देशभक्ति की भावना पैदा कर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के बारे में सही अवधारणा लेकर राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। दूसरा, युवाओं को सोशल मीडिया, जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप जैसी चीजें भी निकम्मा बना रही हैं और समय बर्बाद करने की ओर धकेल रही हैं। ऐसी चीजों पर भी प्रतिबंध होना चाहिए। युवाओं की ऊर्जा का सही दोहन हो, इसके लिए खेल नीति में सुधार किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को वो सुविधाएं सरकार मुहैया नहीं करवा पाती जिससे वे पिछड़ जाते हैं। इसके लिए यदि हर पंचायत स्तर पर एक खेल का मैदान युवाओं को खेलने के लिए बनाया जाए तो निःसंदेह ग्रामीण क्षेत्रों से भी ऐसे खिलाड़ी उभर कर सामने आ सकते हैं जो राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रतिनिधित्व कर विश्व में चैंपियन बन सकते हैं। युवाओं की शिक्षा का आधार रोजगारोन्मुखी होना चाहिए तथा ऐसे शिक्षण संस्थानों में उचित ढांचागत सुविधाएं भी पर्याप्त होनी चाहिएं, अन्यथा सुविधाओं के अभाव से युवा एवं छात्र के ज्ञान में परिपक्वता नहीं रहती। युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति है, इसमें कोई भी दो राय नहीं है। इस वर्ग की भावना को नजरअंदाज करना राष्ट्र को नजरअंदाज करना है। सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाकर युवाओं की समस्याओं को सुनकर उचित निदानात्मक उपाय ढूंढे जाएं ताकि उनको पथभ्रष्ट होने से बचाया जा सके।

पर्यटन सेक्टर का नया दौर

कोवडि-19 महमारी और प्रतिबंधों की वजह से भारत में वदिशी पर्यटकों के आगमन में 2021 में 44 .5 फीसदी की गिरावट आई। वर्ष 2020 में 2 .74 मिलियन वदिशी पर्यटकों ने भारत की यात्रा की। वहीं 2021 में यह संख्या घटकर 1 .52 मिलियन रही। अब वर्ष 2022 से वदिशी पर्यटकों की संख्या तेजी से बढने लगी है। वर्ष 2022 में करीब 6 .9 मिलियन वदिशी पर्यटक भारत आए।भारत में 2021 में 677 .63 मिलियन लोगों ने घरेलू पर्यटन यात्राएं की, जो कि 2020 में 610 .22 मिलियन से 11 .05 फीसदी अधिक है। खास बात यह भी है कि दुनियाभर के समस्त पर्यटकों में से करीब 1 .64 फीसदी वदिशी पर्यटक भारत आते हैं। अब जिस तरह से देश में घरेलू और वदिशी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा उच्च प्राथमिकता दी जा रही है, उससे भारत में घरेलू और वदिशी पर्यटकों की संख्या और इनसे प्राप्त होने वाली कमाई तेजी से बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं।

इस समय भारत का घरेलू और वैश्विक पर्यटन उद्योग कोविड-19 के निराशाजनक पर्यटन परिदृश्य से पार होते हुए अब तेजी से छलांगे लगाकर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स 2022 रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक यात्रा और वैश्विक पर्यटन सूचकांक में भारत की रैंकिंग 2021 में 54वीं रही। कोविड-19 महमारी और प्रतिबंधों की वजह से भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन में 2021 में 44.5 फीसदी की गिरावट आई। वर्ष 2020 में 2.74 मिलियन विदेशी पर्यटकों ने भारत की यात्रा की। वहीं 2021 में यह संख्या घटकर 1.52 मिलियन रही। अब वर्ष 2022 से विदेशी पर्यटकों की संख्या तेजी से बढने लगी है। वर्ष 2022 में करीब 6.9 मिलियन विदेशी पर्यटक भारत आए। भारत में 2021 में 677.63 मिलियन लोगों ने घरेलू पर्यटन यात्राएं की, जो कि 2020 में 610.22 मिलियन से 11.05 फीसदी अधिक है। खास बात यह भी है कि दुनियाभर के समस्त पर्यटकों में से करीब 1.64 फीसदी विदेशी पर्यटक भारत आते हैं। अब जिस तरह से देश में घरेलू और विदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा उच्च प्राथमिकता दी जा रही है, उससे भारत में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या और इनसे प्राप्त होने वाली कमाई तेजी से बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 2 मार्च को 'मिशन मोड में पर्यटन का विकास' विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए समग्र पैकेज के रूप में विकसित करने के लिए 50 नए पर्यटन स्थलों संबंधी घोषणा से पर्यटन सेक्टर के बढने की गति और तेज होने की संभावना है। पर्यटन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 2023-24 के केंद्रीय बजट में 1742 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब यह मिथक टूट गया है कि पर्यटन एक आकर्षक (फैंसी) शब्द है जो केवल देश के उच्च आय वाले समूहों से ही जुड़ा हुआ है। हमारे गांव पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं और बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण दूर-सुदूर के गांव अब पर्यटन मानचित्र पर आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने सीमा के पास स्थित गांवों के लिए 'वाइब्रेंट विलेज योजना' शुरू की है और गांवों के अनुकूल होमस्टे, छोटे होटल और रेस्तरां जैसे व्यवसायों को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। वस्तुतः सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होने से पर्यटकों के बीच पर्यटन के लिए आकर्षण में वृद्धि हुई है। साथ ही बढ़ते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों से बढ़ता हुआ राजस्व तथा पर्यटन से बढ़ता रोजगार आर्थिक-सामाजिक तस्वीर को संवार रहे हैं। वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम मंदिर के पुनर्निर्माण से पहले यहां एक साल में लगभग 80 लाख लोग आते थे, लेकिन नवीनीकरण के बाद यहां पिछले साल वर्ष 2022 में पर्यटकों की संख्या 7 करोड़ से अधिक हुई है। केदारघाटी में पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होने से पहले यहां आने वाले केवल 4.5 लाख तीर्थयात्रियों की तुलना में पिछले साल 15 लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन करने आए हैं। इसी तरह का आगमन गुजरात के पावागढ़ में हुआ है। जीर्णोद्धार से पहले केवल 4 से 5 हजार लोगों के आगमन की तुलना में पिछले साल 80 हजार तीर्थयात्री मां कालिका के दर्शन के लिए आए। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण पूरा होने के एक साल के भीतर 27 लाख पर्यटकों ने यहां की यात्रा की है। निःसंदेह जैसे-जैसे भारत के पर्यटन स्थलों का विकास हो रहा है और इसकी जानकारी दुनिया को हो रही है, वैसे-वैसे भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पिछले साल 2022 में जनवरी में आए केवल 2 लाख पर्यटकों की तुलना में इस साल 2023 में जनवरी में 8 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए हैं। भारत आने वाले विदेशी पर्यटक औसतन रूप से 1700 डॉलर खर्च करते हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्री अमेरिका में औसतन 2500 डॉलर और ऑस्ट्रेलिया में लगभग 5000 डॉलर खर्च करते हैं। भारत के पास अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को देने के लिए बहुत कुछ है। ऐसे में प्रत्येक राज्य को इस विचार के अनुरूप अपनी पर्यटन नीति में परिवर्तन करने की जरूरत है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के कई ऐसे चमकीले बिंदु हैं, जो देश में टूरिज्म के विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत जैसे विविधता वाले देश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। देश में तरह-तरह के विभिन्न पर्यटन तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनमें तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन, हिमालय पर्यटन, साहसिक पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, विरासत पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, विवाह स्थल पर्यटन, खेल पर्यटन, रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट, कृष्णा सर्किट, गांधी सर्किट पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत पर्यटन, जिओ-हेरिटेज पर्यटन, योग, आयुर्वेद एवं चिकित्सा पर्यटन आदि प्रमुख हैं। निःसंदेह इस समय भारत में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निर्धारित तरीके से हटकर सोचने और आगे की योजना बनाने की आवश्यकता है। नागरिक सुविधाओं, अच्छी डिजिटल कनेक्टिविटी, अच्छे होटल और अस्पतालों, गंदगी का कोई निशान नहीं होने और उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के साथ भारत का पर्यटन क्षेत्र कई गुना बढ़ सकता है। नए बजट के तहत 50 ऐसे पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाना होगा, जहां दुनिया का हर पर्यटक भारत की यात्रा पर आने के लिए बाध्य हो जाए। संयुक्त राष्ट्र में सूचीबद्ध सभी भाषाओं में भारतीय पर्यटन स्थलों के लिए ऐप भी विकसित किया जाना होगा। सचमुच ऐसी रणनीतियों से पर्यटन सेक्टर को भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाया जा सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि इस समय जब वर्ष 2023 में भारत के द्वारा जी-20 की अध्यक्षता की जा रही है तथा जनवरी 2023 से जी-20 देशों के प्रतिनिधियों के साथ दुनिया के विभिन्न देशों के अतिथि भी भारत में जी-20 की कार्य समूह की बैठकों में सहभागिता के साथ जिस तरह विभिन्न प्रदेशों में स्थित पर्यटन स्थलों में रुचि दिखा रहे हैं, उससे दुनिया में भारत के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा। हम उम्मीद कर सकते हैं कि भारत का टूरिज्म सेक्टर वर्ष 2030 तक 250 अरब डॉलर तक की आमदनी प्राप्त करते हुए दिखाई देगा।

नागरिक बोध

राजस्थान में आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनकारियों का चक्काजाम

राजस्थान में इस वर्ष विधानसभा चुनाव पूर्ण होंगे। चुनाव में फासला बहुत कम बचा है। सात महीने की अवधि के भीतर राजस्थान में चुनाव होने की संभावना है। इस बार कांग्रेस और भाजपा में रौचक मुकाबला है। कांग्रेस रिपीट सरकार बनाने की पूरी तैयारी में लगी है। वही भाजपा की भावना सरकार बनाने की है।वादों का झमेला लिए कांग्रेस के सितारे गर्दिश में है। हर बार कांग्रेस के शासन में कुछ परिवर्तन होता जरूर दिखता है। राजस्थान में एक के बाद एक विवाद आकार ले रहा है। इसके बावजूद राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार में अनेक योजनाओं का लाभ देकर वोट हासिल करने की युक्तियुक्त आयोजन है। आरक्षण की मांग मनवाने निकले माली, कुशवाह, शाक्य, सैनी एवं मौर्य समाज के हजारो लोगो ने सड़क जाम कर दिया। तमाम समाज की 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग है। चुनाव के मद्देनजर जरूरतमंद समाज सरकार से आरक्षण की मांग करने सड़कों पर उतरे आंदोलनकारियों ने सड़क पर बैठ भोजन किया।राजस्थान में अन्य समाज भी आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलित है। राजस्थान में विवाद थमने का नाम नही ले रहा है। चार साल से अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक दूसरे से नजर चुरा रहे है। जिससे राजस्थान की सियासत सुर्खियों में रहती है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और भाजपा नेता वसुंधरा राजे के साथ मिलीभगत की बात कर आत्मसंतुष्टि के लिए आरोप मढ़ रहे सचिन के लिए इस बार राह आसान नही है। अपनी सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे सचिन पायलट का राजनैतिक ड्रामा मुसीबत खड़ी नही कर दे,उसके लिए विचारसागर मंथन करने की जरूरत है।राजस्थान में रिपीट सरकार बनाने की आशा धुंधली दिखाई दे रही थी।लेकिन अशोक गहलोत ने ग्रामीण क्षेत्रो के लिए लाभकारी योजनाओं से हर घर को लाभ पहुंचाने के लिए तैयारी बताई है उसके लिए नेताओ की आस बढ़ती दिख रही है। सरकार से आरक्षण की मांग को लेकर उतरे समाजजन के लिए सरकार के पास क्या विकल्प है? आरक्षण की आग राजस्थान में हरवर्ष सुलगती रहती है। जिसका खामियाजा सरकार को उठाना पड़ रहा है। लवकुश कल्याण बोर्ड का गठन करने,राज्य और जिला स्तरीय लवकुश छात्रावास का निर्माण और 12 प्रतिशत आरक्षण अलग से दिए जाने की मांग प्रबल बनी है। आंदोलनकारियों को जेल भेजे जाने के बाद रिहाई की मांग पर डटे है।भाजपा और कांग्रेस में रार बरकरार है। भाजपा नेता वसुंधरा राजे पर मिलीभगत की बात को राजे ने सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस कहती है कि वे तो मिले हुए है। उनमें आपस मे मिली भगत है।लेकिन जिनके सिद्धांत नही मिलते,जिनसे विचारधारा नही मिलती,जिनसे रोजरोज अमर्यादित भाषा सुनने को मिलती है। उनमे मिली भगत कैसे संभव है क्या कभी दूध और नींबू आपस मे मिल सकते है।पायलट पर सीधा निशाना साधा और जुठ बोलने पर लताड़ लगाई।

देश दुनीया से

बस नाचना है...

पहली बार बंदरिया रूठ गई। वह अपने मदारी से खफा थी, इसलिए कह दिया कि वह किसी भी सूरत नहीं नाचेगी। मदारी का आत्मविश्वास पहली बार किसी नाचने वाले के आगे मजबूर था, फिर भी उसे विश्वास था कि जब कोई भूखा-प्यासा होगा तो खाने के लिए नाचेगा तो जरूर। भूखे को नाचने का सहारा। दूसरी ओर बंदरिया को मदारी के इशारों पर आपत्ति थी। नाच-नाच में वह इशारे करता था। मदारी को यह यकीन था कि नाच के लिए इशारा जरूरी है और वह अपनी इशारेबाजी से इनसानी फितरत तक को नचा सकता है। नाचने की फितरत को बस नचाने वाला मदारी चाहिए। वह इनसानों में 'बंदरिया समूह' ढूंढने लगा। वह हर उस जगह पहुंच जाता जहां नाच का माहौल था। उसने देखा 'प्रोटोकॉल' के तहत पूरी व्यवस्था का नाच वर्षों से जारी है। जहां भी किसी वीआईपी ने आना होता है, जनता स्वयं नाचना शुरू हो जाती है। मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के आगमन पर नए-नए नृत्य और नई-नई शैलियों का आगाज होने लगा है। मदारी वर्षों से देख रहा है कि कोई शराफत, कोई नजाकत, कोई भय तो कोई आक्रोश से नाच रहा है। कमाल तो यह कि कोई सरकारी बस में बैठकर नाचने की अदाओं तक पहुंच रहा है, तो कोई राशन की लाइन में खड़े-खड़े नाच रहा है। आजादी के बाद शिक्षा के हर सुधार ने हमें नचा दिया, तो सार्वजनिक अवकाश में देश को नाचना आ गया। किसी भी परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते देश के भविष्य को देखना कि कितना कठिन हो चुका है नाचना। नाचने के लिए बस एक मदारी चाहिए। तभी मदारी ने देखा कि एक भिखारी उसी की तरह घर-घर जाकर वही कह रहा है जो वह बंदरिया के नाम पर कहता आया है, 'भगवान के नाम पर, अल्लाह के नाम पर! जो दे उसका भला, जो न दे उसका भी भला!' मांगने वाले को सभी धर्म एक समान आशीर्वाद दे रहे थे। वह सोचने लगा कि भिखारियों का असली मदारी कौन। बिना किसी गीत-संगीत के भी भिखारी नाच रहा है। दरअसल नाचने के लिए अब न गीत चाहिए और न ही संगीत। सरकारें सबसे अधिक शराब बेच कर कमा रही हैं, ताकि लोग बिना कारण, बिना उदाहरण, बिना लक्ष्य, बिना महफिल और बिना उद्देश्य भी नाच सकें। मदारी को चुनावों के दौरान पता चलता है कि मदारियों के बीच भी कितनी प्रतिस्पर्धा है। उसे अब कहीं जाकर पता चला कि सबसे काबिल मदारी तो राजनीति पैदा कर रही है। मदारी को पहली बार पता चला कि वह कितना अयोग्य है कि उसके आगे तो अब बंदरिया भी नाचने से ना-नुकर करने लगी है। उसने तय कि आगे बढने और नचाने के गुर सीखने के लिए अब राजनीति से ही कुछ सीखा जाए। अतः वह एक बड़े राजनीतिक दल में प्रवेश कर गया। उसका मदारीपन पार्टी को संतुष्ट कर गया। उसने पहली बार देखा कि राजनीति में नाचने वालों की हर प्रजाति मौजूद है। मन ही मन में वह सोचने लगा, 'मैं खामख्वाह ही बंदरिया को नाचने में निपुण कर रहा था, यहां तो जीते-जागते लोग बंदर-बंदरिया बनने को तैयार हैं।' वह सियासी मदारी के रूप में बातों-बातों में सीख गया कि किस तरह दूसरे को नचाना और नाचने वाले की जमीन खींच कर आंगन टेढ़ा करके दिखाना है। वह अब मदारियों का भी गुरु बन गया। उसे यकीन था कि भारतीय मदारियों के कारण ही देश 'विश्व गुरु' बन सकता है। एक ओर मदारी अब नाचने वालों की संख्या बढ़ाकर देश को 'विश्व गुरु' बनाने के गुर सिखा रहा था, तो दूसरी ओर बंदरिया को भी समझ आ गया कि नाचे बिना वह देश के काम नहीं आएगी, इसलिए वह उसी मदारी को खोज रही है, जो अब विश्व को नचाने के लिए गुरु बन चुका है। वह नाचती-नाचती कभी विधानसभा, तो कभी लोकसभा परिसर पहुंच रही थी।

आजादी के बाद शिक्षा के हर सुधार ने हमें नचा दिया, तो सार्वजनिक अवकाश में देश को नाचना आ गया। किसी भी परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते देश के भविष्य को देखना कि कितना कठिन हो चुका है नाचना। नाचने के लिए बस एक मदारी चाहिए। तभी मदारी ने देखा कि एक भिखारी उसी की तरह घर-घर जाकर वही कह रहा है जो वह बंदरिया के नाम पर कहता आया है, 'भगवान के नाम पर, अल्लाह के नाम पर! जो दे उसका भला, जो न दे उसका भी भला!' मांगने वाले को सभी धर्म एक समान आशीर्वाद दे रहे थे। वह सोचने लगा कि भिखारियों का असली मदारी कौन। बिना किसी गीत-संगीत के भी भिखारी नाच रहा है।

पाकिस्तान में चुनाव की तारीख अब तय होगी सड़कों पर! पीपीपी का पूरे सिंध में जन प्रदर्शन का एलान

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में चुनाव कराने के मुद्दे की लड़ाई अब सड़कों पर उतरने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद पंजाब प्रांत की असेंबली के चुनाव को लेकर जारी संशय के बीच अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने 'पूरे देश को सड़कों पर उतार' देने का संकल्प जताया है। उधर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने इसी सवाल पर पूरे सिंध प्रांत में जन प्रदर्शन करने का एलान किया है। पीपीपी के नेता विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी हैं और इस पार्टी का सिंध में बड़ा जनाधार है।

इमरान खान ने ईद के मौके पर लाहौर में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं का एक विशेष समारोह आयोजित किया। इसे उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए संबोधित किया। इमरान खान ने आशंका जताई कि पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के नेतृत्व वाली संघीय सरकार पंजाब में 14 मई को चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर सकती है। उन्होंने कहा- 'अगर ऐसा हुआ, तो मैं पूरे कौम को सड़कों पर उतार दूंगा। मैं कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि विरोध प्रदर्शनों की वे तैयारी करें।'

पाकिस्तान में तुरंत आम चुनाव की मांग पर जोर डालने के लिए बीते जनवरी में पीटीआई ने पंजाब और खैबर पख्तूनवा की प्रांतीय असेंबलियों को भंग करवा लिया था। इन दोनों प्रांतों में उसका शासन था। पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक किसी सदन के भंग होने पर 90 दिन के अंदर उसका चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन पाकिस्तान का निर्वाचन आयोग ने यह कह कर चुनाव कार्यक्रम घोषित करने से इनकार कर दिया कि उसके पास इसके लिए जरूरी संसाधन और सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। इसलिए यह मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। कोर्ट ने 14 मई को चुनाव कराने का आदेश दिया है।

सत्ताधारी गठबंधन पीडीएम में शामिल एक प्रमुख दल पीपीपी ने अपने आधार वाले सिंध प्रांत में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ आंदोलन छेड़ने की घोषणा की है। पार्टी का दावा है कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक नेशनल और प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव साथ-साथ होने चाहिए। इसलिए वह पंजाब में अलग से चुनाव कराने के निर्णय को स्वीकार नहीं करेगी। पीपीपी के नेता निसार खुसरो ने कहा- सिंध अलग-अलग कराए गए चुनावों को स्वीकार नहीं करेगा।

न्यूज ब्रीफ

स्टारशिप टेस्ट फ्लाइट से टेक्सास लॉन्च साइट को नुकसानः कंक्रीट के टुकड़े बिखरे, जमीन में गहरे गड्ढे पड़े; मरम्मत में लग सकता है महीनों का समय

टेक्सास। दुनिया के सबसे शक्तिशाली लॉन्च व्हीकल स्टारशिप ने टेक्सास लॉन्च साइट को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। अपने पहले ऑर्बिटल टेस्ट के बाद लॉन्च साइट पर कंक्रीट के टुकड़े, मेटल की मुड़ी हुई चादरें, जमीन में गहरे क्रेटर दिखाई दिए। टेस्ट फ्लाइट से हुई क्षति की मरम्मत में महीनों का समय लग सकता है। इससे अगले लॉन्च में देरी हो सकती है। स्पेसएक्स के बॉस एलन मस्क ने टेस्ट से पहले कहा था कि स्टारशिप का लॉन्च पैड को नष्ट किए बिना लिफ्ट कर पाना ही बड़ी जीत होगी। मस्क का रॉकेट लिफ्ट ऑफ में कामयाब रहा था, लेकिन लगभग चार मिनट बाद ये एक्सप्लोड हो गया था। एक फोटोग्राफर ने टेस्ट के दो दिन बाद लॉन्च पैड के आसपास की फोटो कैप्चर की है। इन तस्वीरों में लॉन्च पैड को हुए नुकसान को देखा जा सकता है। इस टेस्ट के बाद, मस्क ने कहा कि स्पेसएक्स ने लॉन्च माउंट के नीचे एक विशाल वाटर-कूल्ड स्टील प्लेट का निर्माण शुरू कर दिया है। पहले टेस्ट के दौरान यह तैयार नहीं हो पाया था और इंजीनियरों को लगा था कि इसके बिना भी पैड बिना डैमेज के रॉकेट को लिफ्ट ऑफ करा देगा। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। स्पेसएक्स ने लॉन्च फेल होने के बाद कहा था- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की।

बुर्किना फासो में नहीं रुक रहा नरसंहार, जवानों की वर्दी पहने दरिंदों ने 60 लोगों की जान ली

बुर्कानो फासो । पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में आजकल हर दिन बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। 60 नागिरकों की हत्या करने का मामला सामने आया है। कहा जा रहा कि जिन संदिग्धों ने हत्या की है वह लोग बुर्किना के जवानों की वर्दी पहने हुए थे। बता दें, लामिने काबोर नामक शख्स ने ओआहिगौया पुलिस से मिली जानकारी का हवाला देते हुए घटना की जानकारी दी। लामिने काबोर ने बताया कि अफ्रीकी देश माली के पास सीमावर्ती इलाकों में यतेंगा प्रांत के करमा गांव पर हमले के बाद जांच शुरू की गई थी। इस जांच से पता लगा कि 60 नागरिकों की हत्या की गई है। हाल ही में बुर्किना फासो में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया था। यहां 15 अप्रैल को संदिग्ध जिहादियों ने 40 लोगों की हत्या कर दी थी। सरकारी बयान में कहा गया था कि अपनी धरती की रक्षा के लिए स्वयंसेवकों के 34 सहायक और 6 अस्थायी सैनिकों की मौत हुई है। जबकि 33 लोग घायल हुए थे। ह्यूमन राइट्स वॉच ने मार्च में कहा था कि 2022 के बाद से नागरिकों पर सशस्त्र समूहों द्वारा हमलों में वृद्धि हुई है, जबकि राज्य सुरक्षा बलों और स्वयंसेवी रक्षा सैनिकों ने कई आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं।

चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच ऑस्ट्रेलिया ने जारी की नई रक्षा नीति, भारत-जापान संबंधों पर दिया जोर

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को रक्षा सामरिक समीक्षा (डीएसआर) का सार्वजनिक संस्करण जारी किया है। इसमें भारत और जापान सहित क्षेत्र में अपने सहयोगियों व प्रमुख शक्तियों के साथ मजबूत संबंधों को बनाने पर जोर दिया गया है। समीक्षा में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर भी बात की गई है। समीक्षा में विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में रक्षा सहयोग कार्यक्रम को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण है। बता दें, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ऑस्ट्रेलिया भविष्य में ऐसे युद्ध से अपनी रक्षा करने के लिए हथियारों के घरेलू उत्पादन और कूटनीति को प्राथमिकता देने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने चीन के साथ जुड़ने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया है। समीक्षा में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया जितना सहयोग कर सकता है उतना चीन के साथ रखेगा। साथ ही कहा गया कि अगर दोनों देश एक दूसरे से सहमत नहीं होते हैं किसी मुद्दे पर तो बुद्धिमानी से हल निकाला जाएगा। साथ ही जहां सख्ती की जरूरत पड़ेगी वहां यह भी दिखाई जाएगी। हालांकि, रक्षा सामरिक समीक्षा में चीन के सैन्य निर्माण और उसके रणनीतिक इरादों पर बढ़ती चिंताओं पर भी प्रकाश डाला गया है।

सूडान गृह युद्ध में अब तक 413 लोगों की मौत

4 हजार भारतीय अब भी फंसे ; 9 देशों ने अपने नागरिकों को रेस्क्यू किया

खार्तूम।

सूडान में तख्तापलट के लिए सेना और पैरामिलट्री- रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच 15 अप्रैल से जारी लड़ाई का 10वां दिन है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, अब तक 413 लोगों की मौत हो चुकी है। 3,551 लोग घायल हुए हैं।

इसी बीच कई देश सूडान में फंसे अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। अब तक अमेरिका, ब्रिटेन समेत 9 देशों ने अपने डिप्लोमैट्स को रेस्क्यू कर लिया है। वहीं, सूडान में 4 हजार भारतीय रहते हैं, जो अब भी वहां फंसे हुए हैं।

22 अप्रैल की रात को सऊदी अरब ने सूडान में फंसे 158 लोगों को सुरक्षित निकाला था। इनमें कई भारतीय भी शामिल थे। इसके बाद भारत ने जेद्दाह में दो मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को स्टैंडबाय पर रखा है। भारतीय नौसेना का एक जहाज सूडान के प्रमुख बंदरगाह पर भी पहुंच गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- भारतीयों को निकालने के लिए सभी संभव कोशिशें की जा रही हैं।

भारत के अलावा इन देशों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

फ्रांस : राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा- 23 अप्रैल को एक प्लेन 388 नागरिकों को लेकर सूडान से निकला।

नीदरलैंड्स : फ्रांस के प्लेन में कई नागरिक नीदरलैंड्स के थे। नीदरलैंड्स की सरकार नागरिकों को एयरलिफ्ट करने की तैयारी कर रही है।

जर्मनी : जर्मन सरकार के 3 विमान सूडान से 311 नागरिकों को लेकर 23 अप्रैल को जॉर्डन पहुंचे। यहां से विमान जल्द जर्मनी की राजधानी बर्लिन पहुंचेंगे।

इटली-स्पेन : दोनों देशों की सरकार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। 23 अप्रैल को स्पेन के विमान से अर्जेंटीना, कोलंबिया, आयरलैंड, पुर्तगाल, पोलैंड, मैक्सिको और वेनिजुएला के नागरिकों को भी एयरलिफ्ट किया गया। वहीं, इटली के 150 नागरिकों को इवेक्यूएट किया गया।

कनाडा : प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा- सरकार ने सूडान से अपने डिप्लोमैट्स को सुरक्षित निकाल लिया है।

सऊदी अरब : सऊदी अरब के 5 शिप 23 अप्रैल को 158 लोगों को लेकर जेद्दाह पहुंचे। इमनें 91 सऊदी अरब के नागरिक थे। भारत समेत पाकिस्तान, कुवैत, कतर, मिस्र, ट्यूनीशिया, बुल्गारिया, बांग्लादेश, फिलिपींस, कनाडा, बुर्किना फासो के नागरिकों को भी रेस्क्यू किया गया।

अमेरिका : 23 अप्रैल को अमेरिकी एंबेसी के करीब 100 डिप्लोमैट्स और उनके परिवार को सुरक्षित निकालने के लिए मिलिट्री के एयरक्राफ्ट में एयरलिफ्ट किया गया। अमेरिकी ऐंबैसी को फिलहाल बंद कर दिया गया है। यहां सभी काम रोक दिए गए हैं। सूडान में अमेरिकी दूतावास के काम दोबारा कब शुरू किए जाएंगे, इस बारे में भी नहीं बताया गया।

सूडान के लोग देश छोड़ रहे - यूनाइटेड नेशन्स के मुताबिक, लड़ाई के चलते की इलाकों में पानी और बिजली की सप्लाई रुक गई है। लोगों को खाने के लिए भोजन भी नहीं मिल रहा है। इसके चलते करीब 20 हजार लोगों ने देश छोड़ दिया है। इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इन्होंने पड़ोसी देश चाड में शरण ली है।

लड़ाई में 9 बच्चों की मौत, 50 से ज्यादा घायल - सूडान में अब तक 9 बच्चों की मौत हो चुकी है। 50 से ज्यादा घायल हुए हैं। 11 अस्पतालों पर हमले हो चुके हैं। सूडान की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, 20 मेडिकल फैसिलिटीज को काफी नुकसान पहुंचा है, जिसके बाद इन्हें बंद कर दिया गया है। 12 अन्य हेल्थ फैसिलिटीज को बंद किया जा सकता है। डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ का कहना है कि लड़ाई के चलते वो लोगों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

16 अप्रैल को हुई थी भारतीय की मौत - 16 अप्रैल को एक भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टीन की मौत हुई थी। भारतीय मिशन ने ट्वीट कर बताया कि गोली लगने से अल्बर्ट की मौत हो गई। वो सूडान में डल ग्रुप कंपनी के लिए काम करते थे। भारत सरकार पहले ही सूडान में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है। उन्हें घरों में ही रहने की सलाह दी गई है। वहीं, 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग करते हुए सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए इमरजेंसी प्लान तैयार रखने की बात कही।

सूडान में फंसे हैं करीब 4,000 भारतीय नागरिक - सूडान में चार हजार भारतीय रहते हैं, जो अब भी फंसे हुए हैं। इस लड़ाई का केंद्र बनी राजधानी खार्तूम में ही भारत के करीब डेढ़ हजार नागरिक रहते हैं। वहीं, सूडानी शहर अल-फशेर में कर्नाटक के हक्की-पिक्की आदिवासी समुदाय के 31 लोग फंसे हैं। ये लोग आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए सूडान गए थे।

ताइवान चाहता है उसके मुद्दे पर चीन से ज्यादा टकराव ना बढ़ाए अमेरिका

हांगकांग ।

ताइवान अब नहीं चाहता कि अमेरिका उसको लेकर चीन के साथ इस क्षेत्र में टकराव और बढ़ाए। कई मीडिया रिपोर्टों से इस बात के संकेत मिले हैं। ताइवान के अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र में बढ़े तनाव का उनके कारोबार पर बहुत खराब असर हो रहा है। सबसे ज्यादा खराब असर ताइवान की चिप इंडस्ट्री पर पड़ा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ताइवान के अधिकारियों ने इस सिलसिले में अमेरिकी अधिकारियों से अनौपचारिक बातचीत की है। चिप इंडस्ट्री ताइवान की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। चीन ताइवान में बने चिप का बड़ा बाजार रहा है। लेकिन खबर है कि कई चीनी कंपनियां अब ताइवान से चिप मंगवाने के बजाय अपने देश में बने चिप का इस्तेमाल कर रही हैं। चीन ने अपनी चिप इंडस्ट्री में बड़े पैमाने पर निवेश और मानव संसाधन को झोंक दिया है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में ताइवान की हैसियत का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि 2022 के अंत तक वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में ताइवान का हिस्सा 48 फीसदी था। 16 नैनोमीटर या उससे छोटे चिप के विश्व बाजार में उसका हिस्सा 61 फीसदी था। ताइवान नहीं चाहता कि उसकी इस हैसियत पर अमेरिका और चीन के टकराव का असर पड़े। अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक ताइवान के कई अधिकारी इस सिलसिले में अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गिना राइमोंडो से संपर्क में हैं। विश्लेषकों के मुताबिक सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के मामले में अमेरिका की भी ताइवान पर निर्भरता रही है। अब अमेरिका में इसे 'असुरक्षित' माना जा रहा है। अमेरिका में यह राय मजबूत हुई है कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला कर दिया, तो अमेरिका की सेमीकंडक्टर की जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। रायमोन्डो ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि अगर ताइवान के सेमीकंडक्टरों की सप्लाई रुक गई, तो अमेरिका तुरंत गहरी मंदी में फंस जाएगा। इसी आशंका के कारण पिछले एक साल में अमेरिका ने अपने यहां सेमीकंडक्टर उद्योग को खड़ा करने की कई योजनाएं घोषित की हैं। इससे भी इस उद्योग से जुड़े ताइवान के कारोबारी परेशान हैं।

यूक्रेन के राजदूत ने कहा-पुतिन मर जाते तो खुशी होतीः वो जीनियस नहीं भ्रष्ट हैं, उनके बाद आने वाला शख्स और बदतर होगा

कीव।

ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत वादिम प्रिस्ताइको ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के मरने पर हमें खुशी होगी। वो मास्टर जीनियस नहीं बल्कि एक एक भ्रष्ट इंसान हैं, जो जटिल रूसी राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास रखता है। जब वादिम प्रिस्ताइको से पूछा गया कि क्या व्लादिमिर पुतिन का रिप्लेसमेंट यूक्रेन के लिए बेहतर होगा इसके जवाब में वादिम ने कहा कि इसके बाद आने वाला शख्स इससे भी बदतर होगा। मैं पश्चिम में जिस चीज से सबसे ज्यादा नफरत करता हूं तो वो ये है कि हर बार जब हम इस बात की चर्चा करते हैं तो लोग मैजिकली कन्क्लूजन पर पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्या पुतिन के मरने पर हम खुश होंगे, जाहिर सी बात है कि हम खुश होंगे। आमतौर पर कोई किसी इंसान की मौत की कामना नहीं करता है, लेकिन हम इस शख्स के लिए करते हैं। पुतिन जीनियस नहीं है वो योजना बना रहे हैं कि टुकड़ों को कहां ले जाना है। रूस के लोगों के अपने हित हैं, उनके अपने कोर ग्रुप हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के दोस्त भी हैं और उनके दुश्मन भी हैं।

वो जानते हैं कि अल्फा अभी भी है, लेकिन वो कमजोर हो रहा है। वो जितना कमजोर होगा उतने ही फ्रैंटिक एक्शन होंगे। पुतिन ज्यादा उग्र हो गए हैं क्योंकि रूस में कुछ पावर ग्रुप्स अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

यूक्रेन के राजदूत ने कहा कि पूरी तरह से पतन या फिर केवल व्लादिमिर पुतिन को हटाने का स्वागत किया जाना चाहिए। अगर हम रूस के अंदर या बाहर इस तानाशाही शासन का प्रतिनिधित्व करने वाली हर चीज का विरोध करते हैं तो ये ठीक है।

शहाबुद्दीन ने बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

ढाका।

पूर्व न्यायाधीश व वरिष्ठ राजनेता मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी ने बंगभवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल में 73 वर्षीय शहाबुद्दीन को शपथ दिलाई। राजकीय समारोह में प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित उनके मंत्रिमंडल और नए राष्ट्रपति के परिवार के सदस्यों के अलावा, राजनेताओं, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया बता दें, मोहम्मद अब्दुल हामिद का बतौर राष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त हो गया था। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति पद के शपथ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

फरवरी में ही चुन लिया गया था - गौरतलब है, पूर्व न्यायाधीश मोहम्मद शहाबुद्दीन को बांग्लादेश का नया राष्ट्रपति फरवरी में चुन लिया गया था। 74 वर्षीय शहाबुद्दीन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। बांग्लादेश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने फरवरी में जमा किए गए उनके नामांकन पत्रों की जांच के बाद शहाबुद्दीन के निर्विरोध राष्ट्रपति चुने जाने की घोषणा की थी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने नए राष्ट्रपति की नियुक्ति को लेकर गजट भी जारी कर दिया था।

कल ही समाप्त हुआ राष्ट्रपति का कार्यकाल - इससे पहले, संसद में पूर्ण बहुमत रखने वाली अवामी लीग पार्टी ने शहाबुद्दीन को शीर्ष पद के लिए नामित किया था। वहीं, संसद में विपक्षी पार्टी ने किसी को देश के सर्वोच्च पद के लिए नामित नहीं किया था। ऐसे में शहाबुद्दीन का रास्ता साफ हो गया था। वर्तमान राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हामिद का कार्यकाल समाप्त हुआ है। बता दें कि वर्तमान में अवामी लीग के पास 350 सदस्यीय सदन में 305 सीटें हैं। इस बहुमत को देखते हुए मोहम्मद शहाबुद्दीन चुप्पू का राष्ट्रपति बनना पहले से ही तय माना जा रहा था।

कौन हैं मोहम्मद शहाबुद्दीन - मोहम्मद शहाबुद्दीन का जन्म पश्चिमोत्तर पबना जिले में हुआ था। वे 1960 के दशक के अंत और 1970 के दशक की शुरुआत में अवामी लीग के छात्र और युवा विंग के नेता थे। इतना ही नहीं, शहाबुद्दीन ने 1971 के मुक्ति संग्राम में भी भाग लिया था और 15 अगस्त, 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में हत्या के बाद विरोध प्रदर्शन करने के लिए उन्हें कैद भी किया गया था। उस तख्तापलट के कारण अवामी लीग सरकार भी गिर गई थी। बाद में 1982 में वे देश की न्यायिक सेवा से जुड़े। बाद में जब साल 1996 के चुनावों में अवामी लीग वापस सत्ता में लौटी तो शहाबुद्दीन ने बंगबंधु हत्याकांड की जांच दल के समन्वयक के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने राजनीति में पदार्पण किया। राजनीति में आने के बाद वे अवामी लीग सलाहकार परिषद के सदस्य बने। अब देश के राष्ट्रपति बनने के बाद उन्हें पार्टी में अपनी जिम्मेदारियों को त्यागना होगा। पूर्व न्यायाधीश मोहम्मद शहाबुद्दीन के परिवार में पत्नी रेबेका और एक बेटा है।

जब कार्यक्रम में अलग-अलग धर्म के प्रतिनिधि मंच से ही करने लगे भारत के पीएम की तारीफ, ये रही वजह

मेलबर्न ।

रविवार को ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न के बंजिल पैलेस में आयोजित विश्व सद्भावना कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक समुदायों से जुड़े लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई सांसद जेसन वुड ने कार्यक्रम को सफल बताया।

उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक नेताओं के साथ शांति और सद्भाव की एक सुर में बात करके अच्छा लगा। यह कार्यक्रम वाकई बहुत शानदार अनुभव रहा। बता दें, जेसन ऑस्ट्रेलिया में सामुदायिक सुरक्षा, प्रवासी सेवाओं और बहुसांस्कृतिक मामलों के छाया मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सकारात्मक संदेश भेजने वाले धार्मिक नेताओं का होना महत्वपूर्ण है।

ये लोग रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में एनआईडी फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सतनाम सिंह संधू, ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त राजदूत मनप्रीत वोहरा, ऑस्ट्रेलिया के एंग्लिकन चर्च के बिशप फिलिप जेम्स हगिंस, विक्टोरिया में अहमदिया मुस्लिम समुदाय के एक सदस्य डॉ तारिक बट सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया था।

संधू ने पुस्तक की भेंट

सतनाम सिंह संधू ने हार्टफेल्ट लेगेसी टू द फेथ पुस्तक भी भेंट की, जो सिख समुदाय के लिए पीएम मोदी द्वारा किए गए योगदान और कार्यों पर आधारित है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष होने की सराहना की।

भारत आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

संधू ने कहा कि विभिन्न समुदायों और धर्मों के लोग सदियों से भारत में रहते आए हैं और हम सभी सांप्रदायिक सद्भाव में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ा है। साथ ही दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। कई अन्य देशों की तरह भारत में सभी समुदायों को पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त है। उन्हें जाति, पंथ या धर्म के किसी भी भेदभाव के बिना सभी अवसर दिए जाते हैं। इतना ही नहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित भी महसूस करते हैं।

विदेश में 9 साल के विकास कार्य की हुई तारीफ

उन्होंने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि देश में पिछले 9 साल में हुए विकास कार्य और उससे पहले 65 साल में किए गए काम में स्पष्ट अंतर है। दुनिया ने हर क्षेत्र में अपार विकास किया है, लेकिन उसे सच्ची शांति केवल धर्म से मिलती है। हमें धार्मिक सद्भाव और विश्व शांति पर ध्यान देना चाहिए। क्षेत्रीय मतभेदों को पार करना चाहिए और सभी को ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

क्या है सद्भावना कार्यक्रम

सद्भावना कार्यक्रम एनआईडी फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम के दृष्टिकोण को लेकर पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में दुनिया के हर कोने में ले जाती है। इस कार्यक्रम में धार्मिक नेताओं, बुद्धिजीवियों, विद्वानों, प्रचारकों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। नामधारी समाज के आध्यात्मिक गुरु सतगुरु उदय सिंह ने कहा कि धर्म सबको जोड़ता है और धर्म का अर्थ प्रेम और शांति है।

पीएम मोदी के पास है जादू

जेम्स हगिंस ने कहा कि वह भारत के खिलाफ बनाई जा रही कहानी से सहमत नहीं हैं कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं, विक्टोरिया में अहमदिया मुस्लिम समुदाय के एक सदस्य डॉ तारिक बट, जो पाकिस्तान से हैं और अब ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं, ने कहा कि यह आयोजन एक बड़ी पहल है। हिंदू और मुस्लिम समुदायों को एक साथ लाने वाला एक मंच है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के लिए सभी समुदायों को साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करके सही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पास वह करिश्मा है जहां लोग उनके धार्मिक झुकाव की परवाह किए बिना उनका अनुसरण कर रहे हैं, जो अच्छा है।

मुख्तार अंसारी पर सियासी संग्राम : भगवंत मान बोले

जिसने दोस्ती निभाई वही भरे

कैप्टन बोले, सोच-समझकर बोलें

जालंधर। उत्तर प्रदेश का बाहुबली मुख्तार अंसारी पंजाब में मुद्दा बन गया है। जालंधर उपचुनाव में मुख्तार अंसारी का जिक्र हो रहा है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने मुख्तार अंसारी पर खर्च 55 लाख रुपए वकीलों की फीस देने से मना कर दिया है। भगवंत मान का कहना है कि मुख्तार अंसारी से जिसने दोस्ती निभाई है वही इसे भरेगा। मुख्तार अंसारी जिस वक्त पंजाब की रोपड़ जेल में रहा उस वक्त प्रदेश में कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार रही है। अब कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्तार अंसारी के मामले में मुख्यमंत्री भगवंत मान को नसीहत दी है कि वह देख समझकर बोला करें। कैप्टन ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को पहले समझना पड़ेगा कि सरकार कैसे चलती है? जब पुलिस की जांच होती है तो जांच अधिकारी उसे जांच को बुलाता है। कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जाता है। उसी प्रकिया के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस अंसारी को लेकर

गई थी। साथ में तंज भी कसा कि जैसे अभी हाल ही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी बठिंडा जेल से लॉरेंस को दिल्ली में ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब में सरकार विजिलेंस का दुरुपयोग कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ चल रही विजिलेंस जांच पर कैप्टन ने कहा कि चन्नी पर अगर कोई भ्रष्टाचार का सबूत है तो विजिलेंस बुलाए लेकिन यहां बिना कारण अंदर डाला जा रहा है। मान सरकार विजिलेंस का दुरुपयोग करके 15 लोगों को टारगेट कर चुकी है, ऐसा करके वह क्या साबित करना चाहती है? कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सोमवार को जालंधर में भाजपा के प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा के साथ मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमृतपाल को 36 दिन बाद नहीं बल्कि पहले दिन ही पकड़ कर जेल में बंद करना चाहिए था, क्योंकि पंजाब के माहौल को खराब करने की साजिश पंजाब से रची जा रही है। बता दें कि 36 दिन बाद अमृतपाल को पंजाब पुलिस ने मोगा के गांव रोडे से पकड़ा था। अब उसे असम की डिब्रुगढ़ केंद्रीय जेल में रखा गया है। अमृतपाल के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है।

हाइवे पर आमने-सामने भिड़े ट्रेलर तीन जिंदा जले

बाड़मेर (हिंस)। जिले के गुड़ामालानी में आदूराम पेट्रोल पंप के पास आलपुरा गांव के समीप सोमवार अलसुबह बीकानेर से सांचौर जा रहे हाइवे पर दो ट्रेलर आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर के बाद दोनों में आग लग गई। भीषण हादसे में तीन लोग जिंदा जल गए। एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों वाहनों में ड्राइवर समेत चार लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार, एक ट्रेलर बीकानेर से मिट्टी भर सांचौर की तरफ जा रहा था। दूसरे ट्रेलर में टाइल्स भरी हुई थी। वह सामने से आ रहा था। शुरुआती जांच में सामने आ रहा है कि ट्रेलर ड्राइवर को झपकी लगने के कारण दोनों में टक्कर हो गई। जब तक फायर बिग्रेड मौके पर पहुंचती तब तक दोनों वाहन 60-80 फीसदी से ज्यादा जल चुके थे। टाइल्स भरे ट्रेलर में प्रदीप (23) पुत्र रामचंद्र और लक्ष्मणराम पुत्र भारमल सवार थे। दोनों ही बीकानेर के नोखा में गांव धरनोक के रहने वाले थे। इसमें से प्रदीप जिंदा जल गया। वहीं, लक्ष्मणराम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

सरकार की कुरीतियों के चलते प्रदेश पर चढ़ा 3 लाख करोड़ का कर्ज : ओम प्रकाश चौटाला

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला ने जिला स्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को इनेलो कार्यालय में बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की परिस्थितियां हमारे सामने हैं, जो बेहद भयावह हैं। चौटाला ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा गठबंधन सरकार की कुरीतियों के कारण आज प्रदेश पर तीन लाख करोड़ रुपए से भी अधिक का कर्जा चढ़ गया है। ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए भी पैसे नहीं हैं। भाजपा सरकार ने हालत इतनी खराब कर दी है कि कर्जा चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। जो बच्चा पैदा होगा वह अपने ऊपर कर्ज लेकर पैदा होगा। भाजपा गठबंधन सरकार के इस कुशासन का अंत करने के लिए हम सबको मिल कर चलना पड़ेगा। चौटाला ने कहा कि हमारा किसी से भी कोई द्वेष या विरोध नहीं है और न ही किसी से व्यक्तिगत या राजनीतिक स्वार्थ है। हम तो स्वर्गीय चौ. देवी लाल जी के सपनों को साकार करना चाहते हैं। सरकार को प्रदेश के हर आदमी की मूलभूत जरूरत जैसे रोजी, रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य का प्रबंध करना चाहिए। जो सरकार इन सबका प्रबंध करने में सक्षम न हो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सत्ता न छोड़े तो सबको इकट्ठा होकर उस सरकार का पतन करना चाहिए, जिसका अब समय आ गया है।

गांधी-नेहरू परिवार पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर बूंदी कोर्ट में पेश हुई अभिनेत्री पायल रोहतगी

बूंदी (हिंस)। गांधी-नेहरू परिवार पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के चार साल पुराने मामले में सोमवार को फिल्म अभिनेत्री और बिग बॉस फेम पायल रोहतगी बूंदी न्यायालय में पेश हुई। वे लंबे समय से अपनी पेशियों को टाल रही थीं। अभिनेत्री अपने पति संग्राम सिंह के साथ सोमवार को बूंदी पहुंचीं। पायल रोहतगी ने बीते साल 11 जुलाई को होने वाली पेशी को विवाह का हवाला देकर टाल दिया था। इसके साथ ही इस साल 22 मार्च को भी उनकी पेशी थी जिसमें वे गैर हाजिर रही थी और हाजिरी माफी के दौरान न्यायाधीश ने तल्ख टिप्पणी करते हुए उन्हें अगली पेशी 24 अप्रैल को उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया था। इसी के चलते आज पायल रोहतगी न्यायालय में पेश हुई है। अभिनेत्री पायल रोहतगी का कहना हैं कि उनके पास आज पेशी के दौरान एडवोकेट नहीं था। उनके पास कोई एडवोकेट वर्तमान में नहीं है, पुराने एडवोकेट से पहले ही एनओसी ले ली थी। ऐसे में उन्होंने खुद ही उपस्थित होना जरूरी समझा। रोहतगी का कहना हैं कि उन्होंने न्यायाधीश से गर्मी की छुट्टियों के चलते लंबी तारीख देने के लिए आग्रह किया है। साथ ही यह भी कहा है कि आज ही राजस्थान हाई कोर्ट में उनके मामले की सुनवाई भी है। अब उनकी अग्रिम पेशी 10 जुलाई को है। न्यायालय में चल रहे गांधी नेहरू परिवार की टिप्पणी के मामले में सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इस समय वे इस पर कुछ भी जवाब नहीं देगी। बूंदी के देवपुरा थाने में कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने चार साल पहले फिल्म अदाकारा पायल रोहतगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। बॉलीवुड अदाकारा और बिग बॉस फेम पायल रोहतगी ने 21 सितंबर 2019 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें गांधी-नेहरू परिवार के बारे में आपत्तिजनक बातें कही गईं थीं। कांग्रेस नेता शर्मा की शिकायत पर 10 अक्टूबर 2019 को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। इस मामले में 15 दिसंबर 2019 को पायल रोहतगी को गुजरात से गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बाद 16 दिसंबर को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 24 दिसंबर 2019 तक न्यायालय ने जेल भेज दिया गया था। पायल रोहतगी ने न्यायिक अभिरक्षा के आदेश पर जमानत अर्जी डीजे कोर्ट में दाखिल की थी।

पूंछ में सैनिकों की शहादत से जनता में बढ़ता जा रहा है रोष

भिवानी (हिंस)। आतंकियों द्वारा पूंछ में घात लगाकर पांच सैनिकों को शहीद करने को लेकर लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। भिवानी में भूख हड़ताल के बाद लोगों ने सोमवार को पाकिस्तान सरकार व आतंकवाद का पुतला फूंक कर ईंट का जवाब पत्थर से देने की मांग की। साथ ही कहा कि पीएम मोदी हमें हथियार दें, हम आतंकियों का सफाया करेंगे। जम्मू कश्मीर के पूंछ में कुछ रोज पहले आतंकियों ने घात लगाकर सेना के ट्रक पर हमला किया था, जिसमें हमारे पांच सैनिक शहीद हो गए। इस घटना के बाद देश भर में रोष है। भिवानी में आए दिन सामाजिक संगठनों द्वारा अलग-अलग तरीकों से रोष जताकर बदले की मांग उठाई जा रही है। ब्राह्मण सेना के प्रदेश अध्यक्ष जेपी कौशिक ने आज अन्य संगठनों के साथ मिलकर किरोड़ीमल पार्क के पास पाक सरकार व आतंकवाद का पुतला फूंक कर विरोध जताया। कौशिक ने कहा कि भारत सरकार तुरंत ईंट का जवाब पत्थर से दे।

मुख्यमंत्री की सैनी, माली, कुशवाहा, शाक्य व मौर्य समाज से अपील

हाइवे छोड़ें, विश्वास दिलाता हूं न्याय होगा

जयपुर/भरतपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सैनी, माली, कुशवाह, शाक्य और मौर्य समाज से आरक्षण के लिए हाईवे से धरना समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि हाईवे जाम करना अच्छी बात नहीं हैं। किसी भी मंत्री या मेरे साथ बात कर सकते हैं, मैं विश्वास दिलाता हूं कि उनके साथ न्याय होगा। मुख्यमंत्री सोमवार को महंगाई राहत कैंप के उद्घाटन अवसर पर महापुरा, जयपुर में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उधर बारह प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर सैनी, माली, कुशवाह, शाक्य और मौर्य समाज ने बेरी गांव के पास भरतपुर-जयपुर हाईवे सोमवार को चौथे दिन भी जाम रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरक्षण के मद्देनजर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि इस वर्ष की जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी कराई जाए, ताकि सभी जातियों के सामाजिक व आर्थिक स्तर की जानकारी मिल सके। मैं धरने पर बैठे चारों समाज से अपील करता हूं कि वह धरना समाप्त करें और किसी भी मंत्री या मेरे साथ बात कर करने के लिए आगे आएं। मैं विश्वास दिलाता हूं कि उनके साथ न्याय होगा। इस बीच हाईवे पर चल रहे आंदोलन में अब बच्चों और महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया है। तीन तहसीलों वैर, भुसावर और नदबई तहसील में इंटरनेट पर पाबंदी जारी है।

चिलचिलाती धूप में भी आंदोलनकारी पेड़, झाडी और टैंट के साए में जमे हुए हैं। मामले में रविवार शाम 11 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल की एक कमेटी का गठन किया गया, जिसे कुछ ही समय बाद निरस्त कर दिया गया। इसके बाद शाम को 5-5 सदस्यों के दो दल अलग-अलग समय कलेक्टर से मिले। इससे पूर्व रविवार को समाज के पप्पू भाई प्रधान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से वार्ता की। मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रधान को आश्वासन दिया है कि संयोजक मुरारी लाल सैनी की जल्द रिहाई की जाएगी। सीएम ने आश्वासन दिया है कि जिला कलेक्टर को आप अपनी मांगों से अवगत कराएं। मांगों को लेकर सरकार के स्तर पर वार्ता की जाएगी।। ऐसे में संभावना है कि सोमवार दोपहर बाद मुरारीलाल सैनी की रिहाई हो सकती है आंदोलनकारी नेता अंजलि सैनी का कहना है कि संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा और कलेक्टर आलोक रंजन सहित कई अधिकारियों को मांगें बता दी हैं। पहले संयोजक मुरारी लाल सैनी को रिहा किया जाए। इसके बाद प्रशासन से वार्ता करेंगे। सामाजिक न्याय मंत्री टीकाराम जूली ने बताया कि पहले दिन से हम बातचीत की कोशिश कर रहे हैं। शासन सचिव समित शर्मा से तीन-चार प्रतिनिधिमंडलों से वार्ता की है। आंदोलनकारी जिन पर भरोसा करते हैं, उन्हें बातचीत के लिए भेजना चाहिए। हम तो समाधान के लिए वार्ता के लिए तैयार हैं।

मंत्री संदीप सिंह पर कार्रवाई के लिए जन संगठनों ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

हिसार (हिंस)। विभिन्न जन संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिला प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में मंत्री संदीप सिंह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान शकुंतला जाखड़, निर्मला, सुनीता, रेखा, कृष्णा, विकलांग अधिकार मंच से ऋषिकेश राजली, महाबीर, मीनू, पंकज शर्मा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से मनोहर लाल जाखड़, आनंद देव सांगवान, रमेश ठकराल, पीटीआई से विजय, जयबीर, पंकज, किसान सभा से आनंद देव, सुनील गोरखपुर, का. बलराज, सतबीर सिंह रुहिल, स्वराज इंडिया से विरेन्द्र बागौरिया, सीटू से सुरेन्द्र मान आदि शामिल रहे। ज्ञापन में कहा गया है कि हरियाणा की प्रतिभाशाली अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी व जूनियर कोच ने 31 दिसंबर 2022 को हरियाणा के तत्कालीन खेल मंत्री संदीप सिंह द्वारा यौन उत्पीड़न करने के मामले में एफआईआर दर्ज करवाई है। इस मामले में सही ढंग से जांच सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी था कि मंत्री संदीप सिंह को मंत्रिमंडल व हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष पद से हटाया जाता और गिरफ्तारी की जाती परंतु अफसोस की बात है कि एफआईआर दर्ज होने के 82 दिन बाद भी आरोपी मंत्री को न तो मंत्रिमंडल से हटाया गया और न ही गिरफ्तारी की गई। आरोपी संदीप सिंह मंत्री जैसे बेहद प्रभावशाली पद पर रहते हुए लगातार तमाम जांच को प्रभावित कर रहे हैं व होनहार बेटी व उसके परिवार का जीवन दुर्भर किया हुआ है। ज्ञापन में कहा गया है कि आरोपी मंत्री संदीप सिंह के कहने से हरियाणा सरकार द्वारा गठित एसआईटी (जिसे बाद में फैक्ट फाइंडिंग टीम नाम दिया गया), ने लड़की को लांछित करने, चंडीगढ़ पुलिस की जांच को प्रभावित करने व मंत्री को क्लीन चिट देने के पूरी कोशिश की है। पीड़िता की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने पीड़िता को सुरक्षा देने की बजाए, उसकी निगरानी करने तथा मानसिक व शारीरिक रूप से और ज्यादा प्रताड़ित करने का काम ही किया है। यहां तक कि पिछले दिनों पीड़िता व उनकी बहन की तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई डॉक्टर ने खाने में जहरीला पदार्थ होने का शक जाहिर किया।

किसानों को गेहूं खरीद के 5800 करोड़ रुपए का किया भुगतान: दुष्यंत चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रदेश में 54 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद की जा चुकी है और 5800 करोड़ रुपए किसानों को सीधी पेमेंट की गई है। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में किसानों के खाते में खरीद के 9000 करोड़ रुपए डाल दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री सोमवार को फतेहाबाद शहर में अपने दौरे के दौरान एमएम कॉलेज के प्राचार्य गुरचरन दास के आवास पर आयोजित जलपान समारोह में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि एक अप्रैल से प्रदेश में गेहूं की खरीद शुरू की गई थी, अब तक 54 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई है और आने वाले दिनों में बीस लाख मीट्रिक टन खरीद होने की और संभावना है। उन्होंने कहा कि मंडियों से उठान में तेजी लाई गई है और 52 प्रतिशत से ज्यादा उठान किया जा चुका है। विभाग ने रविवार को खरीद ना करके केवल उठान का दिन निर्धारित कर इसे बढ़ाया जाएगा। एक भी किसान को मंडी में फसल बेचने में कोई दिक्कत नहीं आयी है, मंडी में आते ही किसान की फसल खरीदी गई है। एक सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि रोहतक में एक श्मशान भूमि की

दीवार के साथ गेहूं की ढेरी लगवाई गई थी, इसकी जांच वहां के उपायुक्त को दी गई है और मार्केट कमेटी बोर्ड की इजाजत के बिना अगर यह ढेरी लगवाई गई है तो संबंधित आढ़ती के खिलाफ कार्यवाही करेंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ई-टेंडरिंग प्रणाली को लेकर किसी प्रकार का कोई भ्रम नहीं रहा है। पंचायती राज संस्थाएं ई-टेंडरिंग प्रणाली से काम शुरू कर चुकी है। यह प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेही है। इसमें ठेकेदार और अधिकारियों की जवाबदेही निश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि जरूरी और जल्दी काम करवाने वाले कामों के लिए सरकार ने सरपंचों की पावर को दो लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए किया है।

पंजीकरण को नि:शुल्क करने की मांग को लेकर राजभवन पहुंचे शिव सैनिक

जम्मू (हिंस)। आगामी 1 जुलाई को शुरू होने जा रही वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा पर नि:शुल्क पंजीकरण समेत यात्री वाहनों को टोल छूट देने तथा श्रद्धालुओं के लिए पवित्र गुफा मंदिर पर स्थापित शिविरों में नि:शुल्क विश्राम व्यवस्था करने की मांग को लेकर शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) की जम्मू-कश्मीर ईकाई के नेताओं का एक दल सोमवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को ज्ञापन देने राजभवन पहुंचा। इस मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि हम उस देश के वासी हैं जहां धार्मिक यात्राओं के लिए सब्सिडी दी जाती थी, कुछ राज्यों सरकारों द्वारा नि:शुल्क तीर्थ यात्रा योजनाएं चलाई जा रही है। हिंदूवादी सरकार होने का दावा करने वालों के शासनकाल में केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा पर देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं से आनलाइन पंजीकरण के नाम पर जो 220/- रूपए का जजिया (टैक्स) वसूल किया जा रहा है वह मुगलिया काल की यादें ताजा करवा रहा है। जम्मू के विश्व प्रसिद्ध श्री माता वैष्णोदेवी यात्रा पर भी पंजीकरण व्यवस्था पूरी तरह से नि:शुल्क है। साहनी ने कहा कि पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा पर पंजीकरण को नि:शुल्क बनाने के साथ सडक मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं एवं लंगर तथा टैंट सेवा देने वाले वाहनों को टोल मुक्त करने तथा पवित्र गुफा मंदिर पर नि:शुल्क टैंट सुविधा देने की वह मांग करते हैं। साहनी ने कहा कि देश के तमाम समाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों से देश के तमाम धार्मिक स्थलों पर दर्शनों एवं पूजा को पूर्ण रूप से नि:शुल्क बनाए जाने को लेकर अपने अपने राज्यों में आवाज बुलंद करने की अपील करते हैं। साहनी ने उक्त मांगें पूरी नहीं होने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

राष्ट्रपति ने एनडीआरआई के दीक्षांत समारोह में 544 विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) के 19वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस दौरान 544 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह सदैव नया सीखने के लिए प्रयत्नशील रहें तथा जन कल्याण के लिए कार्य करें। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से अग्राह किया कि आप राष्ट्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और डेयरी उद्योग में रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ उद्यमी अवश्य बनें। इस क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं और आपको इन संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। भारत का विश्व के दूध उत्पादन में लगभग 22 प्रतिशत का योगदान है। डेयरी सेक्टर का देश की जीडीपी में लगभग पांच प्रतिशत का योगदान है तथा डेयरी उद्योग से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 8 करोड़ परिवारों को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है। राष्ट्रपति

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश : राष्ट्रपति

ने कहा कि भारत में गाय और भैंस की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ नस्लें दूसरी नस्ल की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक दूध देने की क्षमता रखती हैं। एनडीआरआई द्वारा दूध देने वाली गाय और भैंस का क्लोन बनाने की तकनीक विकसित की गई है, यह सराहनीय बात है। इससे पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकता है और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि हरियाणा देश के दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर आता है। एनडीआरआई करनाल में देसी गाय की बछड़ी का क्लोन बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय डेयरी उद्योग में देश के आर्थिक विकास में योगदान देने और लाखों लोगों के जीवन में सुधार करने की अपार क्षमता है। सही नीतियों, निवेश और नवाचार के साथ, भारत डेयरी उद्योग में एक वैश्विक अग्रदूत बन सकता है, और यह दूसरी श्वेत क्रांति के लिए सही समय है। राज्यपाल ने कहा कि डेयरी विज्ञान, पशुपालन और संबंधित क्षेत्रों के विद्वानों के रूप में आप हमारी अर्थव्यवस्था और समाज में इन क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका से अच्छी तरह वाकिफ हैं। डेयरी उद्योग हमारे देश के सबसे बड़े कृषि क्षेत्रों में से एक है, जो लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है और हमारे राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को डेयरी उद्योग चलाने के लिए बैंकिंग क्षेत्र से लोन दिलाया जाएगा। इससे युवा स्वरोजगार के साथ-साथ हरियाणा द्वारा पूरे देश को दूध आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए सर्वे करवाया गया था, जिसमें 60 प्रतिशत युवाओं ने डेयरी के क्षेत्र में स्वरोजगार अपनाने की इच्छा जताई थी। ऐसे युवाओं के सपनों को पंख लगाने के लिए राज्य सरकार बैंकिंग क्षेत्र से बात करके सहकारी विभाग के माध्यम से उनके डेयरी उद्योग को स्थापित करवाने में सहयोग करेगी। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू के संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में बताया और कहा कि उन्होंने कई बाधाओं को पार करके देश के प्रथम नागरिक के पद तक पहुंच कर जता दिया है कि हमारे लोकतांत्रिक देश में परिश्रम से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा के कृषक को मेहनती बताते हुए कहा कि आज देश में दूध की उपलब्धता जहां 444 ग्राम प्रति व्यक्ति है वहीं हरियाणा में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1127 ग्राम है। उन्होंने कहा किसानों के परिश्रम की बदौलत जल्द ही हरियाणा सर्वाधिक दूध उत्पादन वाला प्रदेश बन जाएगा। समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र तोमर, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरशोत्तम रूपाला, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, आईसीएआर-एनडीआरआई के निदेशक और कुलपति डॉ. धीर सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पैसे बचाना ही नहीं उसे निवेश करना भी जरूरी : ऐसा न करने पर 1 लाख की पूंजी 25 साल में 22,000 रुपए रह जाएगी

नई दिल्ली।

बचत की आदत जितनी अच्छी है, उतनी ही जरूरी ये है कि उस पैसे का निवेश करें। यदि आप निवेश करते हैं तो आपकी पूंजी साल-दर-साल बढ़ती है, लेकिन घर में रखे पैसे की वैल्यू कम होती जाती है। हम आपको 6 ऐसी बातें बता रहे हैं जो आपके पैसे की वैल्यू कम होने से बचा सकती हैं।

निवेश न करने पर 1 लाख रह जाएंगे 22 हजार - यदि निवेश नहीं करते तो महंगाई पूंजी की वैल्यू लगातार घटाएगी। 6प्रतिशत औसत महंगाई दर के हिसाब से 1 लाख की वैल्यू 25 साल बाद सिर्फ 22,000 रुपए रह जाएगी। अपने लाख रुपए की वैल्यू बनाए रखने के लिए आपको ऐसी जगह निवेश करने की जरूरत रहेगी। जहां आपको कम से कम सालाना 6प्रतिशत का रिटर्न मिले।

एसआईपी आपको बनाएगी करोड़पति - यदि आप हर माह 5,000 रुपए का सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान करते हैं तो सालाना 13प्रतिशत औसत रिटर्न के हिसाब से 25 साल में करोड़पति बन जाएंगे। वहीं अगर आप हजार रुपए महीने की एसआईपी करते हैं तो 25 साल बाद आपको 22.71 रुपए मिलेंगे।

जरूरत पड़ने पर ही निकाले पैसा - निवेश तभी भुनाएं जब पैसे की जरूरत हो। बाजार में उतार-चढ़ाव या भविष्य में रिटर्न घटने की आशंका के चलते निवेश न भुनाएं। खास तौर पर इक्विटी निवेश हर तीन साल में अमूमन अच्छा रिटर्न देता है। यदि आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम में निवेश करते हैं तो इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 46,800 रुपए तक कटौती का लाभ भी उठा सकते हैं। एक वित्त वर्ष में आप 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स छूट मिलती है।

निगेटिव रिटर्न से रहें सावधान - जब आपको अपने निवेश पर महंगाई दर की तुलना में कम रिटर्न मिलता है तो इसे ही निगेटिव रिटर्न कहा जाता है। मान लीजिए आपने किसी बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट कराई है, जिस पर आपको 5प्रतिशत का सालाना रिटर्न मिल रहा है, लेकिन रिटेल महंगाई दर 6प्रतिशत के करीब है। यानी महंगाई दर की तुलना में आपको अपने निवेश पर 1प्रतिशत कम रिटर्न मिल रहा है। इससे आपके रुपए की वैल्यू कम हो जाएगी। निगेटिव रिटर्न से बचने के लिए ऐसी जगह निवेश करना होगा जहां से आपको सालाना 6प्रतिशत रिटर्न मिले।

न्यूज ब्रीफ

फिनफ्लुएंसर्स की सलाह पर न करें निवेश: वित्त मंत्री ने कहा- इन्हें रेगुलेट करने का फिलहाल कोई प्रपोजल नहीं, पॉन्जी ऐप्स पर सरकार की कड़ी नजर

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर्स की बातों में आकर निवेश करने वाले लोगों को एक बड़ी सलाह दी है। हाल ही में निर्मला सीतारमण ने कहा है कि फाइनेंस पर अपनी राय देने वाले इन्फ्लुएंसर्स यानी फिनफ्लुएंसर्स की सलाह मानने से पहले सावधानी बरतने की जरूरत है। यह बात उन्होंने बंगलुरू में थिंकर्स फोरम के प्रोग्राम के दौरान कही है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि 10 में से 3-4 लोग सही सलाह देने वाले हैं, तो 6-7 ऐसे भी हैं, जो किसी और से प्रभावित होकर या किसी और की बातों में आकर निवेश को लेकर सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी की भी सलाह का काउंटर-चेक बेहद जरूरी है। इसके बाद ही निवेश को लेकर कोई फैसला लिया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर ज्ञान देने वाले फिनफ्लुएंसर्स की बातों में न आने की सलाह देते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अपनी मेहनत की कमाई सुरक्षित रखने के लिए कोई भी कदम उठाने से पहले कई सवाल पूछने चाहिए। कुछ दिनों से इन फिनफ्लुएंसर्स के रेगुलेशन को लेकर चर्चा की जा रही थी। उस पर वित्त मंत्री ने फिलहाल विराम लगा दिया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि फिनफ्लुएंसर्स को रेगुलेट करने का फिलहाल सरकार का कोई प्रपोजल नहीं है। उनका बयान ऐसे समय में आया है जब सेबी फिनफ्लुएंसर्स को रेगुलेट करना चाहता है। 25 जनवरी को जारी सेबी की एक स्टडी से पता चला है कि फाइनेंशियल ईयर 2018-19 और 2021-22 के बीच भारत के फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस मार्केट्स में रिटेल निवेशकों में लगभग 500प्रतिशत की ग्रोथ हुई है।

जमीन सौदा मामले में आईएएस अधिकारी से पूछताछ, ईडी ने एक अफसर समेत सात लोगों को किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी छवि रंजन कथित अवैध जमीन सौदा मामले में पूछताछ के लिए रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी इस कथित अवैध जमीन सौदा मामले में जांच कर रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2011 बैच के झारखंड काडर के अधिकारी रंजन सुबह करीब साढ़े 10 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। इस संबंध में जब उनके परिसरों और झारखंड, बिहार तथा पश्चिम बंगाल में कुछ अन्य के परिसरों पर छापा मारा जा रहा था तब एजेंसी ने 13 अप्रैल को अधिकारी से थोड़ी बहुत पूछताछ भी की थी। छापेमारी के बाद एजेंसी ने झारखंड सरकार के एक अधिकारी सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया था। ईडी के सूत्रों ने बताया था कि कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार के एक सहायक पंजीयक को भी दो मई को बयान देने के लिए कहा गया है।

रतन टाटा को मिला ऑस्ट्रेलिया का हाईएस्ट सिविल ऑनर: ऑर्डर ऑफ अवॉर्ड से सम्मानित, ऑस्ट्रेलियन एंबेसडर ने कहा- वो बिजनेस के दिग्गज

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के मानद चेयरमैन रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट सिविल ऑनर ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस बात की जानकारी ऑस्ट्रेलिया के एंबेसडर (राजदूत) बैरी ओ फैरेल ने ट्वीट कर दी है। बैरी ओ फैरेल ने ट्विटर पर रतन टाटा के साथ की कुछ फोटोज शेयर की हैं। इसमें से एक फोटो में वे रतन टाटा को अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए नजर आ रहे हैं। इन फोटोज के कैप्शन में उन्होंने लिखा, रतन टाटा न केवल भारत में बिजनेस, इंडस्ट्री और (परोपकार) के टाइटन (दिग्गज) हैं, बल्कि उनके योगदान ने ऑस्ट्रेलिया में भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। बैरी ओ फैरेल ने आगे लिखा, रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया-भारत रिलेशनशिप के प्रति उनके लॉन्ग स्टैंडिंग कमिटमेंट के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

अमेरिकी निवेशकों के संकट में पड़ने का बुरा असर एशिया की स्टार्ट अप कंपनियों पर

टोक्यो।

अमेरिका में बैंकिंग संकट बढ़ने के साथ दक्षिण-पूर्व एशियाई कंपनियों के लिए फंड का स्रोत सूख गया है। अमेरिका की वेंचर कैपिटल कंपनियों में एक नया ट्रेंड भी यह देखने को मिला है कि उनकी पश्चिम एशिया में निवेश करने में ज्यादा दिलचस्पी बन गई है। इस कारण भी अब स्टार्टअप कंपनियों को अपने ही दूसरे स्थानों पर फंड की तलाश करनी पड़ रही है। इस घटनाक्रम से खासकर भारत के स्टार्टअप्स को दिक्कत पेश आ रही है।

वित्त बाजार के विश्लेषकों के मुताबिक भारत जैसे देशों के स्टार्टअप्स के लिए दिक्कत की शुरुआत 2022 की दूसरी छमाही में हुई। जबकि इसके पहले दो साल तक इन कंपनियों को बड़ी आसानी से अमेरिकी फंड मिल रहा था। बातचीत में कहा- 'अमेरिकी निवेशकों ने अब मानदंड बहुत ऊंचे कर दिए हैं। इसका एक कारण उनके अपने हाथ तंग हो जाना है। अमेरिका से अब पैसा उठाना हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में दाखिला पाने जितना कठिन हो गया है।

हाल में भारतीय उद्यमियों को इन दिनों बार अबू धाबी और दुबई के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वे इस उम्मीद में वहां जाते हैं कि पश्चिमी एशिया के निवशकों को तेल से ध्यान हटा कर टेक्नोलॉजी में निवेश के लिए राजी किया जा सकेगा। पिछले वर्ष नवंबर में अबू धाबी के अल-मारयाह द्वीप पर आयोजित वित्त सप्ताह में भाग लेने के लिए 50 से ज्यादा भारतीय स्टार्टअप कंपनियों के अधिकारी गए थे। अबू धाबी स्थित एक निवेशक के मुताबिक, 'भारत में निवेश के लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन उनमें अभी और बढ़ोतरी की जरूरत है।

भारतीय उद्यमियों के लिए उम्मीद का एक स्रोत दक्षिण-पूर्व एशिया है। वहां उनकी नजर उन निवेशकों पर है, जो चीन से अपना पैसा निकालना चाहते हैं। इन निवेशकों को यह बताने की कोशिश की गई है कि भारत में आज निवेश और उससे मुनाफे की उतनी ही संभावनाएं हैं, जितनी एक समय चीन से थी। अब चीन में नीतियां बहुत सख्त हो गई हैं, ऐसे में भारत निवेश के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प है।

आंकड़ों के मुताबिक भारत के स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग में पिछले साल एक तिहाई की गिरावट आई। 2021 में जहां इन कंपनियों के लिए 30.5 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध हुई थी, जो पिछले साल 20.7 बिलियन डॉलर रह गई। भारत में 2020 में 526 स्टार्टअप कंपनियां थीं। यह संख्या 2021 में 665 तक पहुंच गई। सीबी इनसाइट्स के मुताबिक में 85 से ज्यादा ऐसी स्टार्टअप कंपनियां हैं, जिनमें एक से छह करोड़ डॉलर तक का निवेश है। दुनिया के पैमाने पर देखा जाए, तो इतनी रकम को छोटे निवेश की श्रेणी में रखा जाता है।

जानकारों के मुताबिक पिछले साल का ट्रेंड यह है कि एशियाई स्टार्टअप उद्यमों के लिए शेयर बाजार से पैसा जुटाना भी मुश्किल हो रहा है। पिछले साल कम से कम दस भारतीय कंपनियों को आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) लाने का इरादा छोड़ना पड़ा।

ओपेक देशों से तेल आयात 22 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर, रूस-यूक्रेन संकट का असर

नई दिल्ली। रूस से तेल की खरीदारी बढ़ने से ओपीईसी देशों से भारत का कच्चे तेल का आयात 22 वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार इस साल ओपीईसी देशों से तेल आयात में और कमी आ सकती है। पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यातक संगठन ओपीईसी में मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट और अफ्रीकी देश शामिल हैं। मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष में ओपीईसी देशों से भारत का तेल आयात 59प्रतिशत रहा, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में 72प्रतिशत था। आंकड़ों से पता चलता है कि रूस पहली बार इराक को पीछे छोड़ते हुए भारत के लिए शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा, जिससे सऊदी अरब पिछले वित्त वर्ष में नंबर 3 पर आ गया। ओपेक का हिस्सा सिकुड़ा है क्योंकि भारत, जिसने अतीत में शायद ही कभी उच्च माल ढुलाई लागत के कारण रूसी तेल खरीदा था, अब रूसी समुद्री तेल के लिए रूस का शीर्ष ग्राहक है। बता दें कि फरवरी 2022 में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल की खरीदारी पर पाबंदी लगा दी थी। भारत ने वर्ष 2022-23 में रूस से 1.6 मिलियन बैरल तेल की हर दिन खरीदारी की, जो कि देश के कुल तेल आयात 4.65 मिलियन बीपीडी (बैरल प्रति दिन) का करीब 23 प्रतिशत है।

इसरो के सक्सेसफुल लॉन्च पर मस्क ने दी बधाई

ट्विटर पर लिखा- कांग्रेचुलेशन, इसरो ने सिंगापुर के दो सैटेलाइट ऑर्बिट में पहुंचाए थे

नई दिल्ली।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के सक्सेसफुल लॉन्च के लिए बधाई दी है। मस्क ने ट्विटर पर लिखा- कांग्रेचुलेशन! इसरो ने रॉकेट से सिंगापुर के दो सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च किए थे।

यह 57वीं फ्लाइट थी - आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से भेजे गए इस मिशन से पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया था। 228 टन की यह 57वीं फ्लाइट थी। इसरो को दुनियाभर में सैटेलाइट लॉन्चेज के लिए कॉस्ट इफेक्टिव और रिलायबल ऑप्शन माना जाता है। यह एक टेली कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। सिंगापुर सरकार ने इसे वहां के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के साथ मिलकर तैयार किया है। यह दिन-रात और सभी मौसमों में कवरेज देने में सक्षम है। यह 741 किलो वजनी है। यह आपदा प्रबंधन से जुड़ी सूचना देता है। इसे सिंगापुर के इन्फोकॉम रिसर्च इंस्टीट्यट और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के सैटेलाइट टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर की साझेदारी में बनाया गया है। इसका उद्देश्य ग्लोबल शिपिंग कम्युनिटी को फायदा पहुंचाना है। यह 16 किलो का है।

मिशन में एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल भी शामिल था - कस्टमर की दो सैटेलाइट्स के अलावा, मिशन में ऑरबिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल भी शामिल था। दरअसल, चार स्टेज वाला रॉकेट है। इसके तीन स्टेज तो समुद्र में गिर जाते हैं। आखिरी यानी चौथी स्टेज भी कहते

हैं, सैटेलाइट को अपनी कक्षा में पहुंचाने के बाद अंतरिक्ष का कचरा भर रह जाता है। इसरो ने टेस्ट परफॉर्म करने के लिए राकेट की इसी फोर्थ स्टेज को डेवलप किया है। रॉकेट की फोर्थ स्टेज में पेलोड को जोड़ा गया है जो सेपरेट नहीं होते। इस मिशन में इसरो, बेलाट्रिक्स, ध्रुवा स्पेस और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के सात नॉन-सेपरेबल पेलोड को रॉकेट की फोर्थ स्टेज से जोड़ा गया था। सोलर पैनलों से ऑपरेट होता है और इसमें नेविगेशन गाइडेंस और कंट्रोल सिस्टम भी लगा है। ये स्टेबलाइजेशन में मदद करता है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के स्टारशिप मिशन के फेल होने के कुछ दिनों बाद इसरो ने अपना मिशन लॉन्च किया था। स्टारशिप लिफ्ट ऑफ के 4 मिनट बाद गल्फ ऑफ मैक्सिको के 30 किलोमीटर ऊपर एक्सप्लोड हो गया था। इसे शाम करीब 7 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। ये स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट था। ये दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ताकतवर रॉकेट है।

एयर इंडिया के विमानों में मिलेगी चैटजीपीटी सर्विस, एयरलाइन ने किया 200 मिलियन डॉलर के निवेश का एलान

नई दिल्ली।

एयर इंडिया की ओर से कहा गया कि कंपनी एयरलाइन के आधुनिकीकरण के लिए चैटजीपीटी चैटबॉट का उपयोग करेगी। इसके लिए शुरुआत में 200 मिनियन डॉलर का निवेश किया जाएगा।

एयरलाइन की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि कंपनी पहले ही न्यू डिजिटल सिस्टम, डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाओं और डिजिटल वर्कफोर्स बनाने के लिए 200 मिलियन डॉलर का निवेश पहले ही कर चुकी है।

एयरइंडिया का कायाकल्प

टाटा ग्रुप की ओर से अधिग्रहण के बाद एयरइंडिया के कायाकल्प को लेकर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए विहान.एआई प्लान को लॉन्च कर दिया गया है। इसके तहत पांच साल में एयरइंडिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर की एयरलाइन बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए कंपनी लगातार नई-नई टेक्नोलॉजी पर कार्य कर रही है। विहान.एआई के अंतर्गत एयरलाइन का उद्देश्य बाजार में अपनी हिस्सेदारी को भी बढ़ाना है।

नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर जोर

एयरलाइन पिछले कुछ समय में ग्राहकों के अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नई-नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल पर जोर दे रही है। इसमें वेबसाइट और मोबाइल ऐप को आधुनिक बनाने, चैटजीपीटी चैटबॉट का इस्तेमाल, विमान के अंदर एंटरटेनमेंट के आधुनिकीकरण और रियल टाइम कस्टमर सपोर्ट रिक्वेस्ट ट्रेकिंग शामिल है। एयर इंडिया द्वारा टेक्नोलॉजी के साथ बड़ी संख्या में नए विमान भी खरीदने जा रहा है। फरवरी में एयरलाइन की ओर से 840 विमानों का ऑर्डर दिया गया था, जिसमें से 250 विमानों का ऑर्डर फ्रेंच कंपनी एयरबस और 220 विमानों का ऑर्डर अमेरिकी कंपनी बोइंग को दिया गया है। साथ ही 370 विमानों की अतिरिक्त खरीद का विकल्प भी दिया गया है।

दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने उत्तराधिकारी चुनने के लिए पांच बच्चों का लिया ऑडिशन

नई दिल्ली।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपने लग्जरी ब्रांड का साम्राज्य चलाने के लिए लंच के दौरान अपने पांच बच्चों का ऑडिशन लिया। कहा जा रहा है कि लुई वीटॉन (एलवीएमएच) के अध्यक्ष और सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति कथित तौर पर लुई वीटॉन के मुख्यालय में एक निजी भोजन कक्ष के अंदर दोपहर के भोजन के लिए अपने पांच बच्चों से मिले थे। दोपहर के भोजन के समय हुई यह मुलाकात 90 मिनट तक चली थी इस दौरानर फ्रांसीसी अरबपति ने अपने आईपैड बातचीत की चर्चा शुरू कर अपने बच्चों से लग्जरी व्यापार साम्राज्य को चलाने की रणनीति पर सलाह मांगी। इस दौरान 74 साल के अरबपति अपने पांच बच्चों में सभी

के पास गए और उनसे सलाह-मशविरा किया। जानकारों का मानना है कि अरनॉल्ट एलवीएमच के विभिन्न प्रबंधकों पर अपने बच्चों की राय चाहते थे। इसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि एलवीएमएच में यह बदलाव का समय है। लंच के दौरान अरनॉल्ट ने प्रभावी रूप से यह देखने के लिए अपने बच्चों का ऑडिशन लिया कि कौन उनके लग्जरी साम्राज्य हो अच्छे से संभाल सकता है ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसान अरनॉल्ट पिछले साल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को पछाड़कर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। बीते 19 अप्रैल को उनकी संपत्ति 208 अरब डॉलर थी। अरनॉल्ट ने एक इंजीनियर के रूप में की थी करियर की शुरुआत लुई विटॉन मोएट हेनेसी दुनिया में लग्जरी उत्पादों के मामले में एक बड़ा नाम है। यह ब्रांड एलवीएमएच के नाम से मशहूर है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट इसी कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हैं। 5 मार्च 1949 को फ्रांस के रूबैक्स स्थित एक कारोबारी परिवार में पैदा हुए अरनॉल्ट ने अपने करियर की शुरुआत एक इंजीनियर के रूप में की थी। उन्होने इकोले पॉलिटेक्निक से पढ़ाई करने के बाद फेरेट सविनेल कंस्ट्रक्शन कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम शुरू किया था। अपने काम के दम पर 1978 में तमाम प्रमोशन हासिल करते हुए वे इस कंपनी के अध्यक्ष के पद पर पहुंचे। वे 1984 तक इस कंपनी के लिए काम करते रहे।

अक्षय कुमार-वीरेंद्र सहवाग ने टीबीओपी में किया निवेश

ऑर्गेनिक फूड प्रोडक्ट्स बेचता है यह स्टार्ट-अप, किसानों की मदद भी करती है कंपनी

मुंबई।

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने ऑर्गेनिक फार्मिंग से जुड़े स्टार्ट-अप टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फॉर्म्स में निवेश किया है। टीबीओपी ने बताया कि उन्होंने अक्षय कुमार और वीरेंद्र सहवाग सहित अन्य इनवेस्टर्स के जरिए 14.5 करोड़ रुपए जुटाए हैं। टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फॉर्म्स के अन्य इनवेस्टर्स में तेजेश चितलंगी, दुर्गा देवी वाघ, क्रेस्ट वेंचर्स, जावेद तापिया और राजू चेकुरी शामिल हैं। हालांकि, इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि अक्षय कुमार और वीरेंद्र सहवाग ने कंपनी में कितने रुपए का इनवेस्टमेंट किया है। स्टार्ट-अप में निवेश करने को लेकर एक्टर अक्षय कुमार ने कहा, मैं सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य की दिशा में टीबीओपी की यात्रा में शामिल होकर खुश हूं। मैं ऑर्गेनिक फार्मिंग के जरिए रूरल कम्युनिटी को सशक्त बनाने की टीबीओपी की कमिटमेंट में विश्वास करता हूं। वहीं क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा, मैं टीबीओपी के सस्टेनेबल एग्रीकल्चर मिशन और रूरल डेवलपमेंट को सपोर्ट करने के लिए एक्साइटेड हूं। देश और

विदेश में किसानों के जीवन और लोगों के स्वास्थ्य पर टीबीओपी के जरिए लाए गए पॉजिटिव प्रभाव को देखकर खुशी हो रही है। टीबीओपी ने बताया कि इनवेस्टर्स की ओर से मिले फंड का यूज मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को बढ़ाने, फॉर्मर ट्रेनिंग सेंटर बनाने, घरेलू और इंटरनेशनल बिजनेस को बढ़ाने में किया जाएगा। साथ ही इस फंड का यूज किसानों की मदद करने और महिलाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए भी किया जाएगा। फंडिंग मिलने पर टीबीओपी के को-फाउंडर सत्यजीत हांगे ने कहा कि इस फंडिग राउंड की सफलता टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स में हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। हम इनवेस्टर्स के सपोर्ट से भारत में ऑर्गेनिक फार्मिंग इंडस्ट्री में रिवोल्यूशनरी चेंजेस करते रहेंगे।

लंबित मामलों पर साक्षात्कार देना जजों का काम नहीं, एससी ने इस केस में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से जज के मामले में चार दिनों में रिपोर्ट मांगी है। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है कि जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने घूस लेकर स्कूल जॉब देने के मामले में एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया है नहीं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय की ओर से एक समाचार चैनल को कथित तौर पर मामले के बारे में दिए गए कथित साक्षात्कार पर कड़ा संज्ञान लिया और कहा, एक न्यायाधीश को लंबित मामलों के बारे में साक्षात्कार देने का कोई अधिकार नहीं है। पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से कहा कि वह या उससे पहले न्यायाधीश का निर्देश लेने के बाद एक रिपोर्ट दाखिल करें। साथ ही कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए एक दिन बाद का समय तय किया। शीर्ष अदालत ने 17 अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 13 अप्रैल के उस आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को मामले में आरोपी बनर्जी और कुंतल घोष से पूछताछ करने और उसके आधार पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था।इससे पहले कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय की एकल पीठ ने पश्चिम बंगाल पुलिस को कथित घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के सार्वजनिक भाषण का संज्ञान लिया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि मामले में आरोपी कुंतल घोष पर केंद्रीय जांच एजेंसियां उनका नाम लेने के लिए दबाव डाल रही हैं।

सामंथा की फिल्म शाकुंतलम हो गई असफल

- दिल की बात कहने लिया भगवद गीता का सहारा

मुंबई (ईएमएस)। साउथ की सुपर स्टार सामंथा रुथ प्रभु की हालिया प्रदर्शित हुई फिल्म शाकुंतलम असफल हो गई है। इस फिल्म की असफलता के लिए अपने दिल की बात को कहने के लिए सामंथा रुथ प्रभु ने भगवत गीता के श्लोक का सहारा लिया है। सामंथा रुथ प्रभु ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने भगवत गीता की कुछ लाइन लिखी हैं, जिनके जरिए सामंथा ने अपने दिल की बात कहने की कोशिश की है। साथ ही उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वो कार में बैठी बाहर की ओर देखते हुए नजर आ रही है। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, कर्मण्ये वाधिका रस्ते मा फलेषु कदाचन मा कर्म फला हे तूर भू: मा ते संगोत्सव कर्माणि। अर्थात –आपका अधिकार केवल कर्म करने पर होता है, उसके फल पर आप हक नहीं जता सकते। कर्म के फल को अपना उद्देश्य मत बनने दो, उन चीजों पर ध्यान दो जो तुम्हारे कंट्रोल में है, जिन्हें तुम अच्छा कर सकते हो। तेलुगू सिनेमा के बड़े सितारों में शामिल अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की हालिया प्रदर्शित फिल्म शाकुंतलम बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हो गई है। शुक्रवार से सोमवार तक चार दिनों यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का कारोबार नहीं कर पाई है। 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने के लिए संघर्ष कर रही है। चार दिनों के अंत में, फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ रुपये भी नहीं छू पाई थी। यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है क्योंकि फिल्म लगभग 65 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनी है। इस दर पर, ऐसा लगता है कि शाकुंतलम एक आपदा की ओर बढ़ रहा है। शकुंतलम ने पहले दिन वर्ल्डवाइड महज 5 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया, जबकि दूसरे दिन फिल्म की हालत और बदतर हो गई। ओपनिंग वीकेंड पर शाकुंतलम गिरते-पड़ते हुए 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई। सामंथा की फिल्में हमेशा अच्छी शुरूआत करने के लिए जानी जाती है। यहां तक कि यशोदा ने भी ठीक-ठाक कमाई कर ली थी। बता दें कि शाकुंतलम का निर्देशन गुणशेखर ने किया है। फिल्म को तेलुगु के साथ-साथ तमिल और हिंदी में भी रिलीज किया गया है।

हम भावुक और उत्सुक दोनों है : राधिका मदान

-एक्ट्रेस ने कहा- हमारे बीच एकमात्र समानता

मुंबई (ईएमएस)। धारावाहिक शो सास बहू और फ्लेमिंगो में शांता की भूमिका निभाने को लेकर एक्ट्रेस राधिका मदान ने कहा, मेरा किरदार शांता और मैं हमारे द्रष्टिकोण बिल्कुल अलग हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे बीच एकमात्र समानता यह है कि हम भावुक और उत्सुक दोनों हैं। जब बात उनके शब्दों की आती है तो शांता कहीं अधिक शांत, आत्मविश्वासी, और गणनात्मक है, और एक अभिनेता होने के नाते, मैं बदलाव चाहती हूं, जो मुझे हर कदम पर खुद को चुनौती देने के लिए प्रेरित करें। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया द्वारा किया गया है और इसमें डिंपल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। सास बहू और फ्लेमिंगो 5 मई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।एक्ट्रेस राधिका मदान ने शो सास बहू और फ्लेमिंगो में शांता की भूमिका निभाने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे यह किरदार उनके लिए अलग था, फिर भी वास्तविक जीवन में उनके जैसा ही रहा। मैं सीख रही हूं, अपने किरदारों के नजरिए से चीजों को देखती हूं और प्रत्येक भूमिका और उनके सफर से नए सबक लेती हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे पास शांता जैसी स्पष्टता की कमी है, क्योंकि एक अभिनेता के रूप में हमें नए रास्ते तलाशने के लिए अधिक बदलाव की आवश्यकता होती है और मैं उससे अधिक ऊजार्वान हूं, लेकिन मुझे शांता की भूमिका निभाने में बहुत अच्छा लगा और अब जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो उसकी याद आती है।

मैं सलमान भाई का आभारी हूं : जगपति बाबू

-सलमान की फिल्म में खलनायक के रूप में दिखाई देंगे जगपति

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान में अपने रोल को लेकर जगपति बाबू ने कहा, ईमानदारी से, मैं सलमान भाई का आभारी हूं क्योंकि यह एक बहुत अच्छी भूमिका है। बहुत सारे लोग हैं जो इसे कर सकते थे लेकिन उन्होंने मुझ पर ध्यान दिया। यह इतनी सहज प्रक्रिया थी कि यह कुछ ही समय में खत्म हो गई। जगपति बाबू सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान के साथ व्यावसायिक हिंदी फिल्म में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जगपति बाबू इस फिल्म में खलनायक के रूप में दिखाई देंगे। वे इस भूमिका के लिए सलमान खान का आभार जताते हैं। जब उनसे पूछा गया कि सलमान खान का विरोधी होना कैसा लगता है तो उन्होंने जवाब दिया, सलमान भाई के खिलाफ कुछ भी ठीक है, लेकिन खलनायक होना बेहतर है क्योंकि वह नायक को और भी मजबूत बनाता है। मुझे किसी का भाई किसी की जान में खलनायक के रूप में बहुत महत्व मिला। किसी का भाई किसी की जान को एक क्रॉस-सांस्कृतिक एक्शन से भरपूर मनोरंजन के रूप में जाना जाता है, जो उत्तर और दक्षिण को एक साथ लाता है। जगपति बाबू मुस्कुराते हुए कहते हैं, यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था, लेकिन मुझे खुशी है कि आखिरकार यह हो रहा है। मैं उत्तर और दक्षिण में विश्वास नहीं करता, यह एक भारतीय उद्योग है। यह एक अच्छा अहसास है क्योंकि मुझे अपने सभी दोस्तों के साथ काम करने का मौका मिला।

अभिनेता जगपति बाबू ने अपने 5 दशक के लंबे करियर में विभिन्न शैलियों में किरदार निभाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसका पसंदीदा क्या है? वह जवाब देते हैं, मैंने हर तरह की भूमिकाएँ की हैं - परिवार, कॉमेडी, त्रासदी, हिंसा। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं 1993 में आई एक फिल्म - गयाम की तर्ज पर कुछ निभाना पसंद करूंगा। वह अंतापुरम से सराय वीराराजू की स्पिन ऑफ करने के लिए भी उत्सुक हैं। फिल्म को अंततः शक्ति के रूप में हिंदी में बनाया गया था। मैंने जो किरदार निभाया वह जंगली था और एक स्पिन ऑफ बहुत अच्छा होगा। मेरे पास उसके लिए एक स्क्रिप्ट थी, लेकिन फिर, हमने इसे नहीं करने का फैसला किया। किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश और जगपति बाबू शामिल हैं। यह 21 अप्रैल, 2023 को रिलीज होगी। एक्टर ने कहा कि मैं सिर्फ बड़े पर्दे तक ही सीमित नहीं हूं, मैं एक अभिनेता हूं और मैं यहां कोई भी किरदार करने के लिए हूं।

राम चरण ने यूट्यूब चैनल पर बनाया नया रिकॉर्ड

साउथ के सुपर स्टार राम चरण ने एक बार फिर वैनिटी फेयर के यूट्यूब चैनल पर नए वीडियो के साथ एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। यह चैनल पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला वीडियो बन गया है। ऑस्कर के समय राम चरण अपनी फिल्म आरआरआर के लिए तैयार होते हुए एक वीडियो जारी किया था और इस वीडियो ने 6.5 मिलियन से अधिक व्यूज हासिल किये है। यह वीडियो ग्लोबल स्टार राम चरण और उनकी खूबसूरत पत्नी उपासना को उनके जीवन के सबसे खास दिनों में से एक ऑस्कर में ले जाने वाले क्षणों कैप्चर किया गया था। जहां उनकी फिल्म ने प्रसिद्ध और वायरल गीत नाटू नाटू के लिए एक पुरस्कार जीता था। वीडियो के शुरूआत में राम अपनी पत्नी उपासना पर हेयर स्प्रे करते हुए नजर आ रहे थे, जो बाकी वीडियो के लिए टोन सेट करता है, जो उनके निजी जीवन की झलकियों से रूबरू करवाता है।

दसरा ने बॉक्स ऑफिस पर कमाए 125 करोड़

-दर्शक अब नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे फिल्म को

मुंबई (ईएमएस)। दक्षिण भारत में फिल्म दसरा ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार किया था, लेकिन हिन्दी भाषा में इस फिल्म को देखने के दर्शक काफी कम मात्रा में सिनेमाघरों में पहुँचे थे। इसका कारण अजय देवगन की फिल्म भोला रही थी, जो दसरा के साथ ही सिनेमाघरों में पहुँची थी। दोनों फिल्मों को अपने-अपने क्षेत्र समान रूप से सराहना और दर्शक मिले थे।नेचुरल स्टार के तौर पर ख्यात अभिनेता नानी की गत 30 मार्च को प्रदर्शित हुई फिल्म दसरा को अब दर्शक ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे। सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई इस पैन इंडिया फिल्म को दर्शकों ने काफी सराहा था। नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर खबर दी है कि तेलुगु स्टार नानी की पैन-इंडिया फिल्म दसरा 27 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, यह आतिशबाजी करने का समय है क्योंकि दशहरा इस साल की शुरूआत में आ रहा है! दशहरा नेटफ्लिक्स पर 27 अप्रैल को आ रहा है।

गौरतलब है कि इस फिल्म के लेखक निर्देशक श्रीकांत ओडेला ने इस फिल्म को अपने पिता के द्वारा कोयला खदान में 40 वर्ष के सफर को देखते हुए लिखा और इसे उसी अनुरूप में पेश किया जो उन्होंने अपने बचपन से देखा था। इस फिल्म का कथानक सिंगरेनी कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरी की जिन्दगी पर आधारित है। नेटफ्लिक्स को उम्मीद है इस फिल्म को सर्वाधिक मात्रा में देखने वाले दर्शकों की संख्या मिलेगी। दसरा में नानी के अतिरिक्त कीर्ति सुरेश, दीक्षित शेट्टी, शाइन टॉम चाको, समुथिरकानी, साई कुमार और पूर्णा भी हैं। बता दें कि पीरियड एक्शन ड्रामा 30 मार्च को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किया गया था। दसरा ने वैश्विक स्तर पर बॉक्स ऑफिस पर 125 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है।

जल्द रिलीज होगी गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम -3

भारत में हॉलीवुड फिल्म गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी 5 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म मेकर जेम्स गुन की आखरी फिल्म है। बता दे कि मार्वल स्टूडियोज का गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 भारत में 5 मई को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। फिल्म में क्रिस प्रैट, जो सलदाना, डेव बॉतिस्ता, करेन गिलान, पोम क्लेमेंटिएफ, विन डीजल को ग्रोट और ब्रैडली कूपर को रॉकेट, सीन गुन, चुक्वुडी इवुजी, विल पॉल्टर और मारिया बाकालोवा के रूप में दिखाया गया है। इस फिल्म का निर्देशन जेम्स गुन ने किया है साथ ही उन्होंने इस फिल्म की पटकथा भी लिखी है। केविन फीगे लुई डी एस्पोसिटो, विक्टोरिया अलोंसो, निकोलस कोर्डा, सारा स्मिथ और साइमन हाट भी फिल्म का हिस्सा हैं।

थिएटर में "बिल्ली बिल्ली" गाने पर राखी सावंत ने किया डांस, वीडियो वायरल

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। अक्सर राखी का कोई न कोई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है। इसी बीच अब राखी सावंत का एक डांस वीडियो चर्चा में है। राखी ईद के मौके पर रिलीज हुई बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की फिल्म "किसी का भाई किसी की जान" देखने थिएटर गई थीं। इस दौरान राखी ने फिल्म के गाने "बिल्ली बिल्ली" पर जबरदस्त डांस किया। सलमान खान की फिल्म "किसी का भाई किसी की जान" ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। लोग फिल्म देखने सिनेमाघरों जा रहे हैं। राखी भी फिल्म देखने एक थिएटर पहुंचीं। इस दौरान राखी सावंत ने फिल्म के गाने "बिल्ली बिल्ली" पर डांस किया। राखी के साथ फिल्म देखने पहुंचे कई दर्शकों ने भी खूब डांस किया। इसी बीच सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में राखी सावंत बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। ईद के मौके पर राखी सावंत बिल्कुल ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने गोल्ड कलर का अनारकली सलवार सूट पहना हुआ था। इसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा लिया था। सलमान खान की फिल्म "किसी का भाई किसी की जान" ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में उनके अलावा दग्गुबाती वेंकटेश, पूजा हेगड़े, पलक तिवारी, शहनाज गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में शिव ठाकरे बने सबसे महंगे कंटेस्टेंट

मुंबई, (हि.स.)। 'बिग बॉस 16' खत्म होते ही शिव के पास नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऑफर्स की कतार लग गई है। रोहित शेट्टी ने उन्हें 'खतरों के खिलाड़ी' शो ऑफर किया और जल्द ही वह 'खतरों के खिलाड़ी' के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगे। अब यह सामने आ गया है कि इस शो के लिए उन्हें कितनी राशि मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शिव ठाकरे 'खतरों के खिलाड़ी' के आगामी सीजन के लिए कमर कसते नजर आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, उन्हें आग से नहीं बल्कि पानी से डर लगता है क्योंकि उन्हें तैरना नहीं आता। इसलिए फिलहाल वह स्विमिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं। लेकिन उन्हें इस शो में हिस्सा लेने के लिए मोटी रकम ऑफर की गई है। कहा जा रहा है कि शिव ठाकरे 'खतरों के खिलाड़ी' के आने वाले सीजन के सबसे महंगे कंटेस्टेंट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शो के एक एपिसोड के लिए उन्हें पांच से छह लाख रुपये मिलेंगे। यानी वह हर हफ्ते 10 से 12 लाख रुपये कमा लेंगे। ऐसे में अब शिव ठाकरे के प्रशंसक उन्हें इन 'खतरों के खिलाड़ी' शो में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यह शो कब से शुरू होगा और कौन-कौन इस शो में प्रतियोगी के रूप में नजर आएंगे।

दिशा वाराणसी में कर रही फिल्म की शूटिंग

बालीवुड एक्ट्रेस दिशा पटानी वाराणसी में अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहीं हैं। वाराणसी में उन्होंने वहां गंगा आरती का लुत्फ उठाया, जिसका वीडियो ट्विटर पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में यूजर्स को दिशा का पहनावा बिल्कुल पसंद नहीं आया है और एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। दरअसल, वीडियो में दिशा पटानी क्रॉप टॉप के साथ शॉल ओढ़े गंगा आरती करती नजर आईं। वेस्टर्न लुक के साथ गंगा आरती करती एक्ट्रेस का ये अंदाज लोगों को जरा भी रास नहीं आया और उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- पू बनी पार्वती। दूसरे ने लिखा, क्या उनके पीआर की तरफ से डैमेज कंट्रोल किया जा रहा है। अन्य ने कभी खुशी कभी गम फिल्म में शाहरुख खान के डायलॉग को कोट किया, हमारी पू कपड़ों में कितनी अच्छी लगती है ना। ऐसे ही कई अन्य यूजर्स ने भी कमेंट कर दिशा पटानी पर तंज कसे।

बड़े पर्दे पर दिखेगा "सिंघम अगेन" का जादू, रिलीज डेट आयी सामने

बॉलीवुड के मशहूर निमार्ता-निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म "सिंघम अगेन" 2024 में रिलीज होगी। अजय देवगन की "सिंघम अगेन" का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अजय देवगन और डायरेक्टर रोहित शेट्टी की इस फिल्म के लिए फैंस को अभी कुछ और वक्त का इंतजार करना होगा। फिल्म क्रिटिक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर "सिंघम 3" की रिलीज डेट की जानकारी दी है। उनके द्वारा शेयर की गई जानकारी के मुताबिक, "सिंघम अगेन" 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी। तरण आदर्श ने अपने पोस्ट में लिखा, "एक्सक्लूसिवः अजय देवगन-रोहित शेट्टी स्वतंत्रता दिवस 2024 पर "सिंघम अगेन" लेकर आएंगे। यह रोहित शेट्टी की बेहद सफल सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने के लिए तैयार है। साथ ही इस फिल्म की शूटिंग इसी साल यानी अगस्त 2023 में शुरू होगी। "सिंघम अगेन" "सिंघम" सीरीज की तीसरी और रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है। रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की आखिरी रिलीज 2021 की ब्लॉकबस्टर "सूर्यवंशी" थी। इस कॉप फ्रेंचाइजी की शुरूआत "सिंघम" से हुई थी जो 2011 में रिलीज हुई थी। उसके बाद "सिंघम रिटर्न्स", "सिंबा" और "सूर्यवंशी" जैसी फिल्में दर्शकों के सामने आईं। रोहित जल्द ही ओटीटी पर एक एक्शन सीरीज भी लॉन्च करेंगे, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सूडोकु नवताल- 6411

मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6410 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

शब्दजाल - 7158

ची	अ	मे	रि	क्रि	पा	तू	हॉ	की	प	बा	
न	र	ग्बी	प	के	डो	ने	श्रि	या	ड़	स्के	
अ	दा	जा	ला	ट	ग	स	द	ह	प	ट	
वा	ग	टे	पा	ब	दू	फु	प	बे	लि	बॉ	
ली	ना	अ	ब	न	जा	ल	ट	स	प	ल	
बॉ	इ	इ	मो	ल	प	वा	त	बॉ	यु	बां	
ल	जी	ल	ह	व	टे	रि	स	ल	ल	ग	
र	रि	भा	र	त	प	नि	रा	ल	वि	ला	
क	या	बा	तें	व	टे	ज	स	शा	जू	दे	
र	ग	ल	प	न	सिं	ब्रा	स्र	अ	प	श	
बां	स	ल	लॉ	रु	स	जू	डो	प	क	र	

शब्द जाल में उन 10 खेलों के नाम ढूंढिए, जो विश्व भर में खेले जाते हैं. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हॉकी, बेसबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, रग्बी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केट बॉल, जूडो

शब्दजाल - 7157 का हल

फ	क	म	हें	द्र	ग	अं	बा	ला	ल	व	
द	री	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	क	ड़	
पा	नी	प	त	दी	छ	हि	अ	र्म	र	क	
इं	स	ल	क	दि	वा	स	सा	ल	ना	क	
डि	आ	त	ग	फ	ज	ना	तू	र	ल	क	
य	ह	द	गु	दि	री	उ	ती	ण	घ	क	
रो	व	ल	ड़	या	प	दा	जू	भि	व	रा	
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	बा	ए	वा	क	
क	ड	ल	व	र्द	गी	स	री	द	प	नी	
क	गॉ	ल	प	म	हें	द्र	ग	ढ़	प	द	
य	मु	ना	न	ग	र	स	व्य	ब	प	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6111

	6	1		7	2	
	29	5	30		31	6
4			6	3	1	
	36		31		26	
7		4		5		2
6	38	3	31	6	32	4
	2			1		5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6110 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	35	5	30	2	25	1
7	5	2	6	3	1	4
1	33	6	31	4	29	2
2	6	4	1	5	3	7
4	33	3	31	6	37	6
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर में पीएम मोदी बोले– 400 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट पूर्वोत्तर के विकास को दे रहे नई दिशा

नई दिल्ली।
पूर्वोत्तर के राज्य मणपिुर में देशभर के खेल मंत्रियों का चिंतन शिविर आयोजति कयिा गया है. इस नेशनल कॉफ्रेंस का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडयिो कॉन्फ्रेंसगि के जरयि अपने संबोधन के साथ कयिा. चिंतन शिविर में देश के अलग-अलग राज्यों के स्पोर्ट्स मिनिस्टर्स ने शिरकत की है पीएम मोदी ने शिवरि को संबोधति करते हुए बेहद खुशी जताते हुए कहा कि इस साल देश के स्पोर्ट्स मनिस्टिर्स की कॉन्फ्रेंस, ये चिंतन शिविर मणिपुर की धरती पर हो रहा है।

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर राज्य की सराहना करते हुए यह भी कहा कि यहां से निकलकर कितने ही खिलाड़ियों ने तिरंगे की शान बढ़ाई है, देश के लिए मेडल्स जीते हैं. देश की खेल परंपरा को आगे बढ़ाने में पूर्वोत्तर और मणिपुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. यहां के सगोल कांगजई, थांग-ता, युबी लाक्पी, मुक्ना और हियांग तान्नबा जैसे स्वदेशी खेल, अपने आप में बहुत आकर्षक हैं. जैसे जब हम मणिपुर के ऊ-लावबी को देखते हैं तो हमें उसमें कबड्डी की झलक दिखती है। यहां का हियांग तान्नबा केरल की बोट रेस की याद दिलाता है. और पोलो से भी मणिपुर का ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है. यानी, जिस तरह पूर्वोत्तर, देश की सांस्कृतिक विविधता में नए रंग भरता है. उसी तरह देश की खेल विविधता को भी नए आयाम देता है।

पीएम मोदी ने उम्मीद जताई है कि देश भर से आए खेल मंत्री मणिपुर से बहुत कुछ सीखकर जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि मणिपुर के लोगों का स्नेह, उनका आतिथ्य भाव, आपके प्रवास को और आनंदमयी बना देगा. उन्होंने कहा कि कोई भी चिंतन शिविर, चिंतन से शुरू होता है, मनन के साथ आगे बढ़ता है और क्रियान्वयन पर पूरा होता है. इसलिए, इस चिंतन शिविर में आपको भविष्य के लक्ष्यों पर विमर्श तो करना ही है, साथ ही पहले की कॉन्फ्रेंस की भी समीक्षा करनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद दलिाया कइिसके पहले जब हम 2022 में केवड़िया में मिले थे, तब कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई थी. भविष्य को ध्यान में रखकर रोड मैप बनाने और खेलों की बेहतरी के लिए इकोसिस्टम तैयार करने पर सहमति जताई थी. स्पोर्ट्स सेक्टर में केंद्र सरकार और राज्यों के बीच भागीदारी बढ़ाने की बात कही थी. अब इंफाल में सभी ये जरूर देखें कि उस दिशा में हम कितना आगे बढ़े हैं. और यही कहूंगा कि ये समीक्षा पॉलिसी और प्रोग्राम्स के लेवल पर ही नहीं होनी चाहिए. बल्कि ये समीक्षा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर भी होनी चाहिए, और बीते एक वर्ष की खेल उपलब्धियों पर भी होनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

विश्व कप में रिकर्व तीरंदाजी टीम को रजत, चीन से खिताबी मुकाबले में मिली हार, धीरज को कांस्य

नई दिल्ली । भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम को यहां विश्व कप स्टेज-1 के फाइनल में चीन के खिलाफ शूटऑफ में नजदीकी अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले 13 साल में पहला विश्व कप स्वर्ण जीतने की दावेदारी में उतरी भारतीय टीम में तरुणदीप राय, अतानु दास और धीरज बोमादेवरा ने 0-4 से पिछड़ने के बाद स्कोर को बराबर किया और मुकाबले को शूटऑफ में ले आए। उसके बाद भारतीय तिकड़ी को 4-5 (54-55, 50-56, 59-58, 56-55, 28-28) से हार का सामना करना पड़ा। चीनी टीम में ली झोंगगुवान, जियांगशुओ और वेई शाओक्सू ने नाटकीय ढंग से जीत हासिल की। उसके बाद रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में सेना के तीरंदाज धीरज ने कजाखस्तान के इलफात अब्दुलिन को 7-3 से हराकर कांस्य पदक के रूप में दूसरा पदक दिलाया। धीरज के खिलाफ इससे पहले कम से कम रजत पदक जीतने का भी मौका था जब उन्होंने सेमीफाइनल में मोल्डोवा के डेन ओलारू के खिलाफ एक सतय 4-0 की बढ़त बना ली थी लेकिन बाद में उन्हें 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने अपना अभियान दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।

तैराकी में चिराग आहूजा ने जीते पांच स्वर्ण पदक जीते

भोपाल। भोपाल तैराकी संघ द्वारा तीसरी ज़िला नॉन मेडलिस् टूर्नामेंट का आयोजन सेज इंटरनेशनल स्कूल दानिश कुंज स्तिथ तरण पुष्कर में किया गया। भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने बताया कि यह तैराकी प्रतियोगिता चार आयु वर्ग में खेली गई और इसमें भोपाल तैराकी संघ से रजिस्टर्ड तैराकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उदघाटन सेज ग्रुप के चेयरमैन संजीव अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर करण खुराना ने किया। प्रतियोगिता में 85 तैराकों ने भाग लिया। चिराग आहूजा 5 स्वर्ण, स्पर्श सिंह 4 स्वर्ण, मोली आहूजा 4 स्वर्ण, प्रीत श्रीवास 3 स्वर्ण, अक्षत सिंह चौहान 2 स्वर्ण 2 रजत, तेजस बाथम 3 स्वर्ण 2 रजत , बादल राज 2 स्वर्ण 1 रजत ,ओजस गोस्वामी 1 स्वर्ण 3 रजत , रणवीर सिंह 1 स्वर्ण 2 रजत , सार्थक सिंह चौहान 1 स्वर्ण 1 रजत , अर्णव सिंह कुशवाह 1 स्वर्ण 1 रजत , अनन्या गगलानी 1 स्वर्ण 1 रजत , शिव सोनी , काव्यांश चौरसिया , इशिका पाटनकर, कार्तिक सिंह राजावत , राजवीर गौर ,एकता चौहान , विराट प्रताप , मन्नत दाहिया सभी 1 स्वर्ण । इस तैराकी प्रतियोगिता का समापन हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया । इस अवसर पर मुख्य रूप से सेज के ग्रुप डायरेक्टर पुष्पेन्द्र राजपूत , मध्यप्रदेश तैराकी संघ के कार्यकारिणी सदस्य सी. जे जॉयसन उपस्थित थे ।

जिम में अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने पंजाबी बीट पर किया डांस, वीडियो वायरल

मुंबई। पावर कपल अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ये कपल पंजाबी सिंगर शुभ के गाने एलिवेटेड पर डांस करते नजर आ रहे हैं। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर जिम में अपने पति विराट संग डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में विराट ब्लैक टी-शर्ट के साथ ग्रे पैंट और बेसबॉल कैप में नजर आ रहे हैं। वहीं, अनुष्का रिप्ड जींस के साथ प्रिंटेड शर्ट में नजर आ रही हैं। वीडियो में आखिर में एक्ट्रेस विराट से टकरा जाती है, जिसके चलते क्रिकेटर के मुंह से आह निकलता है। रब ने बना दी जोड़ी की एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- डांस पे चांस। बता दें कि डांस पे चांस उनकी पहली फिल्म रब ने बना दी जोड़ी का गाना है। इसमें उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुष्का जल्द ही फिल्म चकदा एक्सप्रेस में भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी की भूमिका निभाती दिखेंगी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

पहलवानों के समर्थन में राजनीतिक दल

पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, आप नेत्री चित्रा और दीपेंद्र हुड्डा ने धरना बताया दुर्भाग्यपूर्ण

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर केस दर्ज करने और उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर अंतर्राष्ट्रीय पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर पर दो दिन से धरने पर बैठे हैं। इस धरने पर एक ओर जहां सत्ताधारी पार्टी बीजेपी ने मौन धारण किया हुआ है।

वहीं दूसरी ओर इसमें विपक्ष की अन्य पार्टियां लगातार सक्रिय हो रही है। भाजपा के ही पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक ने पार्टी पर तंज कसा। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और आम आदमी पार्टी की हरियाणा की नेत्री चित्रा सरवारा ने धरने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सभी ने खिलाड़ियों को न्याय देने की मांग की है।

पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक ने कसा भाजपा का तंज

पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक ने पूछा कि सरकार किस मुंह से बेटी बचाओ का नारा देती है। देश की बेटियां तो पिछले 3 महीने से न्याय के लिए भटक रही हैं। देश के भविष्य से खिलवाड़ सिर्फ इसलिए किया जा रहा है क्योंकि जिस पर आरोप लग रहे हैं वह भाजपा सांसद हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का समर्थन

जिन खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है, उन्हें न्याय के लिये धरना देना पड़े तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। पहलवानों के साथ ज्यादती, हरियाणा की महिला कोच के साथ छेड़छाड़ समेत हर मामले में पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

आप नेत्री चित्रा ने की न्याय देने की मांग

आम आदमी पार्टी, उत्तरी हरियाणा संयोजक चित्रा सरवारा ने खिलाड़ियों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता रेसलर एक बार फिर जंतर मंतर पर धरना देने के लिए मजबूर हुए हैं। सरकार के सामने एक बार फिर इंसाफ की गुहार लेकर आज वह सड़कों पर बैठे हैं। जैसा कि पूरे देश ने देखा कि वे सड़कों पर सोए भी हैं। आज एक बहुत बड़ा सवाल हमारे आगे आता है, हमारे देश की बेटियों की, हमारे खिलाड़ियों की असम्मत की क्या कीमत है।

आज इंसाफ पाने के लिए जहां गरीब धक्के खा रहा है। क्या अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने के बाद भी खिलाड़ियों को, बेटियों को, रेसलर को, प्लेयर को आज क्या जान देनी पड़ेगी जैसा कि वह कह भी रहे हैं। देश-प्रदेश की सरकार से यही गुहार है कि कृपया उन्हें न्याय दिलवाया जाए।

दीपेंद्र हुड्डा बोलें- आरोपी पर एफआईआर हो

ये वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलिंपिक व हर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगे के मान को बढ़ाया। 3 महीने पहले कुश्ती संघ अध्यक्ष पर आरोप लगने के बाद से न्याय मांग रहे खिलाड़ियों की इज्जत को दलगत राजनीति की दृष्टि से कैसे देखा जा सकता है आरोपी पर एफआईआर दर्ज हो, सीबीआई जांच हो।

कांग्रेस नेत्री अलका लांबा बोलीं, एफआईआर तो होगी

कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री अलका लांबा ने भी ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि एफआईआर तो होगी ही। माननीय सुप्रीम कोर्ट पर हम देश वासियों को भरोसा है। भाजपा /ताना-शाह / प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। जी चाह कर भी अपने चहेते सांसद बृजभूषण सिंह को बचा नहीं पाएंगे।

ब्रेंडन मैकुलम शैली की बल्लेबाजी के करीब हैं अजिंक्य रहाणे : इयोन मॉर्गन

नई दिल्ली।
चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रनों से हरा दिया। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स स्टेडियम में जीत हासिल कर चेन्नई की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने तीन खिलाड़ियों को अर्धशतक लगाया। शिवम दूबे ने 21 गेंद में 50 रन, डेवोन कॉन्वे ने 40 गेदों में 56 रन और अजिंक्य रहाणे ने 29 गेंद में 71 रन बनाए। टीम 235 रन बनाई, आईपीएल ईडन गार्डन्स में अब तक का सर्वाधिक है। केकेआर के लिए जेसन रॉय ने 26 गेंद में सर्वाधिक 61 रन बनाए। रिंकू सिंह ने अंत तक बल्लेबाजी की और अर्धशतक बनाया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था, क्योंकि केकेआर की टीम केवल 186 रन ही बना सकी।

पूर्व सीएसके चैंपियन और जिओ सिनेमा आईपीएल विशेषज्ञ रॉबिन उथप्पा ने ने कहा कि, अजिंक्य रहाणे ने एक नया स्तर पाया है और वह अविश्वसनीय रूप से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। आज की पारी साबित होती है। उन्हें अपने करियर में दूसरी हवा मिल गई है और यह लंबे समय तक चलेगा। उथप्पा ने कहा, कुछ चीजें हैं जो इस चेन्नई फ्रेंचाइजी को दूसरों से अलग करती हैं। पहली भूमिका स्पष्टता है, संचार है, और उन्हें विश्वास दिया जाता है कि अगर उन्हें मौका मिलता है, तो उन्हें कम से कम चार से पांच मौके मिल सकते हैं। भले ही वे स्कोर न करें। खासकर, यदि आप एक सिद्ध वरिष्ठ पेशेवर हैं। एक खिलाड़ी को और क्या चाहिए एक अच्छा खिलाड़ी बस इतना ही चाहता है। यदि आप एक अच्छे खिलाड़ी को सुरक्षा देते हैं, तो वह शत प्रतिशत अच्छा प्रदर्शन करेगा। शानदार बल्लेबाजी के लिए रहाणे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। रहाणे के नए फॉर्म के कारण इयोन मोर्गन ने उनकी नई बल्लेबाजी शैली की तुलना आईपीएल के दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम से की, उन्होंने खुद को पूरी तरह से बदल दिया है। यह ब्रेंडन मैकुलम-शैली की बल्लेबाजी के करीब है। इस टूर्नामेंट में इतने सारे शॉट न केवल सुरुचिपूर्ण हैं बल्कि अविश्वसनीय है।

दिल्ली कैपिटल्स को अपनी रणनीति पर काम करने की जरूरत : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली।
आईपीएल 2023 में अपनी पहली जीत का स्वाद चखने के बाद, डेविड वार्नर अपने अगले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करेंगे। वार्नर - जो पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्स का हिस्सा रहे हैं - को उप्पल में समर्थन की कोई कमी नहीं होगी। उन्हें उम्मीद होगी कि उनकी टीम पिछले गेम से गति बनाए रखेगी और एडन मर्कराम के नेतृत्व वाली दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ काफी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

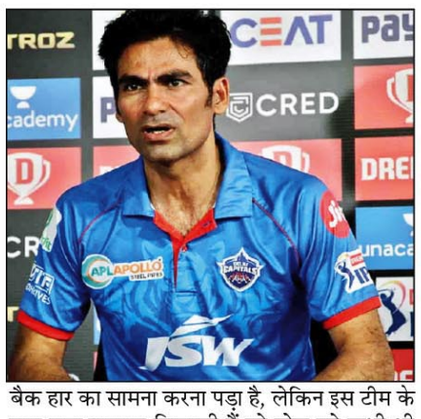

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए अपनी रणनीति पर फिर से काम करना होगा।

बात करते हुए कैफ ने कहा, दिल्ली को अपने टीम कॉम्बिनेशन पर ध्यान देना होगा। इस टीम को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा। टीम में काफी समस्याएं हैं और खिलाड़ियों का मनोबल गिरा हुआ है। अब दिल्ली कैपिटल्स को सब कुछ भूलकर लगातार जीत पर ध्यान देना होगा, जो असंभव काम नहीं है।

सनराइजर्स को अपने पिछले कुछ मैचों में बैक-टू-बैक हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन इस टीम के पास कुछ शानदार खिलाड़ी हैं जो खेल को कभी भी पलट सकते हैं। हैरी ब्रूक एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो विरोधी टीम के लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने शॉट्स की विस्तृत श्रृंखला के लिए ब्रूक की सराहना की।

पठान ने कहा, हैरी ब्रूक के पास शॉट्स की कोई कमी नहीं है, उन्होंने टाटा आईपीएल में अब तक काफी परिपक्वता दिखाई है। जितना अधिक वह टाटा आईपीएल में खेलेंगे, स्पिन के खिलाफ उनके खेल में भी सुधार होगा।

राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती, तीरंदाजी और कबड्डी को शामिल किया जाए, आईओए की मांग

नई दिल्ली।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सीजीएफ (राष्ट्रमंडल खेल महासंघ) की एशिया और ओसियाना क्षेत्रीय बैठक में तीरंदाजी, कुश्ती और कबड्डी को राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) की सूची में नियमित खेलों के रूप में शामिल करने के लिए मजबूती से अपनी बात रखी। कबड्डी कभी सीडब्ल्यूजी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं रहा है जबकि निशानेबाजी और तीरंदाजी दो ऐसे खेल है जिसे बर्मिंघम में पिछले खेलों में शामिल नहीं किया गया था। इन दोनों खेलों में भारतीय एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सीजीएफ अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन और उनकी टीम से सीजीएफ द्वारा प्रस्तावित की जा रही रणनीतिक योजना के संबंध में भारतीय खेलों के विकास पर चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल में आईओए के कार्यवाहक सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और संयुक्त सचिव कल्याण चौबे और कार्यकारी परिषद के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह भी शामिल थे।

क्यों दूसरा सचिन मिलना नामुमकिन है : क्यों तेंदुलकर जैसा न कोई पहले हुआ और न आगे होगा

नई दिल्ली।

क्रिकेट इतिहास में किसी एक खिलाड़ी के लिए यह कहना हो तो जो नाम सबसे ज्यादा लोगों के जेहन में आएगा वह है सचिन तेंदुलकर। क्रिकेटर्स बहुत हुए, स्टार क्रिकेटर्स भी हुए, लेकिन सचिन जैसा न पहले हुआ था और न बाद में हो सकता है।

शुरुआत सचिन के आंकड़ों से ही करते हैं

इंटरनेशनल क्रिकेट में 664 मैच, 782 इनिंग्स, 34357 रन और 100 शतक। ये क्रिकेट में बल्लेबाजी से जुड़े स्टैट्स के माउंट एवरेस्ट हैं। बहुत से खिलाड़ियों ने इस पर चढ़ाई करने की कोशिश की है, लेकिन कोई आधे रास्ते में हांफ गया तो किसी का जज्बा चोटी के करीब पहुंचकर जवाब दे गया।

क्रिकेट को करोड़ों-अरबों का खेल सचिन ने बनाया

ऐसा नहीं है कि सचिन पहले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने दुनियाभर के गेंदबाजों के छक्के छुड़ाए। उनसे पहले डॉन ब्रैडमैन, विव रिचर्ड्स जैसे धुरंधर आए थे। लेकिन, सचिन दुनिया के पहले ऐसे खिलाड़ी बने, जिनकी बदौलत क्रिकेट प्रोफेशनल दुनिया में करोड़ों-अरबों का खेल बन गया। सचिन मल्टी मिलियन डॉलर की ब्रांड डील पाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। सबसे पहले 1995 में वर्ल्ड टेल ने उनके साथ करार किया था। उसके बाद 2001 में 800 करोड़ के एग्रीमेंट के साथ 5 साल के लिए डील को आगे बढ़ाया। वे 100 करोड़ से ज्यादा की डील करने वाले पहले क्रिकेटर बन गए। इसके बाद ही बड़े-बड़े फाइनेंशियल प्लेयर्स को अहसास हुआ कि क्रिकेटर्स भी ब्रांड बन सकते हैं और उनसे जुड़कर अपने प्रोडक्ट को हिट कराया जा सकता है। सचिन ने जो रास्ता खोला उस पर चल कर धोनी, कोहली, शर्मा जैसे अरबपति खिलाड़ियों की फौज आई।

टीम गेम में बने वन मैन आर्मी, सचिन आउट तो टीवी बंद

एक समय सचिन भारतीय क्रिकेट फैंस की उम्मीद का दूसरा नाम थे। तब टीम गेम क्रिकेट वन मैन आर्मी बन गया था। 90एस के दौर में जैसे ही सचिन आउट हो जाते थे, तो खेल खत्म माना जाता था। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 21वीं सदी के शुरुआती कुछ सालों तक सचिन के आउट होने पर टीवी बंद हो जाया करते थे। कारण यह था कि जब तक सचिन क्रीज पर होते थे, टीम इंडिया की जीत की उम्मीद बनी होती थी।

सचिन को देखकर आए युवी, सहवाग, धोनी, विराट और रोहित

2000 के शुरुआती दशक में सचिन भारतीय युवाओं का रोल मॉडल बन गए। हर गली-मोहल्ले में उनका नाम होता। यहां तक कि बच्चों को पड़ने वाली पिता की डांट में भी सचिन होते थे। जब भी कोई पिता अपने बेट को क्रिकेट खेलने के लिए डांटता, तो कहता- खेलकर क्या सचिन तेंदुलकर बनेगा

सचिन की बैटिंग को देखकर लाखों-करोड़ों युवाओं ने क्रिकेटर बनने के सपने के साथ बल्ला उठाया। उनमें भारत को दो वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे कई नाम हैं, जो आगे जाकर भारतीय टीम का चेहरा बने। क्रिकेट खेलने की उनकी प्रेरणा सचिन ही थे।

खुद डॉन ब्रैडमैन ने कहा था- यह तो मेरी तरह बैटिंग करता है

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डॉन ब्रैडमैन को क्रिकेट इतिहास का सबसे महान बल्लेबाज कहा जाता है। उन्होंने 52 टेस्ट मैचों के अपने करियर में 29 शतक की मदद से 6996 रन बनाए थे। उनका औसत 99.96 का रहा था। एक बार डॉन ब्रैडमैन ने सचिन की बल्लेबाजी देखकर कहा था कि यह लड़का मेरी तरह बैटिंग करता है। सचिन दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनके बारे में डॉन ब्रैडमैन ने यह बात कही थी। इसके बाद ब्रैडमैन ने अपने बर्थडे पर सचिन तेंदुलकर को इनवाइट भी किया था।

डिब्बाबंद खानों पर आंख मूंदकर न करें विश्वास

इस भागदौर भरी जिंदगी में लोगों को हर काम में जल्दी रहती है। कुछ लोग ऐसे भी होते है जो पैकेट में पीछे की ओर दी जाने वाली फाइन लाइन को नहीं पढ़ते, जहां चीज में मौजूद पोषक तत्वों के बारे में लिखा होता है। पैकेट में सामने की और लिखे फैट फ्री, जीरो कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द पढ़ते ही वस्तु की खरीदारी कर लेते हैं। परिणामस्वरूप लंबे समय तक लो फैट बिस्कुट और जीरो कोलेस्ट्रॉल वाली ब्राउन बैड खाकर भी उनके कोलेस्ट्रॉल लेवल और ट्रिग्लीसिराड लेवल में बदलाव नहीं होता। लो फैट और एनर्जी फूड का सेवन करके भी पूरे दिन थकावट महसूस होती रहती है।

जीरो कोलेस्ट्रॉल/कोलेस्ट्रॉल फ्री

हालांकि वनस्पति तेल में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता, पर यह वसा ही है। आमतौर पर हम मक्खन का चुनाव करते हैं, क्योंकि इसमें सेचुरेटेड फैट कम होता है। वनस्पति तेल की एक चम्मच में 14 ग्राम वसा और सौ कैलोरी होती है, इतनी ही मात्र एक चम्मच मक्खन क्रीम से मिलती है। ऐसे में खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की आशंका बनी ही रहती है। यही कारण है कि कोलेस्ट्रॉल लेवल और वजन में अंतर देखने को नहीं मिलता। बेहतर होगा कि हम वनस्पति तेल के उपभोग की मात्र को सीमित करें। कोलेस्ट्रॉल फ्री खाद्य वस्तुओं में सैचुरेटेड वसा प्रतिशत जानें।

फैट फ्री/लो फैट

यदि किसी खाने के पैकेट पर लो फैट या फैट फ्री लिखा है तो वह खाना सेहत के लिए कितना अच्छा है, इससे जानने के लिए उसके न्यूट्रीशनल फैक्ट्स अवश्य पढ़ें। आमतौर पर इन खानों में प्राकृतिक वसा तो कम होती है, पर कम वसा के कारण स्वाद में आई कमी की क्षतिपूर्ति सोडियम, अधिक शुगर और थिकनर जैसे इमल्सीफायर मिलाने से कर दी जाती है, जिससे नुकसान की आशंका भी बनी रहती है। उदाहरण के लिए प्रोपीलीन ग्लाइकोल, एक कृत्रिम घोल है, जो खाद्य पदार्थों में इमल्सीफायर के तौर पर इस्तेमाल होता है, इसकी पहचान त्वचा और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचाने वाले टॉक्सिक के रूप में भी होती है। इसके अलावा, इस तरह के खानों से संतुष्टि नहीं मिलती, तो इन्हें खाने के बाद आपकी इच्छा और खाने की बढ़ जाती है। सब्जियों में पाए जाने वाले पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, डी, ई आदि वसा में घुलनशील होते हैं यानी उन पोषक तत्वों को ग्रहण करने के लिए शरीर को कुछ वसा की जरूरत होती है, पर वसा से दूर रहने के कारण है कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। हर समय थकावट महसूस करते हैं और भूख लगती रहती है।

नो एडीटिव

यह लाइन कुछ खास जूस, ब्रेड और अनाजों पर देखने को मिलती है, पर किसी चीज में शुगर कई तरह से हो सकती है जैसे हाई फ्रक्टोस कॉर्न सिरप, शहद और लेक्टोस आदि। नो एडिटिव व नेचुरल आदि शब्द उलझन को बढ़ा देते हैं, इनके संबंध में नियम भी नहीं है। बेहतर होगा कि शुगर फ्री या नो शुगर आदि शब्दों पर गौर करें। यदि किसी चीज में एक समय के भोजन में 400 से अधिक कैलोरी मिल रही है तो चुनाव समझकर ही करें।

कब्र के नीचे परिवार सहित रहते हैं लोग

अमूमन आपने सुना व देखा हो कि इंसान के मरने के बाद उसे जला दिया जाता है या उसे दफना दिया जाता है। यह सब करने के बाद सब उसे भूल जाते हैं। अगर इंसान को दफनाया जाता है तो हम कभी कभार उसकी कब्र की देखभाल कर आते हैं। हर कोई यह समझता है है कि श्मशान घाट हो या कब्र। इंसान के मरने के बाद उसकी आत्मा भूत बनकर वहां पर उपस्थित रहती है और हर कोई वहां पर जाने से डरता है। लेकिन आपको बता दें कि मिस्त्र देश का एक शहर ऐसा है जहां पर लोग मरे हुए इंसान की इस तरह से कब्र बनबाते हैं कि कब्र की देखभाल करने के लिए वहां पर देखभाल करने वाला अपने परिवार के साथ रह सकें।

नींद की गोली खाते हैं तो हो जाएं सावधान

टैंशन और मानसिक तनाव को अपने से दूर रखने बहुत सारे लोग नींद की गोलियों का सेवन करते हैं। वहीं कुछ लोग सर्दी, फ्लू, बुखार एलर्जी और बढ़िया नींद लेने के लिए भी एंटी-कोलीनर्जिक युक्त गोलियों लेते हैं, शायद वह यह नहीं जानते कि इस तरह की दवाओं का सेवन करने से वह अपनी सेहत बिगाड़ रहे हैं। नींद की गोली हमारे दिमाग पर बुरा असर डालती है। यह बात हम नहीं बल्कि बहुत सारे शोधों में कहीं गई है।

बच्चों को हाथ धोना जरूर सिखाएं

आमतौर पर बच्चे हाथ धोने को लेकर ज्यादा संजीदा नहीं होते। न तो वे खाने से पहले हाथ धोना पसंद करते हैं और न ही बाथरूम के बाद ही उन्हें अपने हाथ अच्छी तरह से साफ करना पसंद होता है। खेलने के बाद सीधा खाने की मेज पर बैठ जाना तो बच्चों के मामले में आम बात है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि बच्चे आपकी सुनते नहीं हैं, तो आप उन्हें कहना बंद कर दें। हाथ धोना कीटाणुओं से बचने का सबसे कारगर तरीका है। इससे आप रोगाणुओं को फैलने से रोक सकते हैं और साथ ही अपने बच्चों को कई संक्रमणों से बचा सकते हैं।

कीटाणुओं से बचने का पहला उपाय

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यस्कों के मुकाबले कमजोर होती है, इसलिए आपको चाहिए कि उनकी खास देखभाल करें। कीटाणु भी इस प्रकार से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं-

- गंदे हाथों से छूने।
- गंदे डायपर बदलते समय।
- दूषित पानी और भोजन के जरिए।
- छींक अथवा खांसी के समय आने वाली बूंदों से।
- दूषित सतहों से।
- बीमार व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थ के साथ संपर्क के माध्यम से।

जब बच्चे कीटाणुओं के संपर्क में आते हैं, तो वे जाने-अनजाने ही उससे संक्रमित हो जाते हैं। वे उन हाथों से कभी आंखों, कभी नाक और मुंह को छूते हैं। इससे कीटाणु उनके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और वे बीमार पड़ जाते हैं। एक बार अगर बच्चा किसी संक्रमित रोग से ग्रस्त हो जाए, तो पूरे परिवार के रोग ग्रस्त होने की आशंका रहती है।

कीटाणुओं से बचने के लिए क्या करें

- भोजन से पहले हाथ जरूर धोएं।
- शौच के बाद भी हाथ धोना बहुत जरूरी है।
- घर की साफ सफाई के बाद हाथ अवश्य साफ करें।
- पालतू जानवरों से खेलने के बाद।
- किसी बीमार व्यक्ति से मिलकर आने के बाद।
- छींक या खांसी के बाद।
- खेलने या बागवानी के बाद।

हाथ धोना सुरक्षा की दीवार

अच्छी तरह से हाथ धोना कई बीमारियों से बचने की पहली रक्षा पंक्ति होती है। सिर्फ अच्छी तरह से हाथ धोने से ही आप सामान्य ठंड से लेकर, दिमागी बुखार, श्वासनलिकाशोथ, इन्फ्लूएंजा, हेपेटाइटिस ए, और संक्रामक दस्त तक से बच सकते हैं।

ऐसे धोएं अपने हाथ

बच्चों को अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालें। उन्हें अपने साथ खड़ा कर हाथ धोएं। हो सके तो दोनों साथ ही हाथ धोएं। इससे उन्हें हाथ धोने का सलीका तो मालूम चलेगा ही साथ ही साथ उन्हें इस बात का भी अंदाजा होगा कि आखिर हाथ धोना कितनी अच्छी आदत है।

गुनगुने पानी से धोएं हाथ

हाथ अगर गुनगुने पानी से धोए जाएं तो बेहतर। इससे अधिक संख्या में कीटाणु मरते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि पानी अधिक गर्म न हो। अधिक गर्म पानी से बच्चों की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

कितनी देर धोएं हाथ

साबुन से अच्छी तरह झाग बनाकर करीब 20 सेकेंड तक हाथ धोना सही रहता है। जरूरी नहीं कि आप एंटी बैक्टीरियल साबुन का ही इस्तेमाल करें। कोई भी साबुन कीटाणुओं को मारने में कारगर हो सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपके बच्चे उंगलियों के बीच में और नाखूनों के आसपास भी अच्छी तरह से हाथ धोएं। और हां कलाई साफ करना न भूलें।

सुखाने के लिए तौलिया हो सही

हाथ धोने के बाद उसे तौलिये से पोंछ लें। इस बात का ध्यान रखें कि आपका बच्चा जिस तौलिये से हाथ साफ कर रहा है वह साफ और सूखा हो। गंदे तौलिये से हाथ साफ करने से बच्चे के हाथ पर दोबारा कीटाणु जमा हो सकते हैं। और ऐसे में उसका हाथ धोना बेकार जाएगा।

हाथ धोने की महता को नजरअंदाज न करें। हाथों की सफाई पर लगाए गए चंद सेकेंड आपके और आपके बच्चे को डॉक्टर के पास लगने वाले कई चक्करों से बचा सकते हैं।

आंखों के काले घेरे हटाने के लिए घर पर ऐसे बनाएं क्रीम

आखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे ना सिर्फ आपकी खूबसूरती को कम कर देते हैं बल्कि इसके अलावा वो आपको आपकी उम्र से ज्यादा दिखाने लगते हैं। आंखों के आसपास की त्वचा कहीं ज्यादा नाजुक होती है और चेहरे के अन्य भागों की अपेक्षा पतली भी, इसलिए इसे ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। आंख के पास काले घेरों के कई कारण हैं। यह अनुवांशिक भी हो सकता है या फिर थकावट आदि के कारण भी। इस लेख में हम आपको आंखों के काले घेरे से निपटने के लिए घर में बनने वाली अंडर आई क्रीम के बारे में बता रहे हैं।

अंडर आई क्रीम बनाने की विधि

दो सॉस पैन, दो ग्लास, चम्मच, थर्मोमीटर, हैंडहेल्ड मिक्सर, कोकोनट तेल, प्रिमरोज, विटामिन ई, लैवेंडर ऑयल आदि लें। घर में आखों के नीचे के काले घेरे मिटाने के लिए एक मध्यम आकार के सॉसपैन को लें और उसमें कोकोनट तेल, प्रिमरोड, विटामिन ई को थोड़ें से पानी के साथ गर्म करें। सारे तेल के आपस में अच्छी तरह मिल जाने के बाद आप उसमें लैवेंडर ऑयल को मिलाएं। ये मिक्सर ठंडा होने तक तरल ही रहेगा। अगर आपको इसे ज्यादा जल्दी चाहिए तो आप इसे फ्रिज में रख लों। जब ये मिक्सर गाढ़ा हो जाए को एक जार में भर कर रख लें। आप रात में इसका प्रयोग कर ना शुरू पर भी कर सकती है। इससे आपको पता चल जाएगा कि इन तेलों का आपकी त्वचा पर क्या प्रभाव पड़ता है।

काले घेरे दूर करने के उपाय

चाय की पत्ती को रातभर दूध में भिगोकर रखें। अब चाय की पत्ती को दूध में अच्छे से मिक्स करके डार्क सर्कल्स पर लगाएं। कुछ ही दिन में आपको फर्क महसूस होगा। आंखों के काले घेरों को हमेशा के लिए हटाने के लिए खीरे के पतले पतले स्लाइस काटकर आंखों पर लगभग 10 तक मिनट रखें। ऐसा करने से दिन भर की थकान दूर हो जाती है और कुछ ही दिन में डार्क सर्कल्स हमेशा के लिए गायब हो जाएंगें। बादाम का तेल कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है जो आंखों के आसपास की त्वचा को फायदा पहुंचाता है। बादाम के तेल के नियमित उपयोग से त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है, इसीलिए इसे आंखों के आसपास लगाने से डार्क सर्कल दूर हो जाते है। रात में इसे आंखों के नीचे थोड़ा सा लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के बाद ऐसा ही छोड़ दें। सुबह उठने के बाद मुंह धो लें। यह ध्यान रखें कि आपके आंखों के नीचे की त्वचा से कोई भी सीधा संपर्क कोमल होना अत्यावश्यक है, क्योंकि यह आपके शरीर की सबसे नाजुक त्वचा में से एक है।

अनेक स्किल्स में माहिर होने की जरूरत

वॉटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

जल इंसान की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है,लेकिन इतने विकास के बावजूद विश्व की एक बड़ी जनसंख्या आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित है। कृषि, औद्योगिक और घरेलू उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता में पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदलाव आए हैं और खेद की बात है कि स्थिति में कोई सुखद सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में काफी काम किया जाने लगा है जिसके चलते वॉटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के अनेक अवसर सामने आ रहे हैं।

योग्यता...

चूंकि वॉटर मैनेजमेंट एक जटिल विषय है इसलिए इससे संबंधित कार्य करने के लिए अनेक स्किल्स में माहिर व्यक्ति की जरूरत होती है। फील्ड को-ऑर्डिनेटर और प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्य पाने के लिए मास्टर ऑफ सोशल वर्क की डिग्री काफी पसंद की जाती है। भू-जल और कृषि के क्षेत्र में शोध करने वाली कंपनियां जियोलॉजी, एग्रीकल्चरल साइंस, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी में मास्टर्स एवं पीएचडी डिग्री धारकों को काम पर रखती हैं। आजकल इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए पब्लिक पॉलिसी डिग्रियों का भी प्रचलन देखने को मिल रहा है। इसका कारण यह है कि अक्सर अनेक सीमाओं से गुजरने वाले जल यानि नदियों आदि को लेकर अनेक विवाद भी जन्म ले सकते हैं। ऐसे में पानी से संबंधित पब्लिक पॉलिसी पर भी जोर दिया जाने लगा है।

इंस्टीट्यूट वॉच...

- आईआरएमए आनंद इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद
- टीआईएसएस इंस्टीट्यूट, मुंबई
- क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया
- उपसला यूनिवर्सिटी, स्वीडन

पारिश्रमिक...

जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले फील्ड वर्कर या को-ऑर्डिनेटर प्रतिमाह 10 हजार रुपए या अधिक प्राप्त कर सकते हैं, जबकि प्रोजेक्ट मैनेजर 25 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। किसी कंपनी में बतौर कंसल्टेंट कार्य करने वाले 35 हजार से 1 लाख रुपए प्रतिमाह तनख्वाह पाते हैं, जबकि स्वतंत्र रूप से कंसल्टेंसी चलाने वाले इससे कहीं अधिक आय प्राप्त करते हैं। इसके अलावा विभिन्न पदों पर कार्य करने वाले प्रोफेशनल भी पद और अनुभव के अनुसार काफी अच्छी आय हासिल कर सकते हैं। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि वॉटर मैनेजमेंट में आप एक बेहतर भविष्य देख सकते हैं।

प्रोस्टेट कैंसर को जानने की दिशा में नई पहल

वैज्ञानिकों ने एक शोध के जरिए यह पता लगाया है कि कुत्ते मूत्र के नमूनों को सूंघकर 90 प्रतिशत स्टीकता के साथ प्रोस्टेट कैंसर का पता लगा सकते हैं। इस शोध से यह उम्मीद जगी है कि इंसानों में कैंसर और संक्रामक बीमारियों की पहचान करने में कुत्तों की सूंघने की क्षमता काफी मददगार साबित हो सकती है।

रक्त परीक्षण के जरिए की जाती है बीमारी की पहचान

शोध के दौरान 2 जर्मन शैफर्ड कुत्तों को 900 पुरुषों का मूत्र सुंघाया गया, जिनमें से 360 लोगों को प्रोस्टेट कैंसर था, जबकि 540 लोगों को यह बीमारी नहीं थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 90 प्रतिशत मामलों में दोनों कुत्तों ने बीमारी की पहचान कर ली। हालांकि मिलान के रिसर्च सेंटर और अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं ने यह भी स्वीकार किया कि प्रोस्टेट कैंसर की पहचान के लिए कुत्तों की सूंघने की क्षमता कितनी उपयोगी साबित हो सकती है, इस बारे में और रिसर्च किए जाने की जरूरत है। मौजूदा वक्त में इस बीमारी की पहचान रक्त परीक्षण के जरिए की जाती है जिसे पीएसए टेस्ट के तौर पर जाना जाता है। हालांकि यह प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं माना जाता। इससे पहले किए गए शोधों में भी यह पाया गया था कि कुत्ते 93 प्रतिशत की स्टीकता के साथ प्रोस्टेट कैंसर का पता लगा सकते हैं।

मधुमेह से लड़ने में मदद करेगा मोबाइल एप

शोधकर्ताओं ने ऐसी मोबाइल एप तैयार की है जोकि मधुमेह से लड़ने में मदद करेगी। इस एप के जरिए लोग अपो खाने-पीने की आंदतों और कसरत आदि पर नजर रख पाएंगे। इस एप में मधुमेह से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण मौजूदा समय में मधुमेह का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह एप इस बीमारी से बचाव में काफी मददगार साबित हो सकता है।

रेसिपी

पालक ढोकला

सामग्री

1 कप बेसन, 2 गुच्छा पालक, 1/4 कप दही (फेंटी हुई), 1 इंच पीस अदरक, 2-3 हरी मिर्च, 2 चम्मच तेल, 2 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच शक्कर, नमक (स्वादअनुसार), 1 चम्मच ईनो, छौंकने की सामग्री, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच राई, 2 चम्मच तिल, 4-5 कड़ी पत्ती, 1/4 हींग

विधि

ढोकला बनाने के लिए सबसे पहले आप पालक को अच्छे से धो कर काट लें। अब इसे भाप में पका कर ठंडा कर लें और इसमें अदरक और हरी मिर्च पीस कर मिला दें। ध्यान में रखें कि यह प्यूरी लगभग 1 कप हो। इसके बाद एक बड़ा कटोरा लेकर उसमें बेसन, पालक की प्यूरी, दही और तेल मिलाएं। घोल को पतला करने के लिए इसमें पानी मिला दें। घोल ज्यादा पतला और गाढ़ा नहीं होना चाहिए। अब इसमें नमक, शक्कर और नींबू मिला कर 5-10 मिनट के लिए रख दें। बाद में इस घोल में ईनो मिला लें। उसके तुरंत बाद ही तेल लगे सांचे में घोल भरें। ढोकलों को स्टीमर में डाल कर 15-20 मिनट तक गैस की तेज आंच पर पकाएं। बाद मे गैस को बंद कर दें। स्टीमर से ढोकलों को निकाल कर 10 मिनट तक ठंड़ा होने के लिए रखें।

छौंक लगाने की विधि: एक पैन में हींग, राई, तिल और कड़ी पत्ती डालें और गैस पर रख कर तड़का तैयार कर लें। बाद में गैस को बंद कर दें। अब इसे ढोकलों के चारों ओर से ऊपर डालें और हरी चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

क्रिस्पी सोया चिली रेसिपी

सामग्री

100 ग्राम सोया चंक्स, 1 बड़ी शिमला मिर्च, 3 बड़े प्याज (मोटे कटे हुए), छोटी कटोरी हरे प्याज, 1 कटोरी ब्रोकली, 1 चम्मच अदरक-लहुसन की पेस्ट, 1 टेबलस्पून मक्की का आटा, 1 चम्मच सोया सॉस,1 विनेगर, 1 चम्मच टमैटो केचप, तेल आवश्यकतानुसार, नमक, मिर्च, हल्दी, हरी मिर्च स्वादानुसार

विधि

सोया चंक्स को 1 घंटे के लिए गर्म पानी में भिगोएं रखें फिर निचोड़ कर निकालें। अब उसमें नमक, मिर्च, हल्दी, अदरक लहुसन की पेस्ट, मक्की का आटा अच्छी तरह मिक्स करें और बाद में इन्हें डिप फ्राई कर लें। एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें, उसमें लहसुन और प्याज मिलाकर ब्राउन होने तक भूनें। बाद में उसमें शिमला मिर्च, ब्रोकली और हरे प्याज डालें। 2 मिनट के बाद फ्राई सोया उसमें डालें। सारे मिश्रण को अच्छे से उल्टे-पल्टे। अब उसमें सोया सॉस, विनेगर, टैमटो केचप, नमक और हरी मिर्च डालें और अच्छी तरह से मिक्स करके एक मिनट तेज आंच पर पकाएं। फिर हरे धनिएं से रैसिपी को सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**